रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:44 | गुरूवार,16 अक्टूबर | ₹5

ब्रीफ न्यूज

टिकट नहीं मिला, तो बीमार हो गए भाजपा नेता रमेश हांसदा

संवादाता

रांचीः : भाजपा नेता रमेश हांसदा की तबीयत अचानक खराब हो गई है। टिकट नहीं मिलने से तनाव बढ़ने के वजह से उन्हें सदर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। रमेश हांसदा पिछले एक महीने से घाटशिला विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर रहे थे। वह भाजपा के एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य हैं। रमेश हांसदा एक अच्छे नेता के रूप में जाने जाते हैं। वहीं, भाजपा ने घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन को अपना उम्मीदवार बनाया है।

पुंदाग तालाब में डूबे व्यक्ति का शव बरामद

संवादाता

रांचीः पुंदाग क्षेत्र स्थित तालाब में डूबे एक व्यक्ति का शव बुधवार को पुंदाग ओपी की पुलिस टीम ने खोज निकाला। व्यक्ति की मौत डूबने से हुई थी। मंगलवार को एनडीआरएफ की टीम ने भी तलाशी अभियान चलाया था, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पाई थी। इसके बादबुधवार को स्थानीय पुंदाग ओपी पुलिस ने खुद सर्च ऑपरेशन चलाया और शव को बरामद कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, जिसके बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

रांची में तालाबों के पास चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

संवादाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में आगामी लोक आस्था के महापर्व छठ को ध्यान में रखते हुए रांची नगर निगम ने शहर के विभिन्न छठ घाटों एवं संपर्क मार्गों पर अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया। नगर निगम प्रशासक के निदेशानुसार सभी तालाबों एवं जलाशयों के आस-पास स्वच्छता, सुगमता एवं सुव्यवस्था बनाए रखने हेतु निगम की टीमें सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को विभिन्न तालाबों के बाउंड्री वॉल एवं मार्गों पर बने अवैध दुकानों, अस्थायी ढांचों, ठेलोंएवं गुमटियों को हटाया गया।

रांची के कई क्षेत्रों में आज नहीं रहेगी बिजली

संवादाता

रांची : राजधानी रांची में गुरुवार को विद्युत शक्ति उपकेंद्र पॉलीटेक्निक में मीटरिंग यूनिट लगाने से संबंधित कार्य किया जाएगा, जिसकी वजह से विद्युत शक्ति उपकेंद्र पॉलीटेक्निक से निकलने वाले 11 केवी के सभी फीडर की विद्युत आपूर्ति अलग-अलग समय में डेढ़ घंटे के लिए बाधित रहेगी। यह जानकारी बुधवार को बिजली विभाग की ओर से दी।

तेजस्वी यादव ने राघोपुर से भरा पर्चा, दो जगह से चुनाव लड़ने पर भी दी प्रतिक्रिया

राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने राघोपुर से अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। पर्चा दाखिल करने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें विश्वास है कि राघोपुर की जनता एक बार फिर हम पर भरोसा करेगी पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि राघोपुर की जनता ने हम पर लगातार दो बार भरोसा किया है।

जदयू ने बिहार चुनाव के लिए 57 उम्मीदवारों की पहली सूची की जारी, कोई मुस्लिम उम्मीदवार नहीं, 3 दबंग और 5 मंत्री शामिलपर

एजेंसी

पटना : जनता दल यूनाइटेड ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर अपनी शुरूआती सूची में 57 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। पार्टी ने विभिन्न जाति समूहों को संतुलित करने का प्रयास किया है, लेकिन इसमें चार महिला उम्मीदवारों को जगह मिली है, जबकि इस लिस्ट में एक भी मुस्लिम समुदाय के उम्मीदवार का नाम नहीं है। पार्टी ने लव-कुश (कुर्मी और कोइरी) समुदाय को मजबूत करने की रणनीति अपनाई है। इस सूची में इन दोनों जातियों से 21 से अधिक उम्मीदवार हैं। महिलाओं में मधेपुरा से कविता साहा, गायघाट से कोमलसिंह, समस्तीपुर से अश्वमेघ देवी और विभूतिपुर से रवीना कुशवाहा को मौका दिया गया है। वर्तमान मंत्रियों में विजय कुमार चौधरी को सरायरंजन, श्रवण कुमार को नालंदा और सुनील कुमार को भोरे से मैदान में उतारा गया है। सूची में 27 नए चेहरे हैं, जबकि 11 ऐसे उम्मीदवार हैं जो पिछले चुनाव में असफल रहे थे। तीन प्रभावशाली दबंग नेताओं को टिकट मिला है: मोकामा से अनंत सिंह (जिन्होंने 14 अक्टूबर 2025 को नामांकन कर दिया), एकमा से धुमल सिंह और कुचायकोट से अमरेंद्र पांडे। इनकी क्षेत्रीय पकड़ मजबूत मानी जाती है। सरकार के पांच मंत्रियों को फिर से टिकट: महेश्वर हजारी, रतनेश सदा, विजय चौधरी, श्रवण कुमार और एक अन्य। विधानसभा उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव को भी उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने 18 मौजूदा विधायकों को दोहराया, लेकिन दो के टिकट काटे। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान द्वारा दावा की गई पांच सीटों–सोनबरसा, अलौली, राजगीर, एकमा और मोरवा–पर भी जदयू ने अपने उम्मीदवार उतारे। महेश्वर हजारी की सीट कटने की अफवाहों को खारिज कर उन्हें कल्याणपुर से फिर मैदान में उतारा गया।

घाटशिला उपचुनाव : झामुमो ने सोमेश सोरेन के नाम पर लगाई मुहर

सोमेश सोरेन को जनता देगी आशीर्वाद : हेमंत

संवादाता

रांचीःघाटशिला उपचुनाव के लिए झामुमो ने अपने प्रत्याशी का ऐलान कर दिया है. झामुमो की ओर से सोमेश सोरेन को अपना प्रत्याशी बनाया गया है. सोमेश सोरेन पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के बेटे हैं. रांची में आयोजित झामुमो की केंद्रीय समिति की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमेश सोरेन के नाम की घोषणा की. बैठक में यह भी बताया गया कि 17 अ ?टूबर को सोमेश चंद्र सोरेन अपना नामांकन दाखिल करेंगे.गौरतलब हो कि आज बुधवार को रांची के सोहराय भवन में झामुमो की केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक हुई. जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष हेमन्त सोरेन ने की.

बैठक में पाटी संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान की समीक्षा के साथ- साथ बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव और घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर विशेष चर्चा हुई. झामुमो की केंद्रीय समिति की इस बैठक में सीएम हेमन्त सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन के अलावा सांसद और विधायक के साथ-साथ बिहार, झारखंड, असम, ओडिशा, छ?ीसगढ़, पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधि भी शामिल हुए. घाटशिला से पूर्व शिक्षा मंत्री दिवंगत रामदास सोरेन की पत्नी और पुत्र भी बैठक में उपस्थित हुए. मौके पर हेमंत सोरेन ने कहा है कि घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए लोगों के दिलों में बसने वाले आंदोलनकारी और अभिभावक स्वरूप रामदास दा के बड़े बेटे, मेहनतकश युवा नेता सोमेश सोरेन को झामुमो ने अपना उम्मीदवार बनाया है. पिछले चुनावों में रिकॉर्ड जीत के साथ रामदास दा को घाटशिला की जनता ने अपना आशीर्वाद दिया था, हमें विश्वास है इस उपचुनाव में भी जनता अपना भरपूर स्नेह और आशीर्वाद सोमेशचंद्र सोरेन को देगी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखा जलाने की दी अनुमति

एजेंसी

नई दिल्ली : दीवाली पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के लोगों को बड़ा तोहफा दिया है. कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की बिक्री पर लगी रोक हटा दी और पटाखे जलाने की भी इजाजत दी है. मुय न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने कहा कि कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एमिकस यूरी के सुझावों पर विचार किया, जिसमें उन्होंने त्योहार पर पटाखा उत्पादकों और लोगों को यह राहत देने की सिफारिश की थी.सीजेआई गवई ने कहा कि ग्रीन पटाखों के अलावा दूसरे पटाखों की तस्करी चिंता का विषय है. हमें संतुलित रवैया अपनाना होगा.

कोर्ट ने कहा कि हरियाणा के 14 जिले एनसीआर में हैं यानी राज्य का 70 प्रतिशत हिस्सा पटाखे पर रोक से प्रभावित है. पिछली सुनवाई में एसजी तुषार मेहता ने कोर्ट से आग्रह कियाथा कि लोगों को त्योहार पर पटाखे जलाने की इजाजत दी जाए.नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली से पहले पटाखों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक दिल्ली-ठउफमें ग्रीन पटाखे बेचने और जलाने की इजाजत दी है।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। अब लोग बिना किसी डर के ग्रीन पटाखे खरीद और जला सकेंगे।

सीजीआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन द्वारा कहा गया कि हमने सॉलिसिटर और एमिकस के सुझावों पर विचार किया है। हमने देखा है कि इंडस्ट्री को चिंता है। पारंपरिक पटाखों की स्मगलिंग होती है, जिससे ज्यादा नुकसान होता है।

बिहार चुनाव को लेकर पीएम ने दिया जीत का मंत्र

'हर बूथ कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में 'मोदी' महिलाएं निभाएंगी बड़ी भूमिका

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकताओं से केंद्र और राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर घर जाने को कहा और 'एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार - इससे बनेगी सुशासन की सरकार' का नारा दिया। चुनावी राज्य के भाजपा कार्यकताओं के साथ नमो ऐप के माध्यम से संवाद करते हुए, प्रधानमंत्री ने पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए हर मतदान केंद्र (बूथ) पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बूथ कार्यकताओं को अपने-अपने क्षेत्र के प्रत्येक परिवार को उन्हें उपलब्ध सरकारी लाभों के बारे में बताने के लिए प्रोत्साहित किया।जब हर बूथ मजबूत होता है, तभी पार्टी जीतती है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कार्यकताओं का भोजपुरी में अभिवादन करने के बाद कहा, 'जब हर बूथ मजबूत होता है, तभी पार्टी जीतती है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'हर बूथ कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में मोदी है।' उन्होंने कार्यकताओं से सरकारी योजनाओं के बारे में मतदाताओं को उनकी ओर से गारंटी देने को कहा। उन्होंने कहा कि बिहार के बूथ कार्यकताओं को अपने क्षेत्रों के परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के वीडियो भी दिखाने और साझा करने चाहिए। मोदी ने 'एकजुट एनडीए, एकजुट बिहार - इससे बनेगी सुशासन की सरकार' का नारा दिया। एनडीए की जीत के बाद एक और दिवाली : प्रधानमंत्री ने कहा कि 14 नवंबर को राजग (एनडीए) की जीत के बाद एक और दिवाली सुनिश्चित करने में बिहार की माताएं और बहनें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि बिहार की सभी बहनों और माताओं को समूह में मतदान करने जाना चाहिए, गीत गाना चाहिए, थाली बजाकर लोकतंत्र का उत्सव मनाना चाहिए। 23 अक्टूबर को भाई दूज पर विशेष कार्यक्रम : प्रधानमंत्री ने बिहार में भाजपा बूथ कार्यकताओं से कहा कि वे 23 अक्टूबर को भाई दूज पर अपने बूथ की सभी बहनों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करें। उधर, भाजपा ने बुधवार को बिहार विधानसभा चुनावों के लिए 12 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें गायिका मैथिली ठाकुर को अलीनगर से और पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा।

भाजपा ने घाटशिला उपचुनाव के लिए बाबूलाल सोरेन को बनाया उम्मीदवार

संवादाता

रांचीःभारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्रीय चुनाव समिति ने बाबूलाल सोरेन को झारखंड के घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के लिए होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशी घोषित किया है। इस संबंध में बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने पत्र जारी कर दिया है। बाबूलाल सोरेन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र हैं और इससे पहले भी वे घाटशिला सीट से विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। भाजपा की स्थानीय इकाई ने उनके नाम की आधिकारिक घोषणा कर दी है। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में इस बार भी भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना है। पिछली बार 2019 के विधानसभा चुनाव में बाबूलाल सोरेन को झामुमो के रामदास सोरेन ने पराजित किया था। उस चुनाव में रामदास सोरेन को 98,356 वोट मिले थे, जबकि बाबूलाल सोरेन को 75,910 वोट प्राप्त हुए थे। चुनाव आयोग ने घाटशिला विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की तिथि की घोषणा कर दी है। यहां मतदान 11 नवंबर को होगा। मतगणना 14 नवंबर को होनी है, जबकि नामांकन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर है। चुनाव आयोग की ओर से यहां कुल 300 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदाताओं की संख्या और क्षेत्र का विवरणघाटशिला विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित है। इस क्षेत्र में कुल 2,55,823 मतदाता हैं, जिनमें पुरुष मतदाता 1,24,899 और महिला मतदाता 1,30,921 हैं, जबकि ट्रांसजेंडर मतदाता की संख्या तीन है। उल्लेखनीय है हाल ही में झामुमो विधायक रामदास सोरेन के निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी।

गौरव | बीआईटी मेसरा के दीक्षांत समारोह में 1460 छात्रों को डिग्री देकर किया गया सम्मानित

निरंतर सीखें और देश के विकास में योगदान दें युवा : डॉ नारायणन

एजेंसी

रांची : बिरला प्रोद्यौगिकी संस्थान-बीआईटी मेसरा का 35वें दीक्षांत समारोह का आयोजन बुधवार को किया गया। दीक्षांत समारोह में 1460 छात्रों को डिग्री दी गई। इनमें 1000 अंडरग्रेजुएट्स, 320 पोस्ट ग्रेजुएट्स और 75 पीएच स्कॉलर्स,

65 डिप्लोमा होल्डर्स को डिग्री दी गई। कार्यक्रम में इसरो के अध्यक्ष डॉ वी नारायणन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उन्होंने छात्रों को वैज्ञानिक उत्सुकता, निरंतर सीखनेऔर देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। डॉ वी नारायणन ने छात्रों से कहा कि आप अपनी पेशेवर यात्रा की शुरूआत करने जा रहे हैं, ऐसे में जरूरी है कि आप सहानुभूति, आपसी सहयोग और प्रयोजन के सिद्धान्तों को याद रखें। ये सिद्धान्त जीवन में सफलता पाने के लिए बेहद जरूरी हैं। आपने इस प्रतिष्ठित संस्थान में जो ज्ञान एवं मूल्य हासिल किए हैं, उनका सदुपयोग कर

जीवन में बदलाव लाएं और दुनिया की मुश्किल चुनौतियों को हल करने का प्रयास करें। इसके पूर्व दीक्षांत समारोह की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। इसके बाद संस्थान की अकादमिक उत्कृष्टता और विरासत का जश्न मनाया गया। मौके पर सीके बिरला ग्रुप के अध्यबक्ष और बीआईटी मेसरा के सीके चांसलर ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक अकादमिक यात्रा का समापन नहीं बल्कि आजीवन उत्सुकता और इनोवेशन की शुरूआत है। उन्होंनने कहा कि आज दुनिया को ऐसे लीडरों की जरूरत है जो स्पष्टता के साथ सोच सकें, अखंडता के साथ काम कर सकें और प्रयोजन के साथ निर्माण कर सकें। मुझे विश्वास है कि बीआईटी मेसरा के छात्र इस बदलाव में अग्रणी रहेंगे और अपने ज्ञान एवं कल्पनाशीलता का उपयोग कर प्रगतिशील एवं समावेशी भविष्य को आकार देंगे।

संस्थान नए बेंचमार्कस्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध : इंद्रानिल मन्ना

संवादाता

रांचीःइस अवसर पर संस्थान के वाईस चांसलर और प्रोफेसर इंद्रानिल मन्ना ने सालाना गतिविधि रिपोर्ट पेश की और अनुसंधान, इनोवेशन और विश्वस्तरीय साझेदारियों में बीआईटी मेसरा की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि संस्थान नए बेंचमार्क स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उद्योग जगत के लीडरों और भविष्य के लिए तैयार पेशेवरों का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा सिर्फ ज्ञान प्राप्त करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अखंडता और दृढ़ विश्वास के साथ नेतृत्व करने के बारे में है। हमारे ग्रेजुएट्स पेशेवर दुनिया में कदम रख रहे हैं, मुझे विश्वास है कि वे समुदायों और उद्योगों में सकारात्मक बदलाव लेकर आएंगे। उन्होंलने सभी ग्रेजुएट्स को उनकी कड़ी मेहनत तथा उत्कृष्टता के लिए बधाई दी। प्रोफेसर मन्ना ने बताया कि बीआईटी मेसरा के 355वें दीक्षांत समारोह में 1000 अंडरग्रेजुएट्स, 320 पोस्ट ग्रेजुएट्स और 75 पीएच स्कॉलर्स, 65 डिप्लोमा होल्डर्स को डिग्री दी गई। इसके अलावा सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को गोल्ड मैडल से भी सम्मानित किया गया। इसके बाद संस्थान की अकादमिक उत्कृष्टता और विरासत का जश्न मनाया गया। मौके पर सीके बिरला ग्रुप के अध्यबक्ष और बीआईटी मेसरा के सीके चांसलर ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक अकादमिक यात्रा का समापन नहीं बल्कि आजीवन उत्सुकता और इनोवेशन की शुरूआत है।

बिहार चुनाव : लोक गायिका मैथिली ठाकुर को भाजपा ने दिया टिकट

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए प्रत्याशियों की सूची आने का सिलसिला जारी है। सबसे पहले, पहली सूची भारतीय जनता पार्टी ने जारी की थी। अब जदयू की सूची दोपहर में आने के बाद शाम होते-होते भाजपा ने 12 और प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। इसमें लोक गायिका मैथिली ठाकुर के अलावा चर्चित आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा का भी नाम है। मैथिली ठाकुर पिछले कई दिनों से भाजपा के संपर्क में थीं। उन्हें 14 अक्तूबर को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने पार्टी सदस्यता दिलाई थी। वहीं 2024 के लोकसभा चुनाव में बसर से भाजपा का टिकट नहीं मिलने पर पूर्व आईपीए अधिकारी आनंद मिश्रा भी कुछ महीने पहले ही जनसुराज को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। अब भाजपा ने उन्हें टिकट दे दिया है। तेजस्वी ने

किया नामांकन पटना : राष्ट्रीय जनता दल के नेता और पूर्व डिह्रश्वटी सीएम तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए हाई-प्रोफाइल सीट राघोपुर से नामांकन दाखिल कर दिया है। नेता प्रतिपक्ष बुधवार दोपहर हाजीपुर विधानसभा सीट से राजद प्रत्याशी देव कुमार चौरसिया के साथ नामांकन दाखिल करने के लिए हाजीपुर अनुमंडल कार्यालय पहुंचे। उनके साथ एक दर्जन से अधिक गाड?ियों का काफिला था। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के प्रत्याशियों की पहली सूची जारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीट बंटवारे के बाद से जारी तनाव के बीच आज मुयमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी ने अपने उमीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पहली सूची में 51 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की गई है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि मुयमंत्री नीतीश कुमार का चुनाव प्रचार 16 से शुरू होगा।

बीआईटी मेसरा का 35वां दीक्षांत समारोह, इसरो प्रमुख की उपस्थिति में नई पीढ़ी को मिली प्रेरणा

रांची, संवाददाता ।

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) मेसरा में आज भव्यता और उत्साह के साथ 35वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया. समारोह में 1400 से अधिक विद्यार्थियों को उपाधियां और मेडल प्रदान किए गए. इस अवसर पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ वी नारायणन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. अपने प्रेरक संबोधन में डॉ नारायणन ने छात्रों को विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बनाए रखने, सतत सीखने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि जीवन के हर चरण में संवेदना, सहयोग और उद्देश्य की भावना को केंद्र मंन रखें. यही मूल्य सफलता की असली पहचान हैं. आप जिस ज्ञान और संस्कार के साथ इस संस्थान से निकल रहे हैं, वही आपके भविष्य की दिशा तय करेगा. कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और संस्थान प्रार्थना के साथ हुई, जिसने समारोह को गरिमामय माहौल प्रदान किया. बीआईटी मेसरा के कुलाधिपति और सीके बिरला समूह के अध्यक्ष सीके बिरला ने कहा कि दीक्षांत केवल एक शैक्षणिक यात्रा का अंत नहीं, बल्कि जिज्ञासा और नवाचार की आजीवन खोज की शुरूआत है. आज दुनिया को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो स्पष्ट सोचें, ईमानदारी से कार्य करें और उद्देश्यपूर्ण निर्माण करें. मुझे विश्वास है कि बीआईटी मेसरा के विद्यार्थी इस परिवर्तन की अगुवाई करेंगे. कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए संस्थान की शोध, नवाचार और वैश्विक सहयोग में हुई प्रगति की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि बीआईटी मेसरा में हम शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि दृष्टि, सत्यनिष्ठा और नेतृत्व क्षमता के विकास का साधन मानते हैं. हमारे विद्यार्थी भविष्य में उद्योग, समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे. समारोह में 1000 स्नातक, 320 स्नातकोत्तर, 75 पीएचडी और 65 डिप्लोमा विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं. उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 16 छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया. अंत में अतिथियों का सम्मान किया गया और मंच संचालन टीम ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया. समारोह संचालक ने संकाय, कर्मचारियों और दीक्षांत समारोह समिति के योगदान को स्वीकार करते हुए हार्दिक धन्यवाद दिया.

ध्वनि एवं वायु प्रदूषण पर कार्यशाला आयोजित, विशेषज्ञों ने किया लोगों को जागरूक

रांची। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के जनसंपर्क एवं प्रसार प्रभाग की ओर से डोरंडा स्थित शौर्य सभागार, जेएपी-1 में ध्वनि एवं वायु प्रदूषण को लेकर जागरूकता पर एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित हुआ. कार्यशाला में पर्यावरण विशेषज्ञों ने प्रदूषण के दुष्प्रभाव और उससे निपटने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की. वक्ताओं ने कहा कि दीपावली जैसे त्योहारी मौसम में पटाखों का सीमित उपयोग कर पर्यावरण के अनुकूल तरीके से उत्सव मनाना चाहिए. कार्यक्रम का संचालन जनसंपर्क एवं प्रसार प्रभाग के एस. के. वर्मा ने किया. उन्होंने कहा कि लोगों की जागरूकता ही प्रदूषण रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है.कार्यक्रम में पीसीसीएफ अशोक कुमार ने कहा कि दीपावली खुशियों का त्यौहार है. लेकिन इसके साथ कई बुरी आदतें जुड़ गई हैं. उन्होंने कहा कि क्रैकर्स हमारे वातावरण पर गंभीर प्रभाव डालते हैं, जिससे बुजुर्गों और बच्चों दोनों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होती हैं. हमें अंधविश्वास छोड़कर ज्ञान और पर्यावरण-संरक्षण का उजाला फैलाना चाहिए. उन्होंने सभी से शपथ ली कि वे स्वच्छ और सुरक्षित दीपावली मनाएंगे.डॉ. अभिषेक के. रामाधिन ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब हमारे देश का भविष्य हैं.

झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा चरमराई: खराब वाहनों से बढ़ा हादसे का खतरा, लगा लापरवाही का आरोप

रांची, संवाददाता ।

झारखंड की 108 आपातकालीन एंबुलेंस सेवा एक बार फिर संकट में है. राज्यभर में संचालित सैकड़ों एंबुलेंसों की तकनीकी स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जबकि रखरखाव को लेकर जिम्मेदार कंपनी समान फाउंडेशन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं. झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि तत्काल तकनीकी जांच और मरम्मत नहीं कराई गई, तो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है. संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी ने बताया कि कई जिलों में एंबुलेंसों की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि वे मरीजों को सुरक्षित ले जाने योग्य नहीं बची हैं. गढ़वा जिले के भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की एंबुलेंस (संख्या खल01उए 8539) का मामला इसका ताजा उदाहरण है. मरीज को अस्पताल ले जाते समय अचानक वाहन के पिछले पहिये से धुआं निकलने लगा और आग लगने की आशंका बन गई. मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने पानी डालकर स्थिति को संभाला और एक बड़ी दुर्घटना टाल दी. संघ का कहना है कि यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि पूरे राज्य की 108 एंबुलेंस सेवाओं की हकीकत है. नियमित सर्विसिंग, इंजन जांच और टायर रिप्लेसमेंट जैसी बुनियादी प्रक्रियाएं लंबे समय से नहीं की जा रही हैं. स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कंपनी को कई बार लिखित और मौखिक निर्देश दिए थे कि सभी एंबुलेंसों का तत्काल मेंटेनेंस कराया जाए. लेकिन संघ का आरोप है कि कंपनी लगातार इन आदेशों की अवहेलना कर रही है और विभाग ने अब तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की है. संघ के मुताबिक, मेंटेनेंस की लापरवाही का सीधा असर आपातकालीन सेवाओं पर पड़ रहा है. कई जिलों में एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं. कई मामलों में तीन से पांच घंटे की देरी से मरीजों की जान तक जा चुकी है. संघ ने सरकार से मांग की है कि समान फाउंडेशन के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच कर तुरंत कार्रवाई की जाए और सभी एंबुलेंसों का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए.

दीपावली और छठ में अंधेरे में डूबा रहेगा रांची? शहर की सैकड़ों स्ट्रीट लाइटें बंद

रांची, संवाददाता ।

रोशनी के त्योहार दीपावली और लोक आस्था के पर्व छठ से पहले ही राजधानी की सड़कों पर अंधेरा पसरा हुआ है. रांची नगर निगम क्षेत्र के कई इलाकों में या तो स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं या फिर लगी ही नहीं हैं. ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या इस बार रांची रोशनी में नहाएगा या अंधेरे में डूबा रहेगा? मोरहाबादी, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, बरियातू, महुआ टोली समेत कई इलाकों में स्ट्रीट लाइटें महीनों से बंद हैं. लोगों को रात में गलियों से गुजरना मुश्किल हो गया है. आने वाले दिनों में जब छठ पूजा के दौरान मोहल्लों से हजारों श्रद्धालु तालाबों की ओर जाएंगे, तब यह अंधेरा बड़ी परेशानी का कारण बन सकता है.

नगर निगम के कर्मचारियों से बात करने पर पता चला कि फिलहाल लाइट का स्टॉक खत्म हो चुका है, जिस वजह से मरम्मत और नए लाइट लगाने का काम रुका हुआ है. कुछ जगहों पर तो पुराने खंभों में भी अस्थायी तरीके से लाइट फिट की जा रही है. ऑनलाइन शिकायत पोर्टल पर भी स्ट्रीट लाइट से जुड़ी शिकायतें सबसे ज्यादा दर्ज हो रही हैं. इसके बावजूद निगम की कार्रवाई सुस्त दिख रही है.अब देखना यह है कि क्या आने वाले दिनों में नगर निगम रांची को जगमग कर पाएगा या फिर इस बार दीपावली और छठ का पर्व अंधेरे में मनाना पड़ेगा।

पटाखों से सजा बाजार! 20% तक बढ़ी कीमतें, ग्रीन क्रैकर्स की मांग में इजाफा

रांची, संवाददाता ।

दीपावली का पर्व रोशनी, मिठास और खुशियों के साथ-साथ पटाखों की चमक के बिना अधूरा माना जाता है. हर साल की तरह इस बार भी राजधानी रांची के बाजारों में एक से बढ़कर एक पटाखों की रौनक दिखाई दे रही है. मोरहाबादी मैदान में जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार इस वर्ष भी विशेष पटाखा बाजार सजाया गया है. सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय गाइडलाइनों का पालन करते हुए यहां पटाखों की दुकानें लगाई गई हैं. फायर सेफ्टी, बालू और पानी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके. पटाखा विक्रेताओं का कहना है कि इस बार बाजार में कई बड़े ब्रांड के ग्रीन और इको-फ्रेंडली पटाखे उपलब्ध हैं. पिछले दो वर्षों से ग्रीन पटाखों का चलन बढ़ा है. इस वर्ष भी ग्राहकों की पहली पसंद यही बन रहे हैं.

कीमतों में उछाल, रौनक बरकरार

विक्रेताओं के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस बार पटाखों की कीमतों में 15 से 20 फीसदी तक का इजाफा हुआ है. इसके बावजूद दीपावली के जोश में कमी नहीं है. ग्राहकों का कहना है कि कीमतें बढ़ी जरूर हैं, लेकिन त्योहार पर थोड़े बहुत पटाखा फोड़ना तो बनता ही है.

पर्यावरण और सुरक्षा दोनों पर फोकस

कंपनियों ने इस साल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए कम धुआं और कम आवाज वाले पटाखे बनाए हैं. ये ग्रीन श्रेणी में आते हैं और वातावरण को कम नुकसान पहुंचाते हैं. साथ ही बच्चों के लिए भी बाजार में सुरक्षित और रंगीन पटाखों की विशेष रेंज उपलब्ध है. विक्रेताओं का कहना है कि बच्चों के लिए ऐसे पटाखे तैयार किए गए हैं, जिनसे किसी भी प्रकार की चोट या प्रदूषण की संभावना बेहद कम है.

बाजार में रौनक आने की उम्मीद

फिलहाल पटाखा बाजार में भीड़ थोड़ी कम है, लेकिन दुकानदारों को उम्मीद है कि दीपावली नजदीक आने के साथ ही ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी. मोरहाबादी का यह पटाखा बाजार इन दिनों रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक पैकेजिंग से दमक रहा है. पटाखों के शौकीनों के लिए यहां हर तरह की वैरायटी मौजूद है. पारंपरिक फुलझड़ी से लेकर नए डिजाइन वाले इको-फ्रेंडली क्रैकर्स तक. दीपावली की तैयारी के बीच राजधानी रांची का पटाखा बाजार इस समय पूरी तरह सज-धज कर त्योहार का स्वागत करने को तैयार है.

बार काउंसिल चुनाव में नामांकन फीस बढ़ाए जाने के विरुद्ध दायर याचिका पर कोर्ट में हुई सुनवाई

रांची, संवाददाता ।

भारतीय विधिज्ञ परिषद के द्वारा विभिन्न राज्य विधिज्ञ परिषद के सदस्यों के लिए होने वाले चुनाव में नामांकन शुल्क में वृद्धि के खिलाफ दायर याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. बुधवार की सुनवाई के दौरान बार काउंसिल ऑफ इंडिया एवं राज्य बार काउंसिल के अधिवक्ता द्वारा यह जानकारी दी गई कि सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष 17 अक्टूबर को इसी मुद्दे से जुड़े केस की सुनवाई लंबित है, उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने उक्त याचिका पर सुनवाई के लिए 6 नवंबर की तिथि निर्धारित की है.

हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने चुनाव नामांकन के शुल्क को एक लाख पच्चीस हजार रुपए किए जाने पर चिंता जताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर कर नामांकन शुल्क की बढ़ोतरी को अनुचित बताते हुए तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की गुहार लगाई है. अधिवक्ता धीरज कुमार ने कहा कि इससे आम अधिवक्ता चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने से वंचित हो जाएंगे और इससे केवल पूंजीवादी संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा. इस कार्य से आम अधिवक्ताओं के राजनैतिक अधिकार का हनन होगा.

काली पूजा को लेकर रांची नगर निगम की तैयारियां शुरू

रांची, संवाददाता ।

दुर्गा पूजा के सफल आयोजन के बाद अब रांची में काली पूजा की तैयारियां तेज हो गई हैं. प्रशासक सुशांत गौरव के निर्देश पर रांची नगर निगम की टीम शहर भर में सफाई और अन्य जरूरी काम कर रही है ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो.

पूजा समितियों से लगातार संपर्क

नगर निगम की टीम शहर की लगभग 70 काली पूजा समितियों से लगातार संपर्क में है. समितियों की जरूरतें और सुझाव लेकर तुरंत कार्रवाई की जा रही है.आज निगम की टीम ने कॉसमॉस यूथ क्लब, श्री श्री काली पूजा समिति, तूफान क्लब, अग्रदूत क्लब, कांके रोड समिति, अमर ज्योति समिति, डोरंडा समिति समेत कई आयोजकों से मुलाकात कर सहयोग दिया.

चल रहे हैं ये प्रमुख काम

पूजा पंडालों और आसपास के इलाकों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है. कूड़े का उठाव, ब्लीचिंग पाउडर छिड़काव, घास की कटाई, नालियों की सफाई का काम जारी है. स्टोन डस्ट और जेएसबी मशीन से पंडालों तक जाने वाले रास्तों को समतल किया जा रहा है. पथ बत्तियों (स्ट्रीट लाइट) की खराबियों को ठीक किया जा रहा है. सभी टॉयलेट और सुलभ शौचालयों की सफाई की जा रही है. इन्फोर्समेंट टीम द्वारा सड़कों पर खड़े ट्रक, ठेले और अवैध पार्किंग हटाई जा रही है ताकि आवागमन आसान रहे. काली पूजा के बाद छठ महापर्व भी होने वाला है, इसलिए निगम के लिए सफाई और विसर्जन का प्रबंधन बड़ी चुनौती है. प्रशासक के निर्देश पर सभी समितियां निर्धारित विसर्जन कुंडों में ही मूर्ति विसर्जन करेंगी. जलाशयों को प्रदूषण से बचाने के लिए निगम 24 घंटे के अंदर मूर्ति अवशेषों की सफाई करेगा

एसीबी की रडार पर स्निग्धा सिंह, कोर्ट में लगाई अग्रिम बेल की गुहार

रांची, संवाददाता ।

आईएएस विनय चौबे के हजारीबाग डीसी रहने के दौरान वन भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री और नियमविरुद्ध म्यूटेशन के मामले की जांच अउइ कर रही है. इस केस में अउइ ने विनय चौबे के करीबी ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह को भी आरोपी बनाया है. जिसके बाद स्निग्धा सिंह अब एसीबी की रडार पर हैं. एसीबी उन्हें नोटिस देकर पूछताछ के लिए भी बुलाया था, लेकिन वह एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुई. इस बीच स्निग्धा सिंह ने अपनी अग्रिम जमानत की गुहार लगाते हुए हजारीबाग एसीबी कोर्ट से गुहार लगाई है. उनकी जमानत याचिका पर गुरुवार को सुनवाई होगी. स्निग्धा सिंह अउइ की कांड संख्या 11/2025 की नामजद आरोपी हैं. एसीबी के मुताबिक, जिस भूमि को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है वह विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम है. यह भूमि हजारीबाग के सदर अंचल के थाना नंबर 252 में स्थित है. जिसका खाता नंबर 95, प्लाट नंबर 1055, 1060 और 848 जिसका कुल रकबा 28 डिसमिल एवं खाता नंबर 73, प्लाट नंबर 812 का रकबा 72 डिसमिल है. यह भूमि सदर अंचल के बभनवे मौजा के हल्का 11 में स्थित है. उक्त खाता प्लॉट की भूमि पर विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह का दखल कब्जा है और फिलहाल इसपर नेक्सजेन का शोरूम संचालित है.

एसआईआर के विरोध में मुख्यमंत्री से मिलेगा राजनीतिक व सामाजिक संगठनों का प्रतिनिधिमंडल

रांची, संवाददाता ।

बिहार की तरह झारखंड में भी होने वाले गहन मतदाता पुनरीक्षण की संभावना को देखते हुए कई राजनीतिक दल इसके विरोध की रणनीति बनाने लगे हैं. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राज्य कार्यालय में राजद, भाकपा, माकपा, भाकपा माले, टीएमसी, सपा, बसपा सहित कई आदिवासी एवं मुस्लिम सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने बैठक की और राज्य में रक्रक का विरोध करने की घोषणा की. बैठक के दौरान यह भी सहमति बनी कि एसआईआर के मुद्दे पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र बुलाने की मांग की जाएगी. बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने कहा कि झारखंड में एक बड़ी साजिश रची जा रही है, यहां विस्थापन से पहले ही लाखों लोग उजड़ चुके हैं. हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग रोजी-रोटी की तलाश में देश के दूसरे राज्यों में जाते हैं, या जा चुके हैं. जिनके पास ना कोई जमीन की दस्तावेज है ना उनकी कोई पहचान पत्र, जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर चुनाव आयोग ने मतदाता पुनरीक्षण के नाम पर लोगों का नाम हटाने की कोशिश कर रही है, स्पष्ट है कि पिछले दरवाजे से एनआरसी लागू किया जा रहा है, यानी उनकी नागरिकता छिन जाएगी. बांग्लादेशी एवं पाकिस्तानी के नाम पर नागरिकता छीनना आम भारतीय के हित में नहीं है. वोटर लिस्ट से नाम हटाना यानी नागरिकता समाप्त कर देना, सारी सुविधाओं से वंचित कर देना, अगर उनकी नागरिकता समाप्त हो जाएगी तो कोई भी सरकारी सुविधा नहीं मिलेगी, हर राष्ट्रीय एवं राज्य की सुविधाओं से उनको वंचित होना पड़ेगा. पहले मतदाता सूची से नाम हटाया जाएगा, फिर राशन कार्ड से नाम हटाया जाएगा, जो लोग नौकरी कर रहे हैं उनको नौकरी से हटाया जाएगा. फिर उनकी सारी सुविधाओं को छीन लिया जाएगा. ऐसी स्थिति में देश का मतदाता बने रहने के लिए सारे कागजातों से जो वंचित लोग हैं, उन्हें एक मंच पर आने की जरूरत है. राज्य की सरकार भी इस पर अविलंब विचार करें ताकि लोगों की नागरिकता बचाई जा सके.

नवंबर के महीने में रांची में होगा बड़ा कार्यक्रम

बैठक में यह भी सहमति बनी कि रक्रक के खिलाफ नवंबर महीने में राज्य की राजधानी में एक बड़ा सेमिनार रक्रक के खिलाफ किया जाएगा. आज की बैठक में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक, एटक के राज्य सचिव अशोक यादव, भारतीय खेत मजदूर यूनियन के राज्य सचिव इम्तियाज खान, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव, माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, भाकपा माले के शुभेंदु सेन, ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिसे के अब्दुल्ला अजहर मुफ्ती काशमी, प्रोफेसर अली, टीएमसी के प्रदेश अध्यक्ष फि लोमैन, सपा, बसपा के कई लोग मौजूद रहे.

धनतेरस को लेकर झूम उठा ऑटोमोबाइल बाजार! जीएसटी दर में कमी से रिकॉर्ड बिक्री की संभावना

रांची, संवाददाता ।

धनतेरस को लेकर बाजारों में रौनक है. एक से बढ़कर एक गाड़ियां बाजार में उतारी गई है. सोना-चांदी के बढ़ते दाम के बीच जीएसटी दरों में कमी से ऑटोमोबाइल बाजार में रौनक है. रांची सहित पूरे राज्य में अकेले ऑटोमोबाइल सेक्टर में इस बार धनतेरस में करीब तीन हजार करोड़ का कारोबार होने की उम्मीद लगाई जा रही है.

जीएसटी में कमी आने से बाजार में लौटी रौनक

हालत यह है कि पिछले महीने जीएसटी के दर में कमी आने के बाद 1100 गाड़ी बेचने वाले रांची के एक प्रतिष्ठित कार विक्रेता के पास इस महीने धनतेरस तक 2500 गाड़ियों की बुकिंग हो चुकी है. सेल्स मैनेजर विवेक बताते हैं कि इन बुकिंग में अब तक हम लोगों ने 900 गाड़ियां मुहैया करा दी गई है शेष गाड़ी, धनतेरस और दीपावली तक उपलब्ध करा दी जाएगी.

10 दिन पहले ही शुरू हो गई थी वाहनों की बुकिंग

बाजार में जिन गाड़ियों की अत्यधिक डिमांड है, उसमें 7-10 लाख की चार चक्का कार के अलावा स्कूटी और मोटरसाइकिल भी शामिल है. किशोरगंज में एक दोपहिया शोरूम के सेल्स मैनेजर संजय सिन्हा कहते हैं कि इस बार धनतेरस के लिए बुकिंग 10 दिन पहले से शुरू हो गई है. जीएसटी कम होने के कारण मोटरसाइकिल और स्कूटी के दामों में कमी आई है, जिस वजह से लोग इन्हें लेने के लिए पहले से बुक करा रहे हैं.

इस साल 20% अधिक कारोबार होने की उम्मीद

हर दिन 5 से 10 दोपहिया बुक होने का दावा करते हुए संजय सिन्हा का कहना है कि पिछले साल की तुलना में, इस साल करीब 20% अधिक का कारोबार होने की संभावना है. धनतेरस के दिन गाड़ी लेने के लिए बुक कराने आए निखिल बताते हैं कि बाइक के बाद उनकी पसंद स्कूटी हो गई है, जिसे वे खास दिन में इस बार लेना चाहते हैं. उनका मानना है कि जीएसटी में कमी की वजह से दाम में आई कमी का लाभ वो धनतेरस पर उठाना चाहते हैं.

गाड़ियों की बुकिंग कराने के लिए ग्राहकों की लगी भीड़

रांची के बाजारों में एक से बढ़कर एक गाड़ियां मौजूद हैं, जिन्हें बुक कराने के लिए शोरूम में ग्राहकों की भीड़ लग रही है. जिन गाड़ियों को खासा पसंद किया जा रहा है, उसमें टाटा नेक्सन (फर. 8.41 लाख से शुरू) और टाटा पंच (फर. 6.30 लाख से शुरू) जैसी लोकप्रिय एसयूवी शामिल हैं. इसके अलावा, महिंद्रा बोलेरो (फर. 9.19 लाख से शुरू) और महिंद्रा वश 3ड (फर. 8.38 लाख से शुरू) भी मार्केट में उपलब्ध हैं. मारुति की नई कारें, जैसे मारुति विक्टोरिस (फर. 12.15 लाख से शुरू) और मारुति ब्रेजा (फर. 14.83 लाख से शुरू) भी बाजार में आ चुकी हैं.

रांची में दिनदहाड़े फायरिंग, कारोबारी को मारी गई आधा दर्जन गोलियां

गंभीर रूप से घायल ,कारोबारी का इलाज चल रहा है

संवाददाता । रांची

रांची :रांची के कटहल मोड़ पर अपराधियों ने एक कारोबारी पर अंधाधुंध फायरिंग की है. कारोबारी का इलाज चल रहा है.

रांचीः राजधानी के कटहल मोड़ में अपराधियों ने दु:साहस दिखाते हुए एक कारोबारी को दिनदहाड़े कई गोलियां मारी. अपराधियों की गोलीबारी में घायल कारोबारी राधेश्याम साहू को पुलिस के द्वारा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है.

दुकान के बाहर हमला

स्थानीय लोगों ने बताया कि राधेश्याम साहू हर दिन की तरह अपनी दुकान शांभवी इंटरप्राइजेज के पास खड़े थे. इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी. दिनदहाड़े फायरिंग होने की वजह से थोड़ी देर के लिए कटहल मोड़ के पास हड़कंप मच गया. राधेश्याम साहू

को गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए. स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने किसी तरह घायल राधेश्याम को अस्पताल पहुंचाया. आपको बता दें कि राधेश्याम साहू कटहल मोड़ में छड़ और सीमेंट का कारोबार करते हैं.

कई थानों की टीम पहुंची

दिनदहाड़े हुई गोलीबारी की सूचना मिलते ही रांची के ग्रामीण एसपी, रातू थाना प्रभारी, नगड़ी थाना प्रभारी और पुंदाग ओपी प्रभारी भी मौके पर पहुचे. पुलिस की टीम ने मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है. मौके पर एफएसएल की टीम से भी जांच करवाई गई है. पुलिस की टीम को कुछ सीसीटीवी फुटेज भी हाथ लगा है, जिसमें अपराधी नजर आए हैं.सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है. कारोबारी को दलादली ओपी क्षेत्र के कटहल मोड़ के पास अपराधियों के द्वारा गोली मारी गई. दलादली ओपी के प्रभारी सत्यप्रकाश ने मंगलवार को ही अपना पदभार संभाला है, पदभार संभालने के दूसरे ही दिन अपराधियों ने बड़ी चुनौती दे डाली है.

जांच जारी

रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि कारोबारी को गोली अज्ञात अपराधियों के द्वारा मारी गई है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार तहकीकात की जा रही है. इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है. वहीं राधेश्याम के परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है.

दुकान के पास खड़े थे कारोबारी, अ चानक हुआ हमला

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, राधेश्याम साहू हर दिन की तरह अपनी दुकान शांभवी इंटरप्राइजेज के पास खड़े थे। इसी दौरान दो बाइक सवार अपराधी आए और बिना कुछ बोले उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमला इतनी तेजी से हुआ कि कारोबारी को संभलने का मौका भी नहीं मिला और अपराधी मौके से फरार हो गए।घटना से इलाके में दहशत, पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी दिनदहाड़े हुई फायरिंग की इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही सिटी एसपी, रातू थाना प्रभारी,

भुंगरू एक्वा लाइन जल संचयन का शुरूवातः रांची जिले में जल संरक्षण की नई पहल

पंकज धीर की मौत का कारण बनी ये भयंकर बीमारी, जीतकर भी हार गया महाभारत का 'कर्ण'

संवाददाता । रांची

रांचीवः टीवी और फिल्मी दुनिया का जाना-माना नाम रहे पंकज धीर अब इस दुनिया में नहीं रहे. 68 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली. बीआर चोपड़ा के सीरियल ह्यमहाभारतह्ण में ह्यकर्णह्ण की भूमिका निभाने वाली टीवी की ये ह्यदानवीरह्ण एक भंयकर बीमारी से हार गया. उनके निधन की खबर से फैंस और इंडस्ट्री शोक में है. पंकज धीर के करीबी दोस्त और एक्टर अमित बहल ने उनके निधन की खबर की पुष्टि की. पंकज CINTAA के पूर्व जनरल सेक्रटरी रहे थे. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो पिछले काफी समय से कैंसर से पीड़ित थे. वो इससे जंग जीत गए थे. लेकिन बीते कुछ महीनों में उनका कैंसर दोबारा लौटा. एक्टर की हालत काफी नाजुक थी. बीमारी की वजह से वो एक बड़ी सर्जरी से भी गुजरे थे. लेकिन पंकज को बचाया नहीं जा सका.टीवी और फिल्मों में आए

नजर पंकज धीर ने हिंदी फिल्मों और टीवी सीरियलों में काम किया. उन्हें चंद्रकांता, युग, ह्यद ग्रेट मराठा और बढ़ो बहूजैसे शोज में देखा गया. वे ह्यआशिक आवारा, सड़क, ह्यसोल्जर ह्यऔर बादशाह जैसी फिल्मों भी नजर आए हैं. महाभारत में कर्ण के किरदार से मशहूर हुए अभिनेता पंकज धीर का निधन हो गया है।15 अक्टूबर, बुधवार को सुबह 11.30 बजे 68 साल के अभिनेता का निधन हो गया।निधन की वजह अभी तक सामने नहीं आई है, मगर उनके जाने से उनके फैंस को गहरा आघात लगा है। पंकज धीर ने बी.आर. चोपड़ा की 'महाभारत' (1988) में कर्ण की भूमिका से दर्शकों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी थी।

इसके अलावा उन्होंने कई फिल्मों और टीवी शोज में भी अहम भूमिकाएं निभाईं। निधन की खबर की पुष्टि 'महाभारत' में अर्जुन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता फिरोज खान ने की

अभिनेता पंकज धीर के निधन पर देवेश खान ने अफसोस जताया

रांची। बॉलीवुड एक्टर देवेश खान ने अभिनेता पंकज धीर के निधन पर अफसोस का इजहार किया है। महाभारत में कर्ण के किरदार से मशहूर हुए पंकज धीर ने देवेश खान के साथ ग्रेट मराठा में साथ काम किया था। देवेश खान ने बताया कि वह मिलनसार और एक अच्छे इंसान भी थे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा और भी कई एपिसोड में हम लोगों ने साथ काम किया।

रांची की कानून व्यवस्था पर रक्षा राज्य मंत्री ने उठाए सवाल

- अपराध नियंत्रण के लिए लागू हो योगी मॉडल : संजय सेठ

संवाददाता । रांची

रांची:रांची। राजधानी रांची में स्थित कटहल मोड में अपराधियों के द्वारा एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में की गई गोलीबारी पर रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने राज्य की शासन व्यवस्था को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने पूरे सिस्टम पर कई सवाल खड़े किए हैं। इसके साथ ही रक्षा राज्य मंत्री ने झारखंड में अपराध नियंत्रण के लिए योगी मॉडल लागू करने की वकालत की है। श्री सेठ ने कहा कि अपराधियों की गोलीबारी से एक बार फिर राजधानी रांची थर्राई है। अपराधियों का तांडव बेरोक-टोक चल रहा है और पूरा सिस्टम मूकदर्शक बना हुआ है। यह अब समझ से परे हो चुका है कि आखिर राजधानी में लोग जैसे अपना व्यवसाय करेंगे? आखिर कैसे इस शहर में लोग सुरक्षित रहेंगे? आज कटहल मोड पर व्यवसायी राधेश्याम साहू को अपराधियों ने गोली मारी है। उन्होंने कहा कि यह शासन प्रशासन को खुली चुनौती है। रांची में हर वर्ग अपराधियों के लगातार निशाने पर है। चेन छिनतई तो रांची के लिए रूटिंग वाली घटना हो चुकी है। राजधानी की जनता दहशत में है, सुदूरवर्ती क्षेत्र की स्थिति का अंदाज हम सहज रूप से लगा सकते हैं। आखिर रांची के जनता को सुरक्षा की गारंटी कौन देगा? ऐसा लग रहा है जैसे बिहार वाला जंगल राज, अब झारखंड में शिफ्ट हो चुका है और रांची अपराधियों की राजधानी बन चुकी है।

राज्य सरकार के संरक्षण में चल रहा धर्मांतरण का खेल है - प्रतुल शाह देव

- सरकार और पुलिस मुख्यालय से मात्र 5 किलोमीटर दूर गैरकानूनी चंगाई सभा का आयोजन होना दुर्भाग्यपूर्ण
- ग्राम सभा के विरोध के बावजूद इन सभाओं पर रोकथाम नहीं

संवाददाता । रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने आज प्रदेश मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राज्य सरकार पर बड़ा आरोप लगाया कि उसके संरक्षण में राज्य में निरंतर धर्मांतरण का खेल जारी है।प्रतुल ने कहा कि सरकार के प्रोजेक्ट भवन मुख्यालय और पुलिस मुख्यालय से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर चांद गांव में गैर कानूनी तरीके से चंगाई सभा लंबे समय से चल रहा है। चंगाई सभा में बड़े-बड़े चमत्कार का दावा किया जाता है और अंधविश्वास को बढ़ावा दिया जाता है।इस आड़ में धर्मांतरण किया जाता है। प्रतुल ने कहा की हरदाग पंचायत के अंतर्गत चांद ग्राम के अखड़ा में ग्राम सभा ने बैठक कर इस मुद्दे पर लिखित विरोध जाहिर किया था और अविलंब चंगाई सभा को बंद करने की मांग की थी।लेकिन राज्य सरकार और पुलिस पर कोई असर नहीं हुआ। अतुल ने कहा जब आदिवासी ऐसी सभाओं पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं तो फिर सरकार सिर्फ तुष्टीकरण के कारण आंख मूंद कर बैठी है।प्रतुल ने कहा कि हेमंत सरकार के दोनों कार्यकाल में पूरे प्रदेश में चंगाई सभा लगातार आयोजित की जा रही है। राज्य सरकार तुष्टीकरण के कारण इन पर रोक नहीं लगवा रही है। प्रतुल ने जानना चाहा कि जब आदिवासियों की ग्राम सभा इसका विरोध कर रही है तो फिर राज्य सरकार कैसे तुष्टिकरण के राजनीति के कारण इस पर आंख मूंद कर बैठी है। महाअभिषेक शब्द को चर्च के साथ जोड़कर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास प्रतुल ने कहा की आजकल झारखंड में एक नए चर्च की चर्चा है जिसके नाम के साथ महाअभिषेक शब्द जुड़ा है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस चर्च पर भी नशा मुक्ति की आड़ में धर्मांतरण के खेल खेलने का आरोप लगाया है। प्रतुल ने कहा यह बड़े आश्चर्य की बात है कि इस चर्च का नाम में महाअभिषेक जुड़ा है जिसका अर्थ होता है ।

ज्ञानरंजन की 81वां जयन्ती प्रदेष कांग्रेस मुख्यालय, कांग्रेस भवन, रांची में मनाई गयी

संवाददाता । रांची

रांची, 15 अक्टूबर 2025: झारखंड प्रदेष कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में पूर्व सांसद स्व. ज्ञानरंजन की 81वां जयन्ती प्रदेष कांग्रेस मुख्यालय, कांग्रेस भवन, रांची में मनाई गयी।इस अवसर पर पूर्व मंत्री, विधायक डॉ रामेश्वर उरांव, विधायक सुरेश बैठक, डॉ मीनू रंजन ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर विधायक, पूर्व मंत्री डॉ0 रामेश्वर उरांव ने स्व. ज्ञानरंजन के व्यक्तित्व और उनके जुझारूपन की चर्चा करते हुए कहा कि स्व. ज्ञानरंजन ने झारखंड अलग राज्य की लड़ाई को मुकाम तक पहुंचाया। उनका पूरा राजनैतिक जीवन झारखंड अलग राज्य के लिए समर्पित था। उन्होंनें अपने पूरे जीवनकाल में कांग्रेस के मजबूती एवं झारखंडवासियों की समृद्धि के लिए लड़ाई लड़ी।

विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि स्व. ज्ञानरंजन अपने आप में एक आंदोलन थे, झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में उन्होंनें अग्रणी भूमिका निभायी। झारखंड आंदोलन में इनके योगदान को स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान रंजन जी हमलोगों के मार्गदर्शक एवं अभिभावक स्वरूप कार्य किये। उन्होंने संगठन को जोड़कर रखा एवं मजबूती दी।जयंती समारोह की अध्यक्षता जिला इंटक संयोजक संजीव सिन्हा बब्लू, संचालन युनूस अहमद अंसारी एवं धन्यवाद ज्ञापन बुद्धिसागर तिर्की ने किया।इस अवसर पर सर्वश्री राकेश सिन्हा, आभा सिन्हा, विनय सिन्हा दीपू, सोनाल शांति, राजन वर्मा, मुंजी सिंह, अमरेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र सिंह, बीएस मल्लिक, सुरेन राम, खुर्शीद हसन रूमी, फिरोज रिज्वी मुन्ना, मनोज सिंह कांग्रेसी, सोमनाथ मुंडा, संजय कुमार, समीम खान, जगदीश साहु, सतेन्द्र चौहान, प्रभात कुमार, रीता चौधरी, उमेश प्रसाद, राजू राम, विजय कुमार सिंह, महबूब आलम, मेरी तिर्की सरिता देवी, बलराम साहु आदि सैकड़ो कांग्रेसजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्य स्तरीय स्कूली कबड्डी प्रतियोगिता का आगाज

संवाददाता । रांची

रांची:शिक्षा विभाग के प्रयासों से स्कूली खेलों का स्तर हर साल बेहतर हो रहा है। इस वर्ष रत्नह्रक्क मेडल टैली में झारखंड का 13वां स्थान ह्यखेलो झारखंडह्ण की सफलता को दशार्ता है।-सोमदत्त दीक्षित ,प्रशासनिक पदाधिकारी,यहां उपस्थित हर खिलाड़ी चैंपियन है। कबड्डी खेल टीमवर्क, एकाग्रता और त्वरित निर्णय की क्षमता विकसित करता है -धीरसेन ए सोरेंग, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय स्कूली कबड्डी प्रतियोगिता का आज खेलगांव स्थित हरिवंश ताना भगत इंडोर स्टेडियम में भव्य शुभारंभ हुआ। पूरे दिन स्टेडियम में कबड्डी खिलाड़ियों की उमंग, जोश और खेल भावना से उत्सव का माहौल बना रहा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री सोमदत्त दीक्षित, प्रशासनिक पदाधिकारी, स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया थे। विशेष अतिथि के रूप में श्री शिवेंदु दुबे, कोषाध्यक्ष, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन, श्री गोपाल ठाकुर, अध्यक्ष, झारखंड

कबड्डी एसोसिएशन, तथा श्री विपिन कुमार, धीरसेन ए सोरेंग,राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी अतिथियों का स्वागत राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी श्री धीरसेन ए. सोरेंग द्वारा पुष्पगुच्छ, पौधा एवं मोमेंटो देकर किया गया। मौके पर श्री सोमदत्त दीक्षित ने कहा कि, ह्लजब से शिक्षा विभाग द्वारा स्कूली खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, हर वर्ष खिलाड़ियों की भागीदारी और आयोजन का स्तर बेहतर होता जा रहा है। इस वर्ष झारखंड का रत्नह्रक्कमेडल टैली में 13वां स्थान इस बात का प्रमाण है कि ह्यखेलो झारखंडह्ण के तहत उत्कृष्ट कार्य हो रहा है।ह्व वहीं, श्री शिवेंदु दुबे ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित ये प्रतियोगिताएँ झारखंड के खेल भविष्य को नई दिशा दे रही हैं। यह पहल आने वाले समय में राज्य को देश के अग्रणी खेल राज्यों में स्थापित करेगी।

स्वागत भाषण में श्री धीरसेन ए. सोरेंग ने कहा कि ह्लइस स्टेडियम में उपस्थित हर खिलाड़ी अपने आप में एक चैंपियन है, जिसने लाखों खिलाड़ियों में से चयनित होकर अपने जिले का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त किया है। कबड्डी ऐसा खेल है जो टीमवर्क, एकाग्रता, सहनशक्ति और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करता है – यही गुण जीवन और करियर दोनों में सफलता की कुंजी बनते हैं।

ब्रीफ न्यूज

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा रांची जिला की बैठक संपन्न

संवाददाता । रांची

रांचीः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा रांची जिला के तत्वावधान में आज डोरंडा स्थित केंद्रीय कार्यालय में हुई. बैठक में 6 नवंबर 2025 को नेतरहाट में झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मेलन को सफल बनाने का निर्णय लिया गया तथा हेमन्त सरकार से मांग की गई कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन को जल्द से जल्द गजट नोटिफिकेशन कर झारखंड आंदोलनकारी का सम्मान देने, आंदोलनकारियों के बाल बच्चों के अधिकारों के रक्षा करने, राजकीय मान सम्मान अलग पहचान रोजी रोजगार नियोजन की गारंटी तथा जेल जाने के बाध्यता समाप्त कर सभी को सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रुपया दे. उन्होंने कहा कि झारखंड जी मूल्य की रक्षा को लेकर बना है उसके अनुरुप झारखंड के विकास सुनिश्चित किया जाना चाहिए, बिज माय- माटी की भावनाओं का कदर हो.बैठक में संघर्ष मोर्चा के दक्षिणी छोटा नागपुर प्रजामंडल की अध्यक्ष श्रीमती रोजलीन तिर्की केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाहा केंद्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती सरोजिनी कच्छप , अनथन लकड़ा, मनोज लकड़ा, जगत मुंडा,सुजीत कुमार राम, भागीरथ महतो, प्रकाश एक्का, धनेश्वर भगत, प्रवीण एक्का, राम सिंगार महतो, दिनेश प्रसाद महतो, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा संचालन श्रीमती पुष्पा बड़ादेव एवं धन्यवाद ज्ञापन अमर भेंगारा ने की.

आदिवासी एकता कमिटी दहिसोत बनहोरा व पंडरा एवं 21 पड़हा सोहराई जतरा समिति दहिसोत बनहोरा ने किया पंडरा ओ पी के नए थाना प्रभारी फैज रब्बनी का स्वागत

संवाददाता । रांची

रांचीःरातू : पंडरा ओ पी थाना के नवनियुक्त थाना प्रभारी फैज रब्बानी ने बुधवार को जैसे ही पदभार संभाला, उसके दूसरे दिन बुक्के देकर एवं आदिवासी परिया(गमछा) ओढकर उनका गर्मजोशी से आदिवासी एकता कमिटी दहिसोत बनहोरा व पंडरा एवं 21 पड़हा सोहराई जतरा समिति दहिसोत बनहोरा की टीम ने स्वागत व अभिनंदन किया। कमिटी के सदस्य ने उम्मीद जताई कि नए थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र में कानून व्यवस्था और मजबूत होगी और पुलिस-पब्लिक तथा पुलिस-समाजसेवी के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।इस अवसर पर थाना प्रभारी ने भी कमिटी के सदस्य के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि क्षेत्र की शांति और सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस को लॉकल समाजसेवी व जनप्रतिनिधि का सक्रिय सहयोग रहता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि वह जनता के साथ मिलकर काम करेंगे और शिकायत निवारण को प्राथमिकता देंगे।मौके पर केंदीय सरना संघर्ष समिति अध्यक्ष शिवा कच्छप, पूर्व मुखिया पंडरा सुनील तिर्की, पूर्व पार्षद वार्ड 33 सुनील टोप्पो, सामाजिक कार्यकर्ता मुन्तजीर खान, संजय तिर्की, सोनू लकड़ा, ग्राम प्रधान पंडरा लालू खलखो, गोपाल तिर्की, सुनील गाड़ी, शशि कांत तिर्की, हरबू तिर्की, सौरभ खलखो, दुर्गा तिर्की, ललित उरांव, अनीश खान एवं अन्य उपस्थित रहे।।।

हजारीबाग पुलिस ने लूट के प्रयास में चार सशस्त्र अपराधियों को किया गिरफ्तार, पूर्व मामलों में संलिप्तता का किया खुलासा

संवाददाता । रांची

रांचीः हजारीबाग जिले में चोरी, लूट एवं डकैती जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। बरही थाना क्षेत्र में लूट करने के प्रयास के मामले में पुलिस ने चार सशस्त्र अपराधियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है।

घटनाक्रमः

दिनांक 14.10.2025 को हजारीबाग पुलिस को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि दो मोटरसाइकिल पर सवार चार हथियारबंद व्यक्ति हजारीबाग से बरही की ओर लूट करने के इरादे से आ रहे हैं। इस सूचना की त्वरित पुष्टि के बाद, देवचंदा मोड़ के पास पुलिस बल द्वारा वाहन चेकिंग की व्यवस्था की गई।लगभग 22:10 बजे, हजारीबाग की ओर से आ रही दो मोटरसाइकिलें पुलिस चेकपोस्ट को देखकर लगभग 100 मीटर पहले ही रुकीं और उन पर सवार सभी व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस बल द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए उनका पीछा किया गया और सभी चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

रांची में हादसाः नशे में धुत चालक ने राजभवन के पास बिजली के खंभे में मारी टक्कर, कार क्षतिग्रस्त, चालक घायल

संवाददाता । रांची

रांची : बुधवार देर रात रांची के राजभवन और मछली घर के पास एक बड़ा हादसा हो गया। नशे में धुत बताए जा रहे एक कार चालक ने अपनी कार को अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे में टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक घायल हो गया।मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त कार का नंबर टढ 04 उड 1040 है। यह हादसा राजभवन और मछली घर के पास हुआ, जब तेज रफ्तार कार ने नियंत्रण खो दिया और एक बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में कार चालक घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल चालक को कार से बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार टढ 04 उड 1040 को जब्त कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि कार का चालक कथित तौर पर नशे की हालत में था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है और चालक के होश में आने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी।

भू-धंसान एवं भूस्खलन की घटनाओं पर प्रशासन ने व्यक्त की गहरी चिंता

धनबाद, संवाददाता

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में कोयला खनन क्षेत्रों में भू-धंसान एवं भूस्खलन की घटनाओं की रोकथाम एवं जन-धन की क्षति रोकने के लिए बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि विभिन्न कोलियरी क्षेत्रों में कोयला खनन के दौरान विगत कुछ समय से भू-धंसान एवं भूस्खलन की ज्यादा घटनाएं हो रही हैं। इसके परिणामस्वरूप जन-धन की क्षति होने के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों का जीवन निरंतर असुरक्षित होता जा रहा है। घटना के बाद आपदा प्रबंधन के लिए एन.डी.आर.एफ. की तैनाती, राहत एवं बचाव कार्यों का समुचित प्रबंधन, प्रभावित परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा घटनास्थल पर विधि-व्यवस्था बनाए रखना अत्यंत चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इस प्रकार की घटनाओं में वृद्धि गंभीर चिंता का विषय है। उपायुक्त ने कहा कि प्राप्त सूचनाओं के अनुसार, कई मामलों में प्रबंधन की लापरवाही तथा आउटसोर्सिंग एजेंसियों की उदासीनता भी स्पष्ट रूप से सामने आयी है। सुरक्षा मानकों का पालन अपेक्षित स्तर पर नहीं किया जाता है। यह स्थिति अत्यंत ही चिंताजनक है और भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटनाओं की आंशका से इंकार नहीं किया जा सकता है। बैठक के दौरान उपायुक्त ने बीसीसीएल को खनन के दौरान सुरक्षा एवं ब्लास्टिंग के नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। साथ ही डीजीएमएस को विगत 3 महीने में कितने खनन स्थलों का निरीक्षण किया और नियमों का उल्लंघन होने पर क्या कार्रवाई की, उसका पूरा विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने प्रशिक्षित कर्मियों से ही ब्लास्टिंग कराने एवं लीज होल्ड एरिया में ओवर बर्डन डंप करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अनधिकृत व्यक्ति द्वारा ब्लास्टिंग करने एवं ब्लास्टिंग नियमों का उल्लंघन होने पर डीजीएमएस माइनिंग रोकने का नोटिस दे। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने सावधानी पूर्वक खनन करने एवं जान माल का नुकसान नहीं हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने झरिया के इंदिरा चौक की भय जनक स्थिति पर भी गहरी चिंता व्यक्त की तथा शीघ्र उचित कदम उठाने के लिए बीसीसीएल को निर्देश दिया। एसएसपी ने बीसीसीएल, एफसीआईएल, डीवीसी, पूर्व मध्य रेलवे को कंपनी के अतिक्रमण किए गए आवासों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आवासों को बाहर के अपराधी अपना ठिकाना बना लेते हैं। इससे जिले में विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने खतरनाक एवं जर्जर आवासों को शीघ्र तोड़ने तथा खनन क्षेत्र के खतरनाक सड़कों को चिन्हित कर प्रशासन को जानकारी देने का निर्देश दिया। बैठक में कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का कठोर अनुपालन सुनिश्चित करने, प्रभावित क्षेत्रों की समयोचित पहचान, जोखिम आकलन एवं वैकल्पिक प्रबंधन उपाय लागू करने, बीसीसीएल एवं खान सुरक्षा महानिदेशालय अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए नियमित समीक्षा एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने, आउटसोर्सिंग एजेंसियों को भी सुरक्षा नियमों के प्रति उत्तरदायी बनाते हुए उनकी जवाबदेही तय करने सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा के साथ सुझाव प्राप्त कर विचारों का अदार प्रदान किया गया। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार, बीसीसीएल व ईसीएल के निदेशक (तकनीकी) नीलाद्री राय, सीआईएसएफ के कमांडेंट आशुतोष चौधरी व तपन कुमार पोद्दार, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संजय कुमार झा, डीएमओ रितेश राज तिग्गा के अलावा विभिन्न अंचलों के अंचल अधिकारी, बीसीसीएल के एरिया मैनेजर, टाटा व सेल के प्रतिनिधि सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

भुरकुंडा रोड सेल विवाद सुलझाने को लेकर प्रशासन की मध्यस्था में ओपी परिसर में हुई त्रिपक्षीय वार्ता

रामगढ़, संवाददाता

लंबे समय से चल रहे भुरकुंडा रोड सेल विवाद को लेकर बुधवार को भुरकुंडा ओपी परिसर में प्रशासन की मध्यस्थता से त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित की गई। बैठक में भुरकुंडा कोलियरी विस्थापित प्रभावित रोड सेल समिति, रैयत विस्थापित संघर्ष मोर्चा और सीसीएल प्रबंधन के प्रतिनिधियों के बीच आपसी सहमति बन गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी निर्भय गुप्ता ने की। इस दौरान उन्होंने कहा कि रोड सेल तभी सुचारू रूप से संचालित हो सकता है जब सभी पक्ष आपसी समन्वय और सहयोग की भावना से आगे बढ़ें। बैठक में सीसीएल प्रबंधन की ओर से भुरकुंडा परियोजना पदाधिकारी कुमार राकेश सत्यार्थी, सेल्स मैनेजर अविनाश चंद्रा एवं पर्सनल ऑफिसर देवेन्दु भंडारी शामिल हुए। वहीं दूसरी ओर भुरकुंडा कोलियरी विस्थापित प्रभावित रोड सेल समिति, रैयत विस्थापित संघर्ष मोर्चा और झारखंडी बेरोजगार संघ के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। बैठक में दुंदुवा और देवरिया के रैयत विस्थापितों ने पुराने रोड सेल को भंग कर नई संचालन समिति गठित करने की मांग की। विस्थापितों ने पूर्व हिस्सेदारी को अस्वीकार करते हुए नई बंटवारा नीति पर चर्चा की आवश्यकता बताई। वहीं पुराने रोड सेल समिति के सदस्यों ने कहा कि विवाद का समाधान आपसी बातचीत से किया जा सकता है, लेकिन मजदूरों के रोजगार पर असर नहीं पड़ना चाहिए। भुरकुंडा रोड सेल विवाद पर प्रशासन की मध्यस्थता से बनी सहमति ने राहत दी है। अब उम्मीद की जा रही है कि आपसी सहयोग और पारदर्शिता के साथ रोड सेल का संचालन शुरू होगा, जिससे स्थानीय मजदूरों के रोजगार की राह फिर से खुलेगी। बैठक में गिरधारी गोप, प्रदीप मांझी, रंजीत बेसरा, विरेन्द्र मांझी, रमण शर्मा, योगेन्द्र यादव, फुलेश्वर तुरी, दर्शन गंझू, सरोज झा, राणा प्रताप सिंह, शनि बेसरा, अजय साहू, राजाराम प्रसाद, विजय मुंडा, संतोष मांझी, कैलाश प्रसाद साहु, उमेश बेदिया, राजेन्द्र मुंडा, रामदास बेदिया, शिव नारायण यादव, डॉ. आशिष, उदय अग्रवाल, किशुन नायक, श्रीनाथ करमाली, राजन करमाली, शिवशंकर पांडेय, संजय वर्मा सहित रोड सेल संबंधित समितियों के सभी प्रतिनिधि शामिल थे। लंबी चर्चा के बाद सभी पक्ष इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि आपसी सहमति व समन्वय के आधार पर रोड सेल का संचालन किया जाएगा। थाना प्रभारी निर्भय गुप्ता ने स्पष्ट किया कि प्रशासन शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए रोड सेल संचालन में सहयोग करेगा। पीओ कुमार राकेश सत्यार्थी ने कहा कि आपसी स्वार्थ छोड़कर रोजगार हित में समन्वय बनाएं। सीसीएल प्रबंधन आपके साथ है और चाहता है कि सेल मजदूरों के हित में संचालित हो।

पीवीयूएनएल ने हर्षोल्लास के साथ मनाया अपना 11वां स्थापना दिवस

रामगढ़, संवाददाता

पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (PVUNL) ने आज अपने 11 वें स्थापना दिवस का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया। इस अवसर पर अशोक कुमार सहगल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO), पीवीयूएनएल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने बीते वर्ष के महत्वपूर्ण मील के पत्थरों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शीघ्र ही ट्रायल ऑपरेशन पूर्ण करने के लिए पूरा प्रयास जारी है तथा ऐश माउंड का कार्य भी जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इस अवसर पर के. एस. सुंदरम, निदेशक (प्रोजेक्ट्स), एनटीपीसी एवं अध्यक्ष, पीवीयूएनएल ने वर्चुअल माध्यम से पीवीयूएनएल परिवार को संबोधित किया और संस्था की निरंतर प्रगति पर सभी को हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम के उपरांत कॉन्फ्रेंस हॉल में केक काटने का समारोह आयोजित किया गया, जिसके बाद कर्मचारियों को बीते एक वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित वीडियो दिखाया गया। कार्यक्रम में अनुपम मुखर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट) एवं संगिता दाश, महाप्रबंधक (टीएस) सहित सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जेंडर रिसोर्स सेंटर (गरिमा केंद्र) का उद्घाटन : लैंगिक हिंसा की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

रामगढ़, संवाददाता

रामगढ़ जिला के पतरातु प्रखंड में महिलाओं के सशक्तिकरण के उद्देश्य से झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS) के अंतर्गत गरिमा केंद्र का उद्घाटन किया गया। यह केंद्र प्रखंड परिसर, पतरातु में स्थापित किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी, मुखिया एवं जिला परिषद सदस्य, विधायक प्रतिनिधि, द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पतरातु प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि गरिमा केंद्र महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और सहयोगी मंच सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से महिलाओं को सामाजिक, कानूनी एवं आर्थिक अधिकारों की जानकारी दी जाएगी तथा घरेलू हिंसा, बाल विवाह और लैंगिक असमानता जैसी समस्याओं से निपटने हेतु परामर्श एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। वीरेंद्र झा, विधायक प्रतिनिधि ने अपने संबोधन में कहा कि गरिमा केंद्र के उद्घाटन से पतरातु प्रखंड की महिलाओं के लिए एक नए युग की शुरूआत हुई है। यह केंद्र महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में सहायक सिद्ध होगा साथ ही यह केंद्र महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करेगा। सौरभ प्रसाद, जिला प्रबंधक (सामाजिक विकास), खरछढर ने कहा कि गरिमा केंद्र महिलाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में महिलाओं को विभिन्न सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिनमें शामिल हैं –

- कानूनी परामर्श एवं सहायता
- घरेलू हिंसा, उत्पीड़न एवं भेदभाव से संबंधित मार्गदर्शन
- सरकारी योजनाओं एवं महिला अधिकारों की जानकारी
- रेफरल सर्विस
- अस्थाई आवासीय सुविधा दी जाएगी '

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुखिया गिरिजेश कुमार, पतरातु, किशोर कुमार महतो कटिया बस्ती, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक पुरुषोत्तम कुमार, सामुदायिक समन्वयक, संकुल संगठन के पदाधिकारी ललिता देवी, उषा देवी, सीमा देवी एवं जेंडर सीआरपी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं समुदाय के सदस्य उपस्थित थे।

न्युवोको विस्टास ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम जारी किए

जमशेदपुर, संवाददाता

भारत की अग्रणी निर्माण सामग्री कंपनी न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने 30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही के अपने वित्तीय परिणाम जारी किए हैं। जिसमें कंपनी ने अपने इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में कंपनी ने 371 करोड़ रुपये का ऑल-टाइम हाई कंसोलिडेटेड एबिटिडा हासिल किया। इस अवधि में सीमेंट की समेकित बिक्री मात्रा 4.3 मिलियन मीट्रिक टन रही। जबकि प्रीमियम उत्पादों का हिस्सा बढ़कर 44 प्रतिशत के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

कंपनी के संचालन से राजस्व सालाना आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर 2458 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने अपने डीलीवरेजिंग एजेंडे के तहत ऋण घटाने की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति की। समान-से-समान आधार पर शुद्ध ऋण में 1009 करोड़ रुपए की कमी दर्ज की गई। जिससे कुल ऋण घटकर 3492 करोड़ रुपए रह गया है। इस संबंध में कंपनी के एमडी जयकुमार कृष्णा स्वामी ने कहा कितीव्र मानसून, जीएसटी दरों में कटौती से जुड़े चैनल समायोजन और त्योहारों के समय से पहले शुरू होने जैसी चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने अनुशासित रणनीति और प्रीमियमीकरण पर ध्यान केंद्रित रखकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि वडराज सीमेंट लिमिटेड में नवीनीकरण और विस्तार परियोजनाएं निर्धारित समयानुसार प्रगति पर हैं। वर्ष 2027 तक कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता 35 एमएमटीपीए तक पहुंचने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी विस्तार से पूर्वी, मध्य और दक्षिणी भारत के साथ-साथ उत्तर-पूर्वी राज्यों में कंपनी की उपस्थिति और भी मजबूत होगी।

एमजीएम स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में लहराया परचम

बोकारो, संवाददाता

गुरु तेग बहादुर फिजिकल एजुकेशन कालेज खालसा, दिल्ली में 10 से 12 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल बोकारो के विद्यार्थियों ने परचम लहराया। स्कूल के प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि इस प्रतियोगिता के 11 वर्ष बालक वर्ग में श्रेयांश कुमार, रुद्र प्रताप सिंह, श्रेयांश कुमार व अभिषेक कुमार ने कांस्य पदक हासिल किया। 11 वर्ष बालिका वर्ग में ब्लेसी ग्रेस व प्रांजलि उरांव एवं 14 वर्ष बालक वर्ग में जय कुमार, अपूर्ण कृष्णा दिव्यांग व आदित्य कुमार ने कांस्य पदक प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के शारीरिक व मानसिक विकास में सहायक है। यह जीवन में अनुशासन का पाठ पढ़ाता है। साथ ही मन में जीत का जज्बा जगाता है। इससे खिलाड़ियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसलिए विद्यार्थियों के लिए खेलकूद का बेहतर आधारभूत संरचना तैयार किया गया है। प्रशिक्षक विद्यार्थियों को खेलकूद का प्रशिक्षण देते हैं। शिक्षकों की देखरेख में विद्यार्थी राज्य व राष्ट्र स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में मेडल जीत रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में मेडल विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मौके पर उप प्राचार्य राखा बनर्जी, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी, शैक्षिक प्रभारी जार्ज जोसफ, प्रशिक्षक राजीव कुमार सिंह, क्रीड़ा शिक्षक मीनाक्षी कुमारी, राजेश्वर सिंह, मोहसिन, सौरभ कुमार, वंदना कुमारी आदि उपस्थित थे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान का आयोजन

धनबाद, संवाददाता

सरस्वती विद्या मंदिर सिंदरी में एक पेड़ मां के नाम महा अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण बलियापुर थाना परिसर में किया गया। थाना परिसर में विभिन्न फलदाई पेड़ों का वृक्षारोपण सत्यजीत कुमार (थाना प्रभारी बलियापुर) तथा अमिता कुमारी (अवर निरीक्षक)के साथ विद्यालय के बहनों के द्वारा किया गया। सत्यजीत कुमार ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान भूमि क्षरण को रोकने, राष्ट्र के हरित आवरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है ।यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक जन-आंदोलन है। सुनील कुमार पाठक (प्राचार्य) ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान में पर्यावरण संरक्षण, माताओं का सम्मान, और स्थायी भविष्य का निर्माण शामिल हैं। पर्यावरण संरक्षण के द्वारा प्रदूषण कम करता है, तापमान नियंत्रित करता है ,मिट्टी का कटाव रोकता है,, जैव विविधता बढ़ाता है,, और आर्थिक लाभ प्रदान करता हैं। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके और ऑक्सीजन का उत्पादन करके हवा की गुणवत्ता में सुधार करते हैं। वे वन्यजीवों के लिए आवास भी प्रदान करते हैं, जिससे पारिस्थि इस अवसर पर सुजित कुमार हाजरा, आभा सिंह, सौरभ कुमार, कृष्णा, लालटू उपस्थित थे।

चिरूडीह पंचायत सचिवालय में धान कटनी महोत्सव का आयोजन किया गया

बोकारो, संवाददाता

नावाडीह प्रखंड अंतर्गत चिरूडीह पंचायत सचिवालय में धान कटनी महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव की अध्यक्षता मुखिया रीता देवी एवं संचालन एटीम संतोष कुमार ने किया। इस दौरान मुखिया रीता देवी ने बीडीओ एवं सीओ को पगड़ी बांधकर व धान की बाली भेंट कर स्वागत किया। बीडीओ प्रशांत कुमार हेंब्रम ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि सबसे पहले सभी किसान भाई ई - उपार्जन पोर्टल में अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराएं, जिससे आपलोग अपनी उपज बेंच सकते हैं और उसका भुगतान सीधे अपने पंजीकृत बैंक खाते में पा सकते हैं । उन्होंने कहा कि किसान भाई अधिक से अधिक संख्या में धान अधिप्राप्ति केंद्रों पर धान बेंचकर न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपए का लाभ उठायें और बिचौलियों से सावधान रहें। सीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि सभी किसानों का ई- उपार्जन पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य है । उन्होंने बताया कि पहले सरकार दो किस्तों में भुगतान करती थी, लेकिन इस बार सरकार एक ही किस्त में सारे रुपए का भुगतान करेगी। साथ ही कहा कि 1200 - 1300 रुपए क्विंटल धान बिचौलियों को न देकर सीधे पैक्स में दें और उसका उचित मूल्य सरकार द्वारा निर्धारित 2300 रु प्रति क्विंटल एक मुश्त प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के दौरान बीडीओ, सीओ एवं मुखिया ने नौ महिला कृषकों को हंसुआ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ रैली निकाली गई जो पंचायत भवन से होकर चिरूडीह मोड़ तक गई। मौके पर बीस सूत्री उपाध्यक्ष गणेश महतो, उप मुखिया बिशुन रविदास, वार्ड सदस्य पार्वती देवी, रोजगार सेवक बुलाकी महतो, विश्वनाथ महतो, कृषक मित्र भोला रविदास, महावीर महतो, जितेंद्र महतो, हनीफ अंसारी, पप्पू कुमार आदि मौजूद थे।

वोट चोरी कर सत्ता हड़पने वाले जनता को किया गुमराह : सीता राणा

धनबाद, संवाददाता

धनबाद जिला महिला कांग्रेस कमिटी की जिलाध्यक्ष सीता राणा ने वोट चोरी के खिलाफ झरिया विधानसभा के झरिया प्रखंड अंतर्गत शालीमार, लोदना मोड़ क्षेत्र में हस्ताक्षर अभियान चलाया. मौके पर सीता राणा ने कहा कि वोट चोरी कर सत्ता में आने वालों ने जनता को गुमराह किया. झूठा सपना दिखाया और विभिन्न तरीको से जनता को लूटने का काम किया छोटे उद्योग को तबाह किया बेरोजगारी को बढ़ाया. और जी एस टी इसका सटीक उदाहरण है. सीता राणा ने कहा कि वोट चोरी को लेकर जन मानस में रोष है. वोट चोरी लोकतंत्र पर हमला है. और वोटर के साथ किया गया छल. सीता राणा ने बताया कि महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लाम्बा और झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह के निदेर्शानुसार वोट चोरी के खिलाफ अभियान से जुड़े कार्यक्रम के तहत धनबाद में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है. बुधवार को झरिया प्रखंड में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया. हस्ताक्षर अभियान में रीना रवानी, नीतू देवी, काजल देवी, कुसुम कुमारी, लक्ष्मी देवी, सविता देवी आदि शामिल थी.

सीसीएल सीकेएस ढोरी ने स्व० दत्तोपंत ठेंगड़ी की पुण्यतिथि पर मनाया सामाजिक समरसता दिवस

स्व0 दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रवादी ट्रेड यूनियन के नेता के रूप में विख्यात रहे : रविंद्र

बोकारो, संवाददाता

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ ढोरी के कार्यकताओं द्वारा स्व० दत्तोपंत ठेंगड़ी के पुण्यतिथि सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया गया. कार्यक्रम का अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष हीरालाल राबिदास एवं संचालन क्षेत्रीय सचिव विनय कुमार सिंह ने किया. उक्त कार्यक्रम में मौके पर सीसीएल सीकेएस के कार्यसमिति सदस्य सह अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ सदस्य रवींद्र कुमार मिश्रा तथा भारतीय मजदूर संघ बोकारो जिला के संगठन मंत्री संत सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीसीएल सीकेएस ढोरी द्वारा समरसता दिवस पर के उपलक्ष्य पर क्षेत्रीय कार्यालय ढोरी खाश में दाँतोपन्त ठेंगड़ी के पुण्यतिथि के अवसर पर उनको माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलित कर संगठन के गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया उक्त मौके पर रवींद्र मिश्रा ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ देश का नम्बर एक संगठन है आज पुरे देश मे समरसता दिवस मनाया जा रहा है. मिश्रा ने कहा कि आज पुरे सीसीएल में सीसीएल सीकेएस में समरसता दिवस मनाया जा रहा है इसी निमित्त आज ढोरी क्षेत्र के भी कार्यकर्ता द्वारा ढोरी क्षेत्र सामाजिक कार्यकर्ता समाज के अपने लोगों के बीच अंग वस्त्र श्रीफल तथा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया तथा ढोरी क्षेत्र द्वारा समरसता दिवस पर ढोरी क्षेत्र के सभी सफाई कर्मियों को जीन्स पैंट, टी शर्ट, बालिकाओं को स्कर्ट पैंट महिलाओं को साड़ी तथा मिठाई का पॉकेट उपहार स्वरूप देकर सम्मानित किया गया. मिश्रा ने कहा कि 2004 से ही भारतीय मजदूर संघ सामाजिक समरसता दिवस मानती आ रही है उसी निमित्त आज हमलोग 20 वीं पुण्यतिथि मना रहे है. विनय कुमार सिंह ने कहा कि स्व० दत्तोपंत ठेंगड़ी जी का त्याग तपस्या बलिदान के नारा का ताकत है कि भारतीय मजदूर संघ आज देश के नंबर वन संगठन के रूप में स्थापित है स्व० दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रवादी ट्रेड यूनियन के नेता के रूप मं विख्यात रहे है .मौके पर ढोरी क्षेत्र कुलदीप, शहनवाज खान, बुधन नोनिया, अजय सिंह, राजेश पासवान, भुनेश्वर, प्रतोष कुमार रॉय, मिथलेश चौहान,मनोज कुमार, प्रशांत मिश्रा, संदीप ओराँव, शंकर सिन्हा, जमुना नोनिया आदि उपस्थित रहे।

आदिवासी गांव के कडरूकटवा में लगा कोयला तस्करों के प्रति फरमान बोर्ड

रसबेड़वा और कडरूकटवा गांव के रास्ते नही जायेगा कोयला गाड़ी

बोकारो, संवाददाता

नावाडीह प्रखण्ड के ऊपरघाट स्थित नौ पंचायत के आदिवासी बहुल गांव के लोगों ने एक होने का परिचय पलामु पंचायत के कडरूकटवा गांव में कोयला तस्करों के विरोध एक लिखित बोर्ड लगा कर दिया है । हरे टिना की पट्टी में सहयोग मांगते हुए लिखा है कि पलामु पंचायत के चरकपनिया रसबेड़वा और कडरूकटवा गांव के रास्ते कोयला तस्करों द्वारा मोटरसाइकिल वाहन छोड़कर जैसे ट्रेक्टर ,वैन और ट्रक से कोयला नही ले जा सकता है । इसलिए कि 09/10/025 की रात में ट्रेक्टर से कोयला ले जाने वाले व्यक्तियों ने गांव के लोगों से रंगदारी करते हुए मारपीट किया है और उन्हीं लोगों द्वारा गांव के आदिवासी युवाओं के प्रति स्थानीय थाना पेंक-नारायणपुर में मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। इसलिए न्याय का गुहार लगाते हुए गांव का सहयोग मांगते हुए अवैध कोयला की ढुलाई बंद करने का अहवान गांव के आदिवासीयों द्वारा किया गया है। इस संबंध में स्थानीय थाना प्रभारी नीतिश यादव ने बताया कि मारपीट होने की सूचना थी साथ में यह भी जानकारी मिली थी कि आपस में दोनों ओर से समझौता कर ली है, थाने में इस प्रकार से संबंधित मामला दर्ज नही किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

सीआईएसएफ के जवानों को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त, दो दर्जन जवान घायल

पटना (एजेंसी) : सारण में बुधवार सुबह सीआईएसएफ के जवानों को ले जा रही बस एक अनियंत्रित ट्रक से टकरा गई। जोरदार टक्कर में 25 से अधिक जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा सारण जिले के रसूलपुर थाना क्षेत्र के पाण्डेय छपरा गांव के पास हुआ। मिली जानकारी के अनुसार जवान दिल्ली से सीवान पहुंचे थे और वहां से सारण जिले के डोरीगंज थाना क्षेत्र में चुनाव ड्यूटी पर जा रहे थे। दुर्घटना का शिकार हुए बस में कुल 40 जवान सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और रसूलपुर व एकमा थाने की पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल जवानों को छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। एकमा के एसडीपीओ राजकुमार ने बताया कि ट्रक को जब्त कर लिया गया है। चालक घटना के बाद फरार हो गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

मानव श्रृंखला बनाकर मिसाइलमैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि

अररिया (एजेंसी) : फारबिसगंज प्रखंड के सिरसकुंड पंचायत अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को बुधवार को उनकी जयंती पर विश्व विद्यार्थी दिवस कार्यक्रम के तहत श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान शिक्षक मिथलेश कुमार सिंह ने किया और सभी विद्यार्थियों का मुंह मीठा करवाया। मौके पर विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक कुमार राजीव रंजन ने बताए कि मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को हुआ था।

चुनाव को लेकर एसएसपी का औचक निरीक्षण

भागलपुर (एजेंसी) : बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लागू रहने की बीच दीपावली, काली पूजा और छठ महापर्व जैसे त्योहारों फिर शांतिपूर्ण ढंग से निष्पक्ष चुनाव को सम्पन्न कराना पुलिस और प्रशासन के लिए एक चुनौती बनी हुई है। जिले के सुल्तानगंज विधानसभा में उपरोक्त सभी पर्व त्योहार के संपन्न होने के बाद दूसरे चरण में 11 नम्बर को मतदान होना है। इसको लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक पुलिस हृदयकांत बुधवार को सुल्तानगंज थाने पर पहुंचे और औचक निरीक्षण कर पुलिस की कार्यशैली और उसकी गतिविधियों से अवगत हुए। निरीक्षण के दौरान पुलिस कप्तान ने पूजा और विधानसभा चुनाव को लेकर विधि-व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा कर थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार से जानकारी ली। उन्होंने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के साथ ही गश्ती तेज करने का भी निर्देश दिया।

'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' अभियान : पार्टी वर्कर्स से पीएम मोदी ने किया संवाद, बोले

लोगों को जंगल राज की कहानियां बताइए

एजेंसी

पटना : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' अभियान के तहत बिहार के पार्टी कार्यकर्ताओं से ऑनलाइन संवाद किया। इस दौरान राज्य के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों से कार्यकर्ता जुड़े। बातचीत के क्रम में प्रधानमंत्री ने एक कार्यकर्ता ओमप्रकाश से पूछा कि क्या उन्होंने 'जंगलराज' पर लगी प्रदर्शनी देखी है। कार्यकर्ता ने हां में जवाब दिया, जिस पर पीएम ने कहा कि 18 से 45 वर्ष की उम्र के लोगों को उस दौर के बारे में विस्तार से बताना जरूरी है, क्योंकि उन्होंने बिहार के उस भयावह समय को नहीं देखा,

जिसने राज्य को बर्बादी की कगार पर पहुंचा दिया था।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'उस दौर में नक्सली रेल पटरियां उड़ाते थे, मालगाड़ियों से चोरी होती थी, लोग रात में घर से निकलने से डरते थे। सरकारी अधिकारी एक जिले से दूसरे जिले जाते थे तो पुलिस सुरक्षा देनी पड़ती थी। विकास पूरी तरह ठप था। बहुत मेहनत से बिहार की स्थिति बदली है, अब हम किसी भी कीमत पर उसे फिर से उस अंधकार युग में नहीं जाने दे सकते।' सभी महिला कार्यकर्ताओं को भैया दूज को उत्सव बनाना चाहिए। हर बूथ पर भाइयों को जुटाइए और सरकार की योजनाओं के बारे में बताइए। उन लोगों को लाभार्थियों से मिलवाइए। पूरी कोशिश बूथ जीतने की होगी चुनाव जीतना है तो बूथ जीतना होगा। बूथ जीतना है तो लोगों से जुड़ना होगा। चुनाव नेता नहीं लड़ता है। कार्यकर्ता लड़ता है। जैसे-जैसे बूथ जीतते जाते हैं वैसे-वैसे विधानसभा जीतते जाते हैं।

'पीएम मोदी के नेतृत्व में बढ़ रहा देश'

एजेंसी

बेतिया : पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इसी क्रम में नौतन विधानसभा क्षेत्र में एक जनता से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदीजी ने देश को विकास की दिशा में अग्रसर किया है और अब वक्त है कि बिहार में भी एक मजबूत भाजपा सरकार बने, ताकि राज्य का समग्र विकास हो सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा प्रभारी राजेश उपाध्याय ने की। अपने संबोधन में मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त करना होगा। ताकि पार्टी प्रत्याशी की विजय सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर मिशन 2025 को सफल बनाने की अपील की। सभा में उत्तर प्रदेश के विधायक सुमेंद तोमर, नारायण प्रसाद, मनोज सिंह, पंकज रौशन, मंडल अध्यक्ष देवी दयाल प्रसाद, छोटे लाल कुशवाहा, राकेश कुमार वर्मा, पन्नालाल साह, चंद्रमा सिंह, पप्पू सिंह एवं राजकिशोर ठाकुर समेत कई अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखे.सभी वक्ताओं ने पार्टी की नीतियों, योजनाओं और संगठन की मजबूती पर जोर दिया.सभा में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति से यह स्पष्ट हुआ कि आगामी चुनावों में भाजपा कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ जुटे हुए हैं।

भारत और नेपाल के अधिकारियो की हुई संयुक्त समन्वय बैठक

विस चुनाव में सतर्क रहें सुरक्षा कर्मी

एजेंसी

पूर्वी चंपारण : इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट (आईसीपी) स्थित सभागार में बुधवार को भारत और नेपाल के अधिकारियो की बैठक हुई। संयुक्त समन्वय बैठक में दोनों देशों के शीर्ष प्रशासनिक और सुरक्षा अधिकारियों ने सीमावर्ती सुरक्षा, तस्करी की रोकथाम तथा बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान पारस्परिक समन्वय को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया।

उल्लेखनीय है कि, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नामांकन की प्रक्रिया 13 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 20 अक्टूबर तक चलेगी तथा दो चरणों में मतदान होगा पहला चरण 6 नवंबर और दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा। इसको लेकर सीमान्त मुख्यालय, एस.एस.बी., पटना के महानिरीक्षक निशीत कुमार उज्ज्वल, भा.पु.से., का 47वीं वाहिनी एस.एस.बी., रक्सौल में दो दिवसीय दौरा संपन्न हुआ। अपने दौरे के दौरान महानिरीक्षक उज्ज्वल ने

सबसे पहले वाहिनी मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर ग्रहण किया तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इसके उपरांत उन्होंने सैनिक सम्मेलन को संबोधित किया, जिसमें बल के जवानों को सीमावर्ती सुरक्षा, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान, आने-जाने वाले नागरिकों की जांच-पड़ताल तथा चुनावी अवधि में चौकसी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने जवानों की व्यक्तिगत समस्याओं को भी सुना और उनके मनोबल को ऊंचा बनाए रखने पर बल दिया। तत्पश्चात वे आईसीपी रक्सौल पहुंचे, जहां भारत-नेपाल सीमावर्ती जिलों की संयुक्त समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में भारत की ओर से सौरभ जोरवाल, जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण; एस. सुब्रमण्यम, उप महानिरीक्षक, क्षेत्रक मुख्यालय एस.एस.बी. बेतिया,संजय पांडेय, कमांडेंट 47वीं वाहिनी एस.एस.बी., रक्सौल, स्वर्ण प्रभात, पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी तथा एस.एस.बी. और जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं नेपाल की ओर से तोय नारायण सुवेदी, सी.डी.ओ., जिला पर्सा, अंजनी कुमार पोखरेल, डी.आई.जी.,ए.पी.एफ., ब्रिगेड-03, भरतपुर, चितवन सहित नेपाल पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पिता को बचाने दौड़े बेटे की करंट से मौत

नवादा (एजेंसी) : नवादा जिले के सिरदला थाना क्षेत्र के परणाडाबर थाने मुरार कुरहा गांव में बुधवार को बिजली के गिरे हुए तार की चपेट में आने से एक बेटे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से झुलस गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब पिता कैलाश यादव (60) बधार की ओर निकले थे। रास्ते में गिरे एलटी लाइन के तार से उनका पैर छू गया और वे करंट की चपेट में आकर वहीं गिर पड़े। कुछ ही दूरी पर मौजूद उनके पुत्र प्रदीप कुमार (30) ने उन्हें बचाने की कोशिश की जैसे ही उसने पिता को पकड़ने की कोशिश की, वह भी तेज करंट की चपेट में आ गया। दोनों तड़पने लगे, चीख सुनकर ग्रामीण दौड़े और किसी तरह बिजली आपूर्ति बंद कराई। ग्रामीणों ने दोनों को आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरदला पहुंचाया, जहां डॉक्टर सुरेन्द्र कुमार मिश्रा ने जांच के बाद प्रदीप कुमार को मृत घोषित कर दिया। पिता कैलाश यादव की हालत गंभीर बनी हुई है।

मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा, पार्टी को होगा नुकसान : पीके

एजेंसी

पटना : जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को कहा कि वे बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनके राघोपुर से चुनाव लड़ने की चर्चा थी। उन्होंने कहा कि यह फैसला पार्टी के हित में लिया गया है। प्रशांत किशोर ने बुधवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सभी पार्टी सदस्यों ने फैसला कर लिया है, मुझे सभी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के काम पर ध्यान केंद्रित करना है, इसलिए मैं चुनाव नहीं लड़ रहा हूं।

प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज ने फैसला लिया है कि मेरे पास पहले से जो काम है, उसी को पूरी तरह से मैं कर लूं तो काफी होगा। अगर चुनाव लड़ने जाऊंगा तो 4 से 5 दिन का नुकसान होगा। इस नुकसान से पार्टी के कई उम्मीदवारों को नुकसान हो सकता है। इसलिए पार्टी के हित में मुझे यह जिम्मेदारी दी गई है कि जो

काम मैं कर रहा हूं, वह करता रहूं। उन्होंने कहा कि पार्टी को कम से कम 150 सीटें जीतनी होंगी, नहीं तो इसे हार के रूप में देखा जाएगा।

प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता पहले से ही जानती है कि ये लोग लूट के लिए लड़ रहे हैं। जब आप सोचेंगे कि आप बिहार को कितना लूट सकते हैं, तो ऐसा होना तय है। राजग और महागठबंधन, दोनों की यही स्थिति है। सम्राट चौधरी के खिलाफ एक जाने-माने डॉक्टर चुनाव लड़ रहे हैं और तारापुर में उन्हें घेर लिया जाएगा।

कारोबार

चांदी की चमक से बाजार हैरान

चेन्नई और हैदराबाद में चांदी 2.07 लाख रुपये के स्तर पर

एजेंसी

नई दिल्ली : सर्राफा बाजार में सोना और चांदी ने अपनी रफ्तार से सबको हैरान कर दिया है। खासकर, चांदी के भाव में आए उछाल ने मार्केट एक्सपर्ट्स को भी हैरान कर दिया है। बुधवार को इस चमकीली धातु की कीमत हैदराबाद और चेन्नई में 2 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। इसके पहले बुधवार को दिल्ली में चांदी ने 1,89,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। इसी तरह चेन्नई और हैदराबाद में चांदी की शुरुआत 1,96,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से हुआ थी। दोपहर बाद चांदी की कीमत में

तेजी का रुख बन गया। इस तेजी के साथ ही चांदी ने एक बार फिर मजबूती का एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। चेन्नई और हैदराबाद में चांदी की कीमत एक ही दिन में 10 हजार रुपये से अधिक की छलांग लगाकर 2,07,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई।

चेन्नई और हैदराबाद के अलावा दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, गुरुग्राम, लखनऊ, गाजियाबाद, जयपुर, पटना और भुवनेश्वर में चांदी शाम 6 बजे तक का कारोबार होने के बाद 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंची हुई थी। दूसरी ओर, बेंगलुरु में चांदी की कीमत 1,93,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंची हुई है।

जानकारों का कहना है कि धनतेरस और दीपावली के पहले सर्राफा बाजार में जबरदस्त खरीदारी का रुख बना हुआ है। त्योहार और शादी विवाह के सीजन की जोरदार मांग के कारण चांदी रोज मजबूती का नया रिकॉर्ड बना रही है। खासकर गहने बेचने वाले रिटेल ज्वेलर्स की डिमांड ने सराफा बाजार में चांदी और सोने जैसे चमकीली धातुओं की कीमत को काफी तेज कर दिया है।

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि भारत में त्योहारी और शादी विवाह का सीजन होने के साथ ही इंडस्ट्रियल सेक्टर में चांदी की बढ़ी हुई मांग ने भी इस चमकीली धातु की कीमत को और तेज कर दिया है। दुनिया भर में इलेक्ट्रॉनिक सामान का उत्पादन करने और सोलर पैनल बनाने में चांदी का काफी इस्तेमाल हो रहा है। इससे पूरी दुनिया में चांदी के भाव में जबरदस्त तेजी का रुख बन गया है।

डॉलर की तुलना में रुपया 72 पैसा मजबूत

एजेंसी

मुंबई : अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का संकेत देने और डॉलर इंडेक्स की कमजोरी का असर बुधवार को भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने सकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में मजबूती के साथ बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 72 पैसे उछल कर 88.08 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 88.80 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर

के मुकाबले 54 पैसे की तेजी के साथ 88.26 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण रुपया ओपनिंग लेवल से 13 पैसे कमजोर होकर 88.39 के स्तर तक गिर गया। इसके बाद भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रुपये को सहारा देने के लिए हस्तक्षेप करने की खबर ने मुद्रा बाजार को काफी प्रभावित किया। इस खबर की वजह से भारतीय मुद्रा 1.05 रुपये की मजबूती के साथ 87.75 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गई।

देश का निर्यात सितंबर में 6.74 फीसदी बढ़कर हुआ 36.38 अरब डॉलर

नई दिल्ली (एजेंसी) : वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सितंबर में देश का निर्यात 6.74 फीसदी बढ़कर 36.38 अरब डॉलर हो गया। आयात 16.6 फीसदी बढ़कर 68.53 अरब डॉलर रहा। इस दौरान व्यापार घाटा 32.1 अरब डॉलर रहा। सोना, चांदी, उर्वरक और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात में इजाफा होने के कारण आयात में वृद्धि हुई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि भारत का निर्यात सितंबर में 6.74 फीसदी बढ़कर 36.38 अरब डॉलर रहा। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद निर्यात में वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार आयात 16.6 फीसदी बढ़कर 68.53 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान देश का व्यापार घाटा 32.1 अरब डॉलर रहा है। सोना, चांदी, उर्वरक और इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों के आयात में वृद्धि के कारण आयात बढ़ा है। मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही अप्रैल-सितंबर के दौरान निर्यात 3.02 फीसदी बढ़कर 220.12 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान आयात 4.53 फीसदी बढ़कर 375.11 अरब डॉलर रहा।

एयर इंडिया 26 अक्टूबर से शुरू करेगी 174 नई साप्ताहिक उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी) : टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने 26 अक्टूबर से उत्तरी शीतकालीन कार्यक्रम के तहत प्रमुख घरेलू और कम दूरी के अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर 174 साप्ताहिक उड़ानें जोड़ने की घोषणा की है। एयर इंडिया इनका संचालन अपने सिंगल-आइल विमानों के जरिए करेगी। इन उड़ानों से भारतीय शहरों के साथ दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लोकप्रिय गंतव्यों के लिए कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। एयरलाइंस ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि नई उड़ानें शुरू करने से भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के प्रमुख शहरों से कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। एयरलाइंस ने कहा कि 15 नवंबर से दिल्ली-कुआलालंपुर साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 7 गुना से बढ़ाकर 10 गुना की जाएगी। दिल्ली-देनपसार (बाली) के लिए एक दिसंबर से साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 7 गुना से बढ़ाकर 10 गुना कर दी गई है।

सितंबर में यात्री वाहनों की बिक्री 4% बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी) : अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर महीने में सालाना आधार पर चार फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई रही है। उद्योग संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी आंकड़ों में बताया कि सितंबर में निर्माताओं से डीलरों तक यात्री वाहनों की शिपमेंट ने सालाना आधार पर चार फीसदी की वृद्धि देखी गई। उद्योग निकाय ने कहा कि सितंबर में कुल 3,72,458 इकाइयां भेजी गई, जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 3,56,752 थी। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी वृद्धि के साथ 21,60,889 इकाई रही, जबकि सितंबर, 2024 में यह 20,25,993 इकाई रही थी। ये वृद्धि ऑटोमोटिव क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक संकेतक है, जो बढ़ती उपभोक्ता मांग और बाजार की मजबूती को दर्शाता है। सियाम ने कहा कि यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी ऑटोमोटिव उद्योग के मजबूत प्रदर्शन को दर्शाती है, क्योंकि निर्माता चुनौतियों का सामना करने और बाजार में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने में लगे हुए हैं।

दो दिनों की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

निवेशकों ने कमाए 4.29 लाख करोड़

एजेंसी

मुंबई : लगातार दो दिनों तक कमजोरी का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। पहले 1 घंटे के कारोबार में बाजार में उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। इस वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई?। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत और निफ्टी 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने का संकेत देने, इंडिया वोलेटिलिटी इंडेक्स (इंडिया वीआईएक्स) में गिरावट आने, कच्चे तेल के भाव में नरमी आने, डॉलर की तुलना में रुपये के मजबूत होने और मजबूत ग्लोबल संकेतों की वजह से शेयर बाजार

में आज पूरे दिन उत्साह का माहौल बना रहा।

कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 463.96 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.67 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.29 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। कारोबार में बीएसई में 4,326 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,510 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,652 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 164 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए।

कृषि को लाभकारी बनाने के लिए योजना का फायदा उठाएं किसान : सीतारमण

एजेंसी

कोप्पल : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कृषि को लाभकारी व्यवसाय में बदलने के लिए किसानों से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को संगठित क्षेत्र में लाने की योजना पीएमएफएमई और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) का पूरा लाभ उठाने की अपील की। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कर्नाटक के कोप्पल जिले के मेथागल गांव में 'किसान प्रशिक्षण एवं साझा सुविधा केंद्र' का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि नई पीढ़ी के जीएसटी सुधार ग्रामीण और कृषि समुदायों के लिए भी फायदेमंद होंगे। इस केंद्र की स्थापना निर्मला सीतारमण के 'सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि' (एमपीएलएडी) से की गई है।

सीतारमण ने आगे कहा,

दीर्घकालिक रूप से जब हम मूल्य संवर्धन की बात करते हैं, तो प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएम-एफएमई) योजना तुरंत ध्यान में आती है। वित्त मंत्री ने बताया कि पीएमएफएमई योजना कृषि उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। इसके तहत केंद्र सरकार वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है और उद्यमों को आधुनिक बनाने में मदद करती है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित कर गांवों में रोजगार सृजन पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा, ''वर्ष 2020 से अब तक केंद्र सरकार ने राज्यों को 3,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की है। किसानों के लिए 11,000 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि एक लाख से अधिक कृषि उद्यमी सामने आए हैं।''

सीतारमण ने पीएमडीडीकेवाई योजना का जिक्र करते हुए कहा, ''वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में इस योजना के तहत 24,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कोप्पल इस योजना से लाभान्वित होने वाले जिलों में से एक है।'' उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसलों का विविधीकरण प्रोत्साहित करना और 100 कम उत्पादक जिलों में किसानों की आजीविका सुधारना है। उन्होंने बताया कि जैव कीटनाशकों, सूक्ष्म पोषक तत्वों और जैव उर्वरकों पर भी जीएसटी दरों में कटौती की गई है।

यमराज का टिकट चाहिए तो छेड़खानी करके देख लो: योगी

दंगाइयों के आगे झुकने वाले नहीं, रंग में भंग डाला तो जेल में ठूसेंगे

लखनऊ। 'अगर बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया तो तय मानिए यमराज अगले चौराहे पर खड़े मिलेंगे। अगर किसी को यमराज का टिकट कटवाना है तो बेटी के साथ खिलवाड़ करके देख ले। यह सिर्फ यूपी सरकार ही कर सकती है। अगर कोई भी त्योहार में रंग में भंग डालने का प्रयास करेगा तो जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही होंगी, चाहे वह कोई भी हो, उसे अंदर डालने में देर नहीं लगेगी। उसे जेल में ठूंसने में देरी नहीं की जाएगी। अब दंगाइयों के आगे झुकने वाली सरकार नहीं है।' ये बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान कहीं। उन्होंने यह भी कहा- त्योहारों और उत्सवों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया जाना चाहिए। पिछले 8 साल में यूपी में किसी भी समुदाय के जितने भी त्योहार मनाए गए हैं, सभी शांतिपूर्ण रहे। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि यह वह सरकार है, जो जिस भाषा में समझता है, उसे उस भाषा में समझाना जानती है। योगी ने कहा- पहले की सरकारें अपने परिवार के बारे में सोचती थीं। घूम फिर के चाचा-भतीजा और महाभारत के सभी रिश्ते आते थे। एक ही परिवार के लोग फायदा उठाते थे। डकैती डालते थे। उत्पात की उमंग को गुंडागर्दी की भेंट चढ़ाते थे। नौजवानों की नौकरी में डकैती पड़ती थी। विकास के पैसों में छीनाझपटी होती है। परिणाम होता था कि प्रदेश त्योहार नहीं मना पाता था। हर जिले में इनके द्वारा पाले गए गुंडे अराजकता फैलाते थे। माफियागिरी करते थे। इन दंगाइयों के सामने इनका मुख्यमंत्री नाक रगड़ कर इन्हें दंगा करने की छूट देते थे। लेकिन, भाजपा सरकार पूरे प्रदेश को परिवार मानकर काम कर रही है। सीएम ने कहा कि पहले की सरकारों के समय महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। बेटियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है। 2014 से पहले गरीब महिलाओं को लकड़ी और कोयले से खाना पकाना पड़ता था, जिससे उनकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता था। उन्हें जिंदगी भर इलाज करवाना पड़ता था। महिलाएं खांसते-खांसते दम तोड़ देती थीं। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गरीबों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए, जिससे महिलाओं का जीवन आसान हुआ। उत्तर प्रदेश की सरकार ने 2021 में तय किया कि साल भर में 2 सिलेंडर मुफ्त में देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर नारी गरिमा की मुहिम बन गया है। योगी ने कहा- साल में दो बार फ्री गैस सिलेंडर मुहैया कराए जाएंगे। हम होली और दीपावली के उत्सव को और उत्साहपूर्ण बनाने के लिए निःशुल्क रसोई गैस के सिलेंडर देने का काम करेंगे। प्रदेश वासियों से एक अपील यह भी है कि दिवाली पर जो भी खरीदें, स्वदेशी खरीदें। घर पर जलाए जाने वाले दीपक भी वहीं होने चाहिए, जो हमारे यहां बनाए गए हों। सजावट का समान भी देश में ही तैयार किया गया हो। प्रदेशवासियों से एक अपील यह भी है कि पर्व और त्योहार के समय किसी एक गरीब की सहायता जरूर करें। इससे पहले, सीएम योगी ने बुधवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 1,500 करोड़ रुपए की धनराशि से यूपी के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी बांटी। योगी ने कहा- लोक-कल्याणकारी सरकार का दायित्व बनता है कि वह शासन की योजनाओं का फायदा ईमानदारी के साथ जरूरतमंदों, गरीबों और वंचितों तक पहुंचाए। जब अच्छी सरकार आती है तो लोकमंगल की कामना के साथ सबके हित के बारे में सोचती है। पिछले महीने बरेली में हुए बवाल के बाद से ही योगी ने उपद्रवियों पर काफी सख्त रुख अपना रखा है। 'आई लव मोहम्मद' को लेकर हुए बवाल पर योगी ने कहा था- अराजकता कतई स्वीकार नहीं है। बिना गंगी जहन्नुम का टिकट कटवा देंगे। लातों के भूत बातों से नहीं मानते। इनको लगता है कि सरकार अब भी झुककर काम करेगी। लेकिन, अब दुस्साहस करोगे तो वैसे ही पिटोगे, जैसे बरेली में पीटे गए थे। इन मूर्खों को पता नहीं कि आस्था को प्यार नहीं, सम्मान दिया जाता है। जिन बच्चों के हाथों में कलम होनी चाहिए, उनके हाथों में 'आई लव मोहम्मद' का पोस्टर देकर अराजकता फैला रहे हैं। उनकी जिंदगी तो बर्बाद है ही, उन बच्चों की भी बर्बाद कर रहे।

संक्षिप्त डायरी

कायस्थ महासभा के वीरेंद्र श्रीवास्तव बने जिलाध्यक्ष, ब्रजेश महामंत्री

संवाददाता

कुशीनगर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की कुशीनगर जिला ईकाई का गठन में अधिवक्ता वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव को जिलाध्यक्ष व ब्रजेश श्रीवास्तव को महामंत्री बनाया गया है। प्रदेश महामंत्री ज्ञान प्रकाश अस्थाना की देख रेख में मंगलवार की रात सम्पन्न चुनाव में विनोद श्रीवास्तव वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव अनिरुद्ध शंकर श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, धीरेन्द्र मोहन सहाय, अष्टभुजा श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष, परमानन्द श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष, राकेश श्रीवास्तव संगठन मंत्री, अभिषेक श्रीवास्तव, विकास श्रीवास्तव, नवनीत श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, अमन श्रीवास्तव जिलामंत्री, अतुल श्रीवास्तव वैधानिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। संरक्षक मंडल के सदस्य ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, डॉ. निरपानंद, डॉ. रामजीलाल, आलोक श्रीवास्तव, रविन्द श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, अजितेश श्रीवास्तव ने निवृत्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए निष्ठा व समर्पण भाव से समाज के विकास के लिए कार्य करने की अपेक्षा की है।

25 टीबी रोगियों को दिया पोषण पोटली

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। सीएमओ कुशीनगर डॉ चंद्रप्रकाश के निर्देश पर कसया सीएचसी पर आयोजित एकीकृत निक्षय दिवस पर 25 टीबी रोगियों को दिया पोषण पोटली दी गई। सीएचसी के अंतर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य सेन्टरों पर लगभग 355 व्यक्तियों के टीबी की स्क्रीनिंग हुई। जिसमें 31सम्भावित व्यक्तियों के बलगम नमूने जाँच के लिये एकत्रित किये गये। चिन्हित 5 नये टीबी रोगियों की दवा शुरू की गयी। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एसएन त्रिपाठी ने कहा कि जनपद में क्षयरोगियो को निक्षय मित्रों के सहयोग से लगातार प्रोटीनयुक्त आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। डॉ त्रिपाठी ने गोद लेने वाले जनपद के प्राइवेट अल्ट्रासाउंड संचालको के प्रति धन्यवाद भी ज्ञापित किया। गोद लेने में सीएमओ डॉ चंद्रप्रकाश, डीटीओ डॉ एसएन त्रिपाठी, अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी, एसटीएस शाहिद अंसारी, एसटीएलएस आशुतोष कुमार मिश्र द्वारा एक-एक मरीज तथा प्राइवेट अल्ट्रासाउंड के संचालकों द्वारा 20 टीबी रोगियों को गोद लिया गया। संचालन निक्षय मित्र नोडल आशुतोष मिश्र, अतिथियों का स्वागत डॉ गौतम जी गौरव एवं आभार ज्ञापन एसटीएस शाहिद अंसारी ने किया। इस दौरान फार्मासिस्ट अभिषेक पाण्डेय, लेखाकार राकेश कुमार पांडेय, डीईओ सौरभ श्रीवास्तव, ट्रीटमेंट सपोर्टर अशोक गुप्ता, सैम्पल ट्रांसपोर्टर घनश्याम प्रसाद, सन्तोष कुमार उपस्थित रहे।

जरूरतमंद मां की मदद को आगे आई राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट, संभाली दो बच्चियों की शिक्षा की जिम्मेदारी

संवाददाता

ओबरा, (सोनभद्र)। इंसानियत और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट ने ओबरा की एक जरूरतमंद माँ और उनकी दो बेटियों की शिक्षा का बीड़ा उठाया है। पति के निधन के कारण आर्थिक तंगी झेल रही माँ श्रीमती ममता की दो बच्चियों - शिवकन्या गुप्ता (कक्षा 2) और सृष्टि गुप्ता (कक्षा 7) की पढ़ाई पर मंडरा रहे संकट को ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद पटेल दयालु ने तुरंत दूर करने का निर्णय लिया। जब ममता अपनी पीड़ा और बच्चियों के भविष्य की चिंता लेकर राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद पटेल दयालु से मिलीं, तो उन्होंने एक पल की भी देरी किए बिना संवेदनशीलता दिखाते हुए कहा, जब तक बहन ममता आत्मनिर्भर नहीं बन जातीं, तब तक उनकी बच्चियों की शिक्षा की जिम्मेदारी हमारी संस्था की होगी। यह निर्णय लिया गया कि दोनों बच्चियों की शिक्षा का खर्च एक साझा प्रयास से पूरा किया जाएगा। आनंद पटेल दयालु ने माँ की ममता और विपरीत परिस्थिति को देखकर भावुक होते हुए कहा कि इन बच्चियों की शिक्षा अब किसी हाल में रुकनी नहीं चाहिए। आधी फीस की जिम्मेदारी सेना उठाएगी और आधी विद्यालय निभाएगा, ताकि ये दोनों बेटियां निडर होकर आगे बढ़ सकें। ट्रस्ट के इस कदम के पीछे के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए आनंद पटेल दयालु जी ने दोहराया कि राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट का उद्देश्य यही है कि कोई बच्चा गरीबी या हालात के कारण पढ़ाई से वंचित न रहे। ट्रस्ट ने यह सुनिश्चित किया है कि आर्थिक अभाव इन बेटियों के सपनों को तोड़ने न पाए। इस नेक पहल के बाद, बच्चियों की माँ श्रीमती ममता ने भावुक होकर कहा, आज मुझे लगा कि इंसानियत अभी जिंदा है। आनन्द पटेल दयालु जी जैसे लोग समाज के लिए सच्चे नेता हैं, जो न सिर्फ सुनते हैं, बल्कि कदम बढ़ाकर मदद भी करते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय नवनिर्माण सेना ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि ऐसे संवेदनशील समाजसेवियों के कारण ही यह विश्वास जगता है कि हर हाल में बच्चे पढ़ेंगे और समाज को सशक्त बनाएंगे। कैरियर कान्वेंट के प्रधानाचार्य दीनानाथ शर्मा ने भी इस मानवीय पहल की सराहना की और बच्चों की शिक्षा में सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जनाब महताब आलम, राष्ट्रीय योग गुरु झल्लन शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष कनौजिया, जनाब शरीफ खान, बच्चियों की माँ ममता और प्रधानाचार्य दीनानाथ शर्मा भी उपस्थित रहे। ट्रस्ट का यह कदम समाज के उन वर्गों के लिए प्रेरणा का स्रोत है जो अभावग्रस्त बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्यरत हैं।

बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश प्रयागराज की प्रत्याशी एड ज्योति सिंह राणा का सोनभद्र में प्रचार प्रसार

संवाददाता

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के डी बी ए सचिवालय में पूर्व अध्यक्षगण श्याम बिहारी यादव एडवोकेट एवं हीरालाल पटेल एडवोकेट के द्वारा बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश प्रयागराज के प्रत्याशी ज्योति सिंह राणा कानपुर का स्वागत किया गया ! बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश प्रयागराज की उम्मीदवार एडवोकेट ज्योति सिंह राणा कानपुर ने कहा कि आगामी होने वाले बार कौंसिल चुनाव को लेकर आज यहां सोनभद्र में आई हूं ! ज्योति सिंह राणा ने बताया की मैं एकीकृत बार एसोसिएशन कानपुर में पूर्व मंत्री रह चुकी हूं और अधिवक्ताओं की समस्याओं को पूर्ण रूप से वाकिब हूं मैं आप लोगों की बात बार काउंसिल में पूरी मजबूती के साथ उठाऊंगी और जनपद न्यायालय सोनभद्र कचहरी में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अधिवक्ता पवन कुमार सिंह के साथ भ्रमण कर अधिवक्ताओं से अपने लिए प्रथम वरीयता का मत देने का अनुरोध किया। जिला न्यायालय में भ्रमण के दौरान दिन काफी संख्या में अधिवक्ताओं की मौजूदगी बनी रही। इस अवसर पर राजेश कुमार यादव, प्रदीप कुमार मौर्य, रियाज खान, वीपी सिंह, राजेश कुमार मौर्य, विनीत श्रीवास्तव, कामता प्रसाद यादव, टीटू गुप्ता,नवीन कुमार पांडेय, दशरथ यादव, शाहनवाज आलम खान आदि लोग साथ उपस्थित रहे !

श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता का भावपूर्ण वर्णन सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के दुबे पट्टी में आयोजित श्रीकृष्ण भागवत कथा में वृंदावन से पधारे प्रसिद्ध कथा वाचक अजय कृष्ण शास्त्री जी ने सुदामा-कृष्ण प्रसंग का अत्यंत भावुकता से वर्णन किया। बताया कि कैसे भगवान ने नंगे पैर दौड़कर सुदामा का स्वागत किया, उनके चरणों को अपने आँसुओं से धोया और उन्हें गले लगाया। कथा वाचक ने कहा कि यह प्रसंग हमें यह सिखाता है कि सच्ची मित्रता किसी भी भौतिक वैभव से कहीं अधिक मूल्यवान होती है। भगवान अपने भक्तों की सच्ची भावना को समझते हैं और सदा उनका कल्याण करते हैं।।अजय कृष्ण शास्त्री जी ने आगे सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सत्संग मानव जीवन को दिशा देने वाला एक दिव्य साधन है। इसके माध्यम से न केवल पापों का नाश होता है, बल्कि सत्कर्मों की प्रेरणा भी मिलती है। सत्संग से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मनुष्य मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। कथा आयोजन में महंत पुजारी गोस्वामी जी, युगल किशोर गुप्ता, श्रीनिवास यादव, शंभू गुप्ता, किशोर गुप्ता, शिव गुप्ता, वीरेंद्र गुप्ता, केशवर यादव, संजय यादव, लाल बहादुर यादव, नीरज गुप्ता, रामप्रीत खरवार, बिगु, राकेश यादव, मुन्ना गुप्ता मौजूद रहे।

सोनभद्र के चन्द्रशेखर पाण्डेय बने हिन्दू संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता

सोनभद्र । जिले के घोरावल तहसील क्षेत्र के महुआंव पाण्डेय गांव निवासी चन्द्र शेखर पाण्डेय को हिंदू संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शुभ चिंतकों ने हर्ष जाहिर करते हुए बधाई दी है। बताते चलें कि हिंदू संघर्ष समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, चंद्र शेखर पांडेय को उत्तर प्रदेश राज्य इकाई के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से मंगलवार की देर शाम लागू की गई है। इस आशय की जानकारी समिति के राष्ट्रीय महामंत्री अनूप पांडेय ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए बताया कि चंद्र शेखर पांडेय का कार्यकर्ता जीवन राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण का आदर्श उदाहरण है। उनका नेतृत्व उत्तर प्रदेश में हिंदू संघर्ष समिति के कार्य को नई दिशा और गति प्रदान करेगा। राष्ट्रीय सचिव मोहित माधव ने भी इस अवसर पर शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे संगठन में उत्तर प्रदेश सदैव ऊर्जावान कार्यकर्ताओं की भूमि रही है। पांडेय जी के नेतृत्व में यह ऊर्जा राष्ट्र के व्यापक हित में संगठित प्रयासों में परिवर्तित होगी। हिंदू संघर्ष समिति का हर कार्यकर्ता संगठन की एक-एक इकाई को सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है। नव-नियुक्त अध्यक्ष चंद्र शेखर पांडेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह पद मेरे लिए केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का अवसर है। समिति के आदर्शों, सनातन मूल्य प्रणाली और संगठनात्मक अनुशासन को सर्वोपरि रखते हुए, मैं उत्तर प्रदेश इकाई को नयी ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करूंगा। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी पांडेय जी को शुभकामनाएँ देते हुए हिंदू राष्ट्र की स्थापना हेतु अखंड प्रयत्न का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर तमाम लोगों ने हर्ष व्यक्त किया।

पशु प्रदर्शनी में छाए जोरावर और बलवान, लाखों की कमाई करने वाले सांड-भैंसे को देखने उमड़ी भीड़

मेरठ। मोदीपुरम स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय किसान मेले की पशु प्रदर्शनी में इस बार सांड जोरावर और भैंसा बलवान चर्चा में रहे। दोनों को देखने के लिए किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। इनकी कीमत और कमाई सुनकर लोग हैरान रह गए। जोरावर की उम्र चार साल है और वजन करीब 16 क्विंटल। उसके सीमन से हर महीने लगभग चार लाख रुपये की कमाई होती है। सालभर में यह आंकड़ा 55 से 60 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के सुनरिया गांव निवासी पशुपालक नसीब ने बताया कि जोरावर संकर नस्ल के सीमन से तैयार गाय का बछड़ा है। यह होल्सटीन फ्रीजियन संकर नस्ल का सांड है। उन्होंने बताया कि जोरावर की मां भी रिकॉर्डधारी रही है और वह रोजाना 67 लीटर दूध देती है। इस प्रदर्शनी में हुई प्रतियोगिता में जोरावर को सांड श्रेणी में चैंपियन घोषित किया गया। वहीं, भैंसा बलवान की बात करें तो वह पूर्व चैंपियन युवराज का बेटा है। बोबोनगर निवासी बलवान की कीमत करीब साढ़े सात करोड़ रुपये बताई जा रही है। उसकी उम्र छह साल है और सीमन के जरिए वह भी अपने मालिक को लाखों की आय दिलाता है। मेले में हरियाणा, पंजाब, मुजफ्फरनगर, गुरुग्राम और अन्य जिलों से भी पशुपालक अपने पशु लेकर पहुंचे। किसान प्रदर्शनी में जोरावर और बलवान को देखने के लिए उत्साहित नजर आए।

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने छह आरोपियों को किया गिरफ्तार

बरेली। जिले में आंवला थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले छह शातिरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से चोरी की आठ बाइक बरामद हुई हैं। इनमें से एक बाइक अभी तीन दिन पहले आंवला के मोहल्ला गंज पुरैना डाल से चोरी की गई थी। आरोपियों ने पुलिस की नजर से बचने के लिए बाइकों को मनौना गांव में बंद पड़े ईंट भट्ठे में छिपाया था। बुधवार दोपहर को थाना परिसर में क्षेत्राधिकारी नितिन कुमार ने बताया कि पुलिस को गश्त के दौरान मुखबिर से बाइक चोरों के गिरोह के मूवमेंट की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने आंवला-बिसौली रोड पर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान आंवला की ओर से तीन बाइकों पर सवार छह लोग आते दिखाई दिए। तीनों बाइकों को रोककर पूछताछ के बाद ई-चालान ऐप पर जांच की गई तो बाइकें चोरी की निकलीं। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने तीनों बाइकों को मुरादाबाद, बरेली व शाहजहांपुर से चोरी करने की बात स्वीकार की। इसके बाद आरोपियों की निशानदेही पर मनौना गांव के पास बंद पड़े ईंट भट्ठे से चोरी की पांच और बाइक भी बरामद हुईं। आरोपियों ने बताया कि इन बाइकों के बिक्री के बाद छिपाई गई बाइकों को भी ग्राहक खोजकर बेच देते। जो पैसा मिलता है। आपस में बांट लेते थे। पकड़े गए आरोपियों में आकाश, महेंद्र निवासी लक्ष्मणपुर, थाना आंवला, मुकेश व कमरुद्दीन हरदासपुर थाना सिरौली, असलम व सलमान निवासी गांव रुद्रपुर थाना खीरी शामिल हैं। आरोपियों पर पहले से कई मामले दर्ज हैं।

महा सफाई अभियान- कल कल बहेगी पौराणिक हिरण्यवती नदी: पीएन पाठक

संवाददाता

कुशीनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देश पर हिरण्यवती नदी को सदानीरा बनाने के लिए महा सफाई अभियान का प्रारंभ हुआ। इस अभियान में जिला प्रशासन और नगरपालिका परिषद कुशीनगर के संयुक्त प्रयास से अब यह नदी कल कल बहेगी। बुधवार को नगर कुशीनगर के बुद्ध स्थली स्थित हिरण्यवती नदी के बिंदवलिया पुल घाट पर कुरमौटा से बेलवा पालकधारी सिंह तक सफाई अभियान की शुरुआत जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, विधायक कुशीनगर पीएन पाठक, विधायक पडरौना मनीष कुमार जायसवाल, विधायक हाटा मोहन वर्मा, विधायक रामकोला विनय प्रकाश गोंड नपा अध्यक्ष किरन राकेश जायसवाल, उपजिलाधिकारी डॉ संतराज सिंह बघेल, तहसीलदार धर्मवीर सिंह, ईओ अंकिता शुक्ला, ईओ फाजिलनगर अमित सिंह आदि ने आचार्य गण एवं भंते महेंद्र के मंत्रोच्चार के बीच किया गया। मुख्य अतिथि विधायक कुशीनगर पीएन पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पर्यावरण संरक्षण की सोच को आगे बढ़ाया जा रहा है। यह पहल लोकप्रिय जिलाधिकारी कुशीनगर ने किया है जो सराहनीय है।

सामूहिक प्रयास से पौराणिक नदियों के उद्धार का यह भागीरथ प्रयास है पुण्य का काम है। जिलाधिकारी श्री तंवर ने सभी जनप्रतिनिधियों की अपेक्षा पर खरा उतरने के प्रति आश्वस्त किया और कहा कि जनपद के जलाशयों को संरक्षित किया जाएगा। निर्देशित किया कि प्रशासनिक और नगरपालिका की टीम सभासद गण के सहयोग से इस अभियान को जन आंदोलन बनाएं ताकि लोग खुद सफाई को आगे आएं। जिससे प्रकृति का संरक्षण होगा। कहा कि यह राम, बुद्ध की धरती है। स्वच्छ नदी अभियान में आप सभी का सहयोग आवश्यक है। जो सहयोग नहीं कर सकते कृपया वे जलाशयों को गंदा न करें। बताया कि 40 किमी नदी को सफाई सेक्टरों में बांटकर नदी मित्र, वालंटियर और जन सहयोग से होगा। बजट आने पर सफाई पर स्वच्छता पर और फोकस होगा। प्रतिदिन की सफाई की रिपोर्टिंग होगी। नपाप कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने सभी अतिथि गण का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की सोच विलुप्त हो रही नदियों में निर्मल जल प्रवाहित हो। उन्होंने अपील किया कि निर्मल गंगा, स्वच्छ जल चाहते हैं तो इस अभियान के सहभागी बनें। अतिथियों का स्वागत बुके देकर नपा अध्यक्ष श्रीमती किरन जायसवाल और अधिकारियों ने किया। सीएचसी कसया के चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार सिंह व चिकित्सा टीम मौजूद रही। अध्यक्षता नपा अध्यक्ष श्रीमती जायसवाल और सफल संचालन कवि डॉ मनन्जय तिवारी ने किया। इस दौरान डीपीआरओ आलोक प्रियदर्शी, डीसी मनरेगा राकेश, बीडीओ हरिशंकर मिश्रा, एडीओ नीरज चतुर्वेदी, डॉ सरिता गुप्ता एडीओ एसटी, एडीओ समाज कल्याण पवन गुप्ता, मंडल अध्यक्ष आद्या पांडेय, शैलेन्द्र दूबे, रमेश श्रीवास्तव, कविंद्र पाण्डेय, अशोक सिंह, कानूनगो संजय राय, शिव मुरारी लाल, ब्रजेश मणि, लेखपाल अंग ध्वज पासवान, आलोक श्रीवास्तव, नपा कुशीनगर के प्रधान लिपिक राजेश कुमार श्रीवास्तव, स्वच्छता प्रभारी श्रवण तिवारी, सभासद केशव सिंह, राजेश मद्धेशिया, प्रभुनाथ सिंह, अमेरिकन सिंह, मुन्ना शर्मा, सुभावती देवी, शमशाद, विनय राव, गिरिजेश सिंह, ब्रजेंद्र सिंह, प्रधान मोहनलाल गुप्ता, प्रधान विजय बहादुर राव, प्रधान राजेश शर्मा सहित कसया, हाटा, फाजिलनगर के सभी कर्मचारी, एसडीआरएफ टीम और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रूस से तेल की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की गिरावट होने के बाद भी सबसे बड़ा सप्लायर

नई दिल्ली

भारत के लिए होने वाले तेल की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है इसके बाद भी रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, लेकिन इस साल जनवरी से अगस्त 2025 के बीच रूस से भारत को तेल की आपूर्ति में पिछले साल की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है। खबरों के मुताबिक कैपलर के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2025 में भारत ने औसतन 45 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात किया, जो अगस्त की तुलना में करीब 70,000 बैरल अधिक था, हालांकि पिछले साल के मुकाबले लगभग समान रहा। इनमें रूस की हिस्सेदारी करीब 34 प्रतिशत यानी लगभग 16 लाख बैरल प्रतिदिन रही। इंडियन ऑयल कंपनी का कहना है कि भारत की तेल खरीद पूरी तरह आर्थिक गणना पर आधारित होती है, न कि किसी राजनीतिक दबाव पर। उन्होंने कहा कि भारत वही तेल खरीदता है जो कीमत और गुणवत्ता के लिहाज से लाभकारी हो। विशेषज्ञों का मानना है कि त्योहारी सीजन (अक्टूबर से दिसंबर) में ईंधन की मांग बढ़ने के साथ भारत फिर से रूसी तेल आयात बढ़ा सकता है, क्योंकि यह अब भी उच्च गुणवत्ता और बेहतर लाभ दर के चलते सबसे किफायती विकल्प बना हुआ है। हालांकि अमेरिका लगातार भारत पर रूसी तेल की खरीद घटाने का दबाव बना रहा है, लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के अनुसार निर्णय लेगा। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, रूस से आयात में कमी अमेरिकी दबाव की वजह से नहीं, बल्कि रूसी डिस्काउंट घटने, वैश्विक तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव, और अन्य देशों से सस्ता तेल मिलने के कारण हुई है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें घटी हैं, जिससे रूस की दी जाने वाली छूट घटकर सिर्फ 2 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, जबकि पहले यह कहीं अधिक थी।

इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने की सरकार से स्थायी प्रतिष्ठान नियमों की समीक्षा की मांग

मकसद: टैक्स प्रणाली को प्रतिस्पर्धी बनाना ताकि चीन जैसे देशों से मुकाबला कर सकें

नई दिल्ली

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने सरकार से स्थायी प्रतिष्ठान नियमों की समीक्षा करने की मांग की है, ताकि टैक्स प्रणाली को प्रतिस्पर्धी बना सकें और देश चीन और वियतनाम जैसे देशों के साथ बेहतर मुकाबला कर सकें। भारतीय सेल्युलर और इलेक्ट्रॉनिक्स संघ (आईसीईए) ने कहा है कि इन देशों ने पिछले दशक में अपने नियमों को इस तरह तैयार किया है कि विदेशी कंपनियों की मौजूदगी टैक्स योग्य बनी रहे, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर असर न पड़े। आईसीईए में ऐपल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, ओप्पो और डिक्सन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार इसपर पहले से ही विचार कर रही है। नीति आयोग ने हाल ही में विदेशी निवेशकों के लिए भारत में स्थायी प्रतिष्ठान और लाभ आवंटन में निश्चितता, पारदर्शिता और एकरूपता बढ़ाना शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है। आईसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि अब इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्टफोन उत्पादन की ग्रोथ निर्यात पर आधारित है, इसलिए टैक्स नियमों को इस तरह से तैयार किया जाना चाहिए कि निर्यात पर बोझ न पड़े और भारतीय कंपनियां वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। आईसीईए के मुताबिक भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन अब 135 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें से 64 अरब डॉलर सिर्फ स्मार्टफोन उत्पादन का है। पिछले दशक में स्मार्टफोन निर्माण 20 गुना बढ़ा है और वित्त वर्ष 2024-25 में इसका निर्यात 24 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

जापानी कंपनी निसान इंडिया की बढ़ती जा रही हैं मुश्किलें

नई दिल्ली

जापानी कंपनी निसान इंडिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सितंबर 2025 में लगातार चौथे महीने एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी। यह स्थिति कंपनी के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। कंपनी की किफायती एसयूवी मैग्नाइट ही फिलहाल उसकी बिक्री को संभाले हुए है, जबकि प्रीमियम एसयूवी निसान एक्स-ट्रेल की स्थिति लगातार खराब हो रही है। करीब रुपए 49.92 लाख की एक्स-शोरूम कीमत पर पेश की गई यह 7-सीटर लग्जरी एसयूवी एडवांस्ड फीचर्स से लैस है, लेकिन ग्राहकों से इसे अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिल रही। बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी और फरवरी 2025 में एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी थी, मार्च में 15 यूनिट, अप्रैल में 76 और मई में 20 यूनिट की बिक्री हुई। इसके बाद जून से सितंबर तक बिक्री का आंकड़ा फिर शून्य पर लौट आया। यानी पूरे साल में अब तक केवल 111 यूनिट ही बिक पाईं, जो भारतीय बाजार में इसके कमजोर प्रदर्शन को दर्शाता है। एक्स-ट्रेल 'डी' सेगमेंट की प्रीमियम एसयूवी है, जिसमें 7 एयरबैग, 4 डब्ल्यूडी सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे फीचर्स मौजूद हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका हाइब्रिड वर्जन लोकप्रिय है, लेकिन भारत में इसकी ऊंची कीमत, सीमित डीलर नेटवर्क और ब्रांड की कमजोर मौजूदगी इसके लिए बड़ी बाधाएं बनी हुई हैं। ऑटो एक्सपर्ट्स का मानना है कि निसान ने लंबे समय से भारतीय बाजार में नए मॉडल लॉन्च नहीं किए, जिससे ब्रांड कनेक्ट कमजोर हो गया है। साथ ही, कंपनी की मार्केटिंग और सर्विस रणनीति भी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कमजोर रही है।

यूएई का एमिरेट्स एनबीडी बैंक भारतीय प्राइवेट बैंक आरबीएल को खरीदेगा

इस रणनीति का उद्देश्य आरबीएल बैंक की पूंजी संरचना को मजबूत बनाना

नई दिल्ली

भारतीय बैंकिंग सेक्टर में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दूसरे सबसे बड़े बैंक, एमिरेट्स एनबीडी बैंक पीजेएससी, भारत के प्राइवेट बैंक आरबीएल बैंक को खरीदने की प्रक्रिया में है। आर्थिक विशेषज्ञों के मुताबिक, एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल में करीब 15,000 करोड़ रुपए के निवेश के लिए अंतिम चरण की बातचीत कर रहा है। इस निवेश के पूरा होने पर यूएई बैंक आरबीएल बैंक का सबसे बड़ा शेयरधारक बन जाएगा और उसका नियंत्रण अपने हाथों में लेगा। यह बड़ा निवेश प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए किया जाएगा, जिसमें एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक के शेयर और वॉरंट्स खरीदेगा। इसके बाद, अतिरिक्त 26फीसदी शेयरों के लिए एक ओपन ऑफर भी लाया जाएगा। इस रणनीति का उद्देश्य आरबीएल बैंक की पूंजी संरचना को मजबूत बनाना है ताकि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार हो सके। वर्तमान में आरबीएल बैंक का मार्केट कैप करीब 17,786.8 करोड़ है। निवेश पूरा होने के बाद एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक की कुल इक्विटी का 51 फीसदी अपने नाम कर लेगा, जिससे उसे बैंक के संचालन पर प्रभावी नियंत्रण मिल जाएगा। सूत्रों की मानें तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में इस सौदे के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिससे एमिरेट्स एनबीडी बैंक की भारत में उपस्थिति और भी मजबूत होगी। यह डील न केवल बैंकिंग सेक्टर में यूएई बैंक की पकड़ बढ़ाएगी, बल्कि भारत और पश्चिम एशिया के बीच बढ़ते रेमिटेंस मार्केट में भी उसकी स्थिति को सशक्त करेगी। खाड़ी देशों में बसे भारतीय प्रवासी देश के कुल प्रवासी समुदाय का करीब आधा हिस्सा हैं। आरबीआई आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024 में खाड़ी से भारत आए कुल 38.7 अरब डॉलर के रेमिटेंस में से आधा हिस्सा सिर्फ यूएई से आया था। यह भारत के लिए विदेशी मुद्रा का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में एमिरेट्स एनबीडी बैंक का आरबीएल बैंक में निवेश, दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को भी नई दिशा देगा।

टाटा संस आईपीओ लाती है तो ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों को फायदा, बढ़ जाएगा निवेश का मूल्य

नई दिल्ली

अगर टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाती है तो समूह की प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों, जिनकी संख्या सात है, को बड़ा फायदा हो सकता है। इससे टाटा संस में उनके निवेश का मूल्य बढ़ जाएगा, जो वर्षों पहले टाटा संस के वर्तमान संभावित मूल्यांकन की तुलना में कम मूल्यांकन पर किया गया था। टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाटा केमिकल्स और टाटा पावर जैसी सूचीबद्ध समूह कंपनियां टाटा संस में शेयरधारकों का तीसरा सबसे बड़ा समूह हैं। ये टाटा ट्रस्ट्स और शापूरजी पलोनजी समूह के बाद आती हैं। इसके अलावा ट्रेंट के पास इस साल मार्च के अंत में टाटा संस में लगभग 1,000 प्रति शेयर के सममूल्य वाले संचयी तरजीही शेयर हैं, जिनकी कीमत लगभग 15 करोड़ रुपये है। समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों की टाटा संस में कुल मिलाकर लगभग 12.1 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा संस में सूचीबद्ध कंपनियों की हिस्सेदारी उनका ऐसा बड़ा बिना वसूला लाभ है, जिसे टाटा संस के सूचीबद्ध होने पर 'उचित' बाजार मूल्यांकन मिलेगा। सात टाटा ट्रस्टों को संयुक्त रूप से प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उनके पास टाटा संस की 65.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट क्रमशः 27.98 प्रतिशत और 23.56 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ टाटा संस के दो सबसे बड़े शेयरधारक हैं। दूसरी ओर, शापूरजी पलोनजी समूह अपनी दो निवेश फर्मों - स्टर्लिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड और साइरस इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी का मालिक है।

भारत में 1.33 लाख करोड़ निवेश करेगी गूगल

-पहला एआई हब आंध्र प्रदेश में बनाएगी

नई दिल्ली गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। इस बातचीत के दौरान पिचाई ने पीएम मोदी को बताया कि उनकी कंपनी अगले पांच साल में भारत में 15 बिलियन डॉलर यानी लगभग 1.33 लाख करोड़ रुपए निवेश करेगी। इस बात की जानकारी पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर दी। पिचाई ने पीएम मोदी से बातचीत में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में गूगल के पहले एआई हब का प्लान भी शेयर किया। गूगल ने विशाखापट्टनम में एक बड़ा डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस शुरू करने का ऐलान किया है, जो अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा एआई हब होगा। देशभर में विकास को गति देंगे पिचाई ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह हब गीगावाट-स्केल की कंप्यूटिंग कैपेसिटी, एक नए इंटरनेशनल सबमरीन केबल गेटवे और लार्ज स्केल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके जरिए हम भारत में एंटरप्राइजेज और यूजर्स के लिए अपनी एडवांस टेक्नोलॉजी लाएंगे, एआई इनोवेशन को बढ़ावा देंगे और देशभर में विकास को गति देंगे।

लोगों को मिली खुशखबरी!घटी महंगाई, अमेरिका से ट्रेड डील में हुई प्रगति

आईएमएफ बोले- भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा

नई दिल्ली बीते दो दिनों में महंगाई में कमी से लेकर विदेशों में भारत की तारीफ की खबरों ने दिल को सुकून दिया। इससे भारत सरकार और देशवासियों को भी बहुत फायदा होगा। जानकारी के मुताबिक सितंबर महीने के आंकड़े बताते हैं कि खुदरा महंगाई, यानी सीपीआई, जो आम आदमी की जेब पर असर डालती है, वह गिरकर 1.54फीसदी पर आ गई है। ये जून 2017 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इसका मतलब है कि खाने-पीने की चीजें, जैसे सब्जियां और अनाज, अब सस्ते हो रहे हैं। अगस्त में ये 2.07फीसदी थी, जो थोड़ा ज्यादा थी। अब बाजार में सामान सस्ता मिलेगा, तो घर चलाना आसान होगा. किसानों को भी खेती की लागत कम करने में मदद मिलेगी/। इसके अलावा थोक महंगाई जो बड़े व्यापारियों और फैक्टरियों के लिए मायने रखती है, वह भी सितंबर में घटकर 0.13फीसदी हो गई। अगस्त में ये 0.52फीसदी थी। सरकार ने बताया कि खाने का सामान, फैक्ट्री के प्रोडक्ट और अन्य चीजों के दाम कम होने से ये राहत मिली है। थोक में सामान सस्ता होने से दुकानों में भी कीमतें कम होंगी, जो अच्छी बात है। वहीं बात भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों की है। दोनों देशों के बीच जो ट्रेड डील रुकी हुई थी, अब उसमें प्रगति दिख रही है। हाल ही में अमेरिकी टीम दिल्ली आई थी, और अब भारतीय दल इसी हफ्ते अमेरिका जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत सही रास्ते पर है और रुके हुए मुद्दे सुलझ सकते हैं। अगर ये डील हो गई, तो भारत का निर्यात बढ़ेगा, नौकरियां आएंगी और हमारी अर्थव्यवस्था को नया जोश मिलेगा। अमेरिका जैसे बड़े देश के साथ डील हमारे लिए मौका है। सबसे गर्व वाली खबर आईएमएफ से आई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा है। आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की बैठक से पहले उन्होंने बताया कि भारत की आर्थिक नीतियों ने सबको गलत साबित किया, जो इसकी प्रगति पर शक करते थे। भारत की रफ्तार देखकर दुनिया हैरान है।

सोने,चांदी की कीमतों मे आया अछाल

नई दिल्ली दिवाली करीब आते ही सोना-चांदी की कीमतें आकाश छू रही हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,26,697 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 1,60,131 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गयी है। वहीं गत दिवस दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 2,850 रुपए बढ़कर पहली बार 1.3 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच गयीं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,850 रुपए बढ़कर 1,30,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछली सत्र में यह 1,27,950 रुपए पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,850 रुपए बढ़कर 1,30,200 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,27,350 रुपए प्रति 10 ग्राम था। चांदी भी 6,000 रुपए के उछाल के साथ 1,85,000 रुपए प्रति किलोग्राम सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो लगातार पांचवें दिन की बढ़त है। पिछले बाजार सत्र में यह 1,79,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं माना जा रहा है कि सर्राफा कीमतों में तेजी का कारण त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम से पहले मांग बढ़ना है। डॉलर के मुकाबले रुपए में आई कमजोरी भी इसका एक कारण है। ये 12 पैसे गिरकर 88.80 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया पर फिर भी ऊपर बना रहा। वहीं दिन में पहले 4,179.71 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद, यह 0.72 फीसदी बढ़कर 4,140.34 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद सहारा समूह 88 संपत्तियां अडानी प्रॉपर्टीज को बेचेगा!

नई दिल्ली सहारा समूह की कंपनी सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन अपनी 88 संपत्तियां अडानी प्रॉपर्टीज को बेचने की तैयारी में है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सहारा और अडाणी समूह के बीच इस सौदे पर टर्म शीट पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। यह दस्तावेज कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में सौंपा है। सिब्बल ने कहा कि डील सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद ही आगे बढ़ेगी और इससे मिलने वाली रकम सहारा के बकायों से कहीं ज्यादा होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा करीब एक लाख करोड़ का हो सकता है। यह रकम सहारा समूह पर निवेशकों के बकाए से कई गुना ज्यादा बताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में आदेश दिया था कि सहारा अपनी दो कंपनियों- सहारा हाउसिंग और सहारा रियल एस्टेट के जरिए जुटाई गई रकम को सेबी-सहारा खाते में जमा करे। यह राशि करीब 25,000 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब तक समूह को करीब 9,481 करोड़ रुपए और जमा करने हैं। इस सौदे से सहारा को बकाया चुकाने और निवेशकों का पैसा लौटाने में बड़ी राहत मिल सकती है। अडाणी समूह की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि समूह इन सभी 88 संपत्तियों को एकमुश्त खरीदने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि सौदे की सटीक रकम की जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन डील सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद ही आगे बढ़ेगी। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सेबी-सहारा खाते से निवेशकों के पैसे की वापसी की प्रक्रिया पहले से चल रही है, इसलिए यह डील सरकार की जांच के बाद ही आगे बढ़नी चाहिए।

हरे निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

सेंसेक्स 575 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के पार

नई दिल्ली

एशियाई और यूरोपीय बाजारों में तेजी के बीच बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में लिवाली से बुधवार को भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा इस महीने के अंत में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच यह तेजी आई। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 575.45 अंक या 0.70 प्रतिशत उछलकर 82,605.43 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान यह 697.04 अंक या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 82,727.02 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 178.05 अंक या 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,323.55 पर आ गया।

रुपये में आई 75 पैसे की तेजी डॉलर के मुकाबले 75 पैसे की तेजी के साथ 88.06 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो कि लगभग चार महीनों में इसकी सबसे बड़ी इंट्राडे बढ़त है। ऐसा आरबीआई के संभावित हस्तक्षेप और घरेलू बाजारों में तेजी के कारण हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर आशावाद के कारण घरेलू बाजार में लगभग 0.70 प्रतिशत की तेजी आई।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व सबसे ज्यादा लाभ में रहीं। एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल और अदानी पोर्ट्स भी लाभ में रहीं। वहीं, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग तेजी के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में सकारात्मक रुख रहा।

मंगलवार को अमेरिकी बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि दो दिनों की बिकवाली के बाद राष्ट्रीय बाजार में थोड़ी तेजी आई, फेड अध्यक्ष द्वारा ब्याज दरों पर नरम रुख अपनाने तथा मात्रात्मक सख्ती समाप्त करने पर विचार करने से वैश्विक बाजार में धारणा मजबूत हुई।

रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्ती "चीन बनाम दुनिया" की लड़ाई बना

चीन ने सप्लाई चेन पर किया सीधा हमला, ट्रंप ने दी टैरिफ दोगुना करने की चेतावनी

वॉशिंगटन

अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव फिर बढ़ गया है। इसकी वजह चीन का रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्त नियम लागू करना। इन मिनरल्स के बिना इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर एयरक्राफ्ट तक का उत्पादन करना मुश्किल है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने चीन के इस कदम को नुकसाने वाली कार्रवाई बताया है और कहा कि यह अब चीन बनाम बाकी दुनिया की लड़ाई बन गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने 9 अक्टूबर को नए नियम लागू किए हैं, जिनके तहत कोई भी कंपनी चाहे वह चीनी हो या विदेशी यदि उसके उत्पाद में 0.1 फीसदी से ज्यादा रेयर अर्थ मैटेरियल है, तो वह सरकार की अनुमति के बिना निर्यात नहीं करेगी। सैन्य इस्तेमाल के लिए इन खनिजों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। चीन इस समय वैश्विक स्तर पर इन खनिजों के 70 फीसदी खनन और 90 फीसदी प्रोसेसिंग करता है। बेसेन्ट ने कहा कि ये खनिज छोटे मात्रा में इस्तेमाल होते हैं, लेकिन इनके बिना उत्पादन असंभव है। उन्होंने कहा कि चीन ने सप्लाई चेन पर सीधा हमला किया है, जिसे अमेरिका स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत, यूरोप और एशिया के लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर इसका जवाब देगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीनी सामानों पर टैरिफ दोगुना करने की धमकी दी है, जो नवंबर से 130 फीसदी तक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि चीन की नीतियां बेहद आक्रामक हैं और अमेरिका अपने उद्योगों की रक्षा करेगा। हालांकि बाद में ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा- सब ठीक होगा। शी जिनपिंग और मैं दोनों अपने देशों के लिए स्थिरता चाहते हैं। बेसेन्ट ने कहा कि चीन की यह रणनीति उसकी आर्थिक कमजोरी को दर्शाती है। हालांकि उम्मीद है कि जल्द चर्चाओं से तनाव कम होगा।

इलेक्ट्रिक एसयूवी आयोनिक 5 की बिक्री में लगातार गिरावट

नई दिल्ली कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया की प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी आयोनिक 5 की बिक्री लगातार गिरावट पर है। इस गिरावट के पीछे क्रेटा इलेक्ट्रिक की मजबूत डिमांड है, जिसने आयोनिक 5 की मार्केट पॉपुलैरिटी पर सीधा असर डाला है। सितंबर 2025 में इस एसयूवी की केवल 6 यूनिट बिकीं, जो इस साल की सबसे कमजोर मासिक बिक्री रही। बिक्री आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से सितंबर 2025 के बीच आयोनिक 5 की कुल 135 यूनिट ही बिकी हैं। जनवरी और फरवरी में 16-16 यूनिट, मार्च में 19, अप्रैल में 16, मई में 11, जून में 12, जुलाई में 25, अगस्त में 14 और सितंबर में सिर्फ 6 यूनिट बिकीं। यह आंकड़े साल की दूसरी छमाही में मांग में तेज गिरावट को दिखाते हैं। कई डीलर अब स्टॉक क्लियर करने के लिए 5 लाख से 7 लाख रुपये तक का डिस्काउंट दे रहे हैं। आयोनिक 5 की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 45.95 लाख है और यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में आती है। इसमें 12.3-इंच की दो डिजिटल स्क्रीन, 6 एयरबैग्स, लेवल-2 एडीएएस और 21 एडवांस सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। इंटीरियर में ईको-फ्रेंडली मटेरियल और रीसायक्ल्ड प्लास्टिक का इस्तेमाल किया गया है। परफॉर्मेंस के लिहाज से 72.6 केडब्ल्यूएच बैटरी, 631 किलोमीटर की रेंज और 217 एचपी इलेक्ट्रिक मोटर इसे आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल एसयूवी बनाती है।

इस्राइल-हमास युद्धविरामः आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे।

गाजा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर है। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाजा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की 'कूटनीति की जीत' से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाजा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागजों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाजा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाजा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

संपादकीय

भारत की प्रतिबद्धता

आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर जी-20 मंत्रिस्तरीय बैठक के पहले दिन, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्र ने दो उच्च-स्तरीय कार्यक्रमों - 'एकजुटता और अनुकूलनः पूर्व-चेतावनी प्रणालियों के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और एकजुटता में डीआरआर का विस्तार' और 'डीआरआर निवेश को बढ़ाने के लिए तकनीकी नवाचार और राजनीतिक नेतृत्व का सेतु निर्माण' में भारत का प्रतिनिधित्व किया। एकजुटता और अनुकूलन सत्र में, डॉ. मिश्र ने इस बात पर जोर दिया कि पूर्व-चेतावनी प्रणालियां तकनीकी विलासिता नहीं, बल्कि अनुकूलन को लेकर रणनीतिक निवेश हैं। उन्होंने भारत की बहु-एजेंसी संरचना के बारे में चर्चा की, जिसमें मौसम विज्ञान, जल विज्ञान, भूकंप विज्ञान और समुद्र विज्ञान संस्थानों को एक सामान्य चेतावनी प्रोटोकॉल-अनुपालक एकीकृत चेतावनी प्रणाली के माध्यम से एकीकृत किया गया है, जो पहले ही 109 बिलियन से अधिक अलर्ट जारी कर चुकी है। उन्होंने जी-20 से वैश्विक 'सभी के लिए पूर्व-चेतावनी' प्रणाली के अंतर्गत अंतर-संचालनीय क्षेत्रीय प्लेटफार्मों, साझा डेटा प्रोटोकॉल और संयुक्त क्षमता निर्माण संबंधी पहलों को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत पूर्व-चेतावनी को एक समावेशी, बहुभाषी और पूर्वानुमानयोग्य वैश्विक सार्वजनिक हित के रूप में देखता है। डीआरआर के वित्तपोषण पर आयोजित कार्यक्रम में, डॉ. मिश्र ने जी20 स्वैच्छिक उच्च-स्तरीय सिद्धांतों के सिद्धांत 2 और 4 के अनुरूप भारत की पांच-स्तंभ वित्तपोषण रणनीति का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने वित्त आयोग के तहत भारत के संवैधानिक मॉडल का वर्णन किया, जिसने बहु-वर्षीय, नियम-आधारित डीआरआर आवंटन, राज्यों और स्थानीय निकायों को विकेन्द्रीकृत वित्तपोषण और राष्ट्रीय आपदा जोखिम सूचकांक के माध्यम से साक्ष्य-आधारित प्राथमिकता सुनिश्चित की। राहत-केंद्रित से जोखिम तत्काल सूचना के प्रतिमान की ओर भारत के बदलाव पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने नवीन स्थानीय-स्तरीय प्रणालियों, समर्पित शमन निधियों, आपदा-विशिष्ट कार्यक्रमों और आपदा मित्र स्वयंसेवकों के माध्यम से समुदाय-आधारित तैयारियों का प्रदर्शन किया, जो अनुकूलन को सीधे सार्वजनिक वित्त और शासन में समाहित करते हैं।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भर्तृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगुर्णियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठित और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोभूमि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगी हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

देशद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट सख्तः लोकतंत्र की जड़ों की रक्षा की दिशा में बड़ा कदम

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून पर जो सख्त रुख अपनाया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 124ए यानी राजद्रोह कानून से संबंधित याचिकाओं को पाँच जजों की संविधान पीठ को भेजने का जो निर्णय लिया है, वह केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा है। राजद्रोह कानून की उत्पत्ति औपनिवेशिक शासन में हुई थी। अंग्रेजों ने 1870 में इसे इसलिए बनाया था ताकि भारत में स्वतंत्रता की आवाज उठाने वाले क्रांतिकारियों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों को कुचल सकें। इस कानून के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बाल गंगाधर तिलक जैसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी अभियुक्त बनाए गए थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में उम्मीद जागी थी कि इस काले कानून को समाप्त कर दिया जाएगा, लेकिन अफसोस कि यह आज तक जीवित है, और कई बार तो यह उस रूप में भी नजर आया, जो लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है। आजादी के बाद से ही यह कानून सरकारों के हाथों में एक ऐसा औजार बन गया, जिसका इस्तेमाल विरोधी विचारों को कुचलने में हुआ। चाहे पत्रकार हों, मानवाधिकार कार्यकर्ता या आम नागरिक हों, किसी भी असहमतिपूर्ण आवाज को 'राष्ट्रविरोधी' कहकर निशाना बनाया जा सकता था। इसी मनमाने इस्तेमाल पर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई थी। अदालत ने केंद्र सरकार से पूछा था कि जब यह कानून औपनिवेशिक मानसिकता का प्रतीक है, तो इसे क्यों बनाए रखा जाए। लेकिन सरकार ने अब 'भारतीय न्याय संहिता' (बीएनएस) के जरिए उसी कानून को नए नाम और थोड़े बदले हुए शब्दों में फिर से पेश कर दिया। अब इसे भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाला अपराध कहा गया है। हालांकि 'राजद्रोह' शब्द हटा दिया गया, लेकिन इसकी भावना लगभग वैसी ही बनी हुई है। यानी जो व्यक्ति सत्ता की आलोचना करे या सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, उसे अब भी आसानी से देशविरोधी करार दिया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने अदालत में कहा, कि कानून का दुरुपयोग ऐसा है जैसे किसी को एक लकड़ी काटने की अनुमति देना, और वह धीरे-धीरे पूरा जंगल काट दे। यह टिप्पणी बेहद प्रतीकात्मक है, यह दिखाती है कि यदि नागरिकों की आवाज पर नियंत्रण रखने की कानूनी छूट दी जाए, तो धीरे-धीरे लोकतंत्र का पूरा ढांचा खोखला हो जाता है। अदालत ने यह भी साफ किया कि नए कानून आने से पुराने मामलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा; यानी उन मामलों में न्यायिक जांच जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट की यह सख्ती न केवल संविधान के अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) की रक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि यह एक चेतावनी भी है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने से जीवित रहता है। लोकतांत्रिक समाज में असहमति को अपराध नहीं, बल्कि सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए। यह फैसला मोदी सरकार ही नहीं, बल्कि आने वाली सभी सरकारों के लिए भी एक संदेश है, कि नागरिकों की आवाज को कुचलने वाले औपनिवेशिक कानूनों की समीक्षा अब टाली नहीं जा सकती। संसद को चाहिए कि वह इस दिशा में गंभीरता से विचार करे और ऐसा ढांचा बनाए जिसमें देश की अखंडता की रक्षा हो, लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कोई खतरा न आए। राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट का यह रुख लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह केवल एक कानूनी बहस नहीं, बल्कि उस संघर्ष का हिस्सा है जिसमें नागरिक अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खड़े हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता, कानून और न्यायपालिका, तीनों यह समझें कि असहमति को दबाने से राष्ट्र मजबूत नहीं होता, बल्कि कमजोर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह दिखा दिया है कि संविधान की मूल भावना 'हम भारत के लोग' आज भी सर्वोपरि है। देशद्रोह कानून पर पुनर्विचार केवल एक कानूनी सुधार नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के भविष्य को सुरक्षित करने की ऐतिहासिक पहल है। यही वह क्षण है जब न्यायपालिका ने साबित किया है कि वह न केवल कानून की व्याख्या करती है, बल्कि स्वतंत्रता और न्याय की मशाल भी जलाए रखती है।

जब अनाज के ढेर में छुप जाए इंसान की भूख

दिलीप कुमार पाठक

विश्व खाद्य दिवस प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाते दशकों हो चुके हैं, परंतु दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या में कमी नहीं आई है। यह संख्या आज भी तेजी से बढ़ती जा रही है। विश्व में आज भी कई लोग ऐसे हैं, जो भुखमरी से जूझ रहे हैं। इस मामले में विकासशील या विकसित देशों में किसी तरह का कोई फर्क नहीं है। विश्व की आबादी वर्ष 2050 तक नौ अरब होने का अनुमान लगाया जा रहा है और इसमें करीब 80 फीसदी लोग विकासशील देशों में रहेंगे। ऐसे में किस तरह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, यह एक बड़ा प्रश्न है। दुनिया में एक तरफ तो ऐसे लोग हैं, जिनके घर में खाना खूब बर्बाद होता है और फेंक दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जिन्हें एक समय का भोजन भी नहीं मिल पाता। खाद्यान्न की इसी समस्या को देखते हुए 16 अक्टूबर को हर साल विश्व खाद्य दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। विश्व खाद्य दिवस का मकसद दुनिया से भुखमरी खत्म करना है। आज भी करोड़ों लोग भूखे पेट सोने को मजबूर हैं ' हमें आधुनिक तरीके से खेती करनी होगी ताकि ज्यादा अनाज पैदा हो। इस दिन का उद्देश्य विकासशील देशों में तकनीकी और वित्तीय मदद बढ़ाना है ताकि वे ज्यादा अनाज उगा सकें।अफ्रीका के कई देशों में यह समस्या बहुत गंभीर है, जैसे रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया और सोमालिया। हमें इन देशों की मदद करनी होगी ताकि वे अपने लोगों को खाना दे सकें। भूख और कुपोषण मुक्त दुनिया के सपने को साकार करने में हम सभी की भूमिका है। हमें संकट के समय में स्थायी आदतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए। हम स्वस्थ भोजन के विकल्प चुन सकते हैं और भोजन की बर्बादी को कम करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, सरकारें, उद्यम और संगठन एवं अपनी समझ को साझा कर सकते हैं और स्थायी, लचीली खाद्य प्रणालियों और आजीविकाओं का समर्थन कर सकते हैं। हम सब मिलकर अपने विश्व का विकास, पोषण और स्थायित्व कर सकते हैं। कुछ जगहों पर, खाद्य असुरक्षा की गंभीरता बहुत ज्यादा है। अनुमान है कि 67.3 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे हैं। दूसरी तरफ, मोटापे का बढ़ता स्तर और व्यापक खाद्य अपव्यय एक असंतुलित व्यवस्था की ओर इशारा करते हैं ' बढ़ती वैश्विक जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीमाओं, क्षेत्रों और पीढ़ियों के पार टीमवर्क की आवश्यकता है। भारत में भी खाद्यान्न की कमी नहीं है, लेकिन फिर भी लोगों को खाने के लिए पर्याप्त अनाज नहीं मिलता। इसकी वजह है खराब सार्वजनिक वितरण प्रणाली और भंडारण की समस्या। लाखों टन अनाज खुले में सड़ जाता है, जबकि करोड़ों लोग भूखे पेट सोते हैं। बच्चों में कुपोषण की समस्या भी गंभीर है। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है ताकि अनाज की बर्बादी रोकी जा सके और लोगों को उचित मात्रा में भोजन मिल सके।

भारत में शादी-विवाह जैसे समारोहों में बहुत सारा खाना बर्बाद होता है। एक शोध के अनुसार बेंगलुरु में शादियों में लगभग 950 टन खाना फेंका गया। समस्या सिर्फ खाने की बर्बादी नहीं है, बल्कि जरूरत से ज्यादा कैलोरी वाला खाना भी एक समस्या है। भारत में कुपोषण की समस्या गंभीर है, जबकि अनाज की बर्बादी हो रही है। विश्व खाद्य उत्पादन रिपोर्ट के अनुसार भारत में भुखमरी की समस्या से निपटने की गति धीमी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सभी लोगों के लिए पर्याप्त अनाज है, लेकिन फिर भी कई लोग भूखे हैं और कुपोषण से जूझ रहे हैं। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है। क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ा कर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हाँ हो, लेकिन भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इस ना की वजह है, खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूं तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि यहाँ प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 58,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है। कुल उत्पादित खाद्य पदार्थों में केवल दो प्रतिशत ही संसाधित किया जा रहा है। भारत में लाखों टन अनाज खुले में सड़ रहा है। यह सब ऐसे समय हो रहा है, जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और छह साल से छोटे बच्चों में से 47 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं। भूख की वैश्विक समस्या को तभी हल किया जा सकता है, जब उत्पादन बढ़ाया जाए। साथ ही उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर भी समान रूप से नजर रखी जाए। खाद्यान्न सुरक्षा तभी संभव है, जब सभी लोगों को हर समय, पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान्न मिले, जो उनकी आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सके। साथ ही कुपोषण का रिश्ता गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, आदि से भी है। इसलिए कई मोर्चों पर एक साथ मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

'बंदर' की आलोचनाओं पर अनुराग ने तोड़ी चुप्पी

अपनी पिछली रिलीज फिल्म 'निशानची' को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले अनुराग कश्यप अब अपनी आगामी फिल्म 'बंदर' को लेकर चर्चाओं में हैं। बॉबी देओल स्टारर इस फिल्म का हाल ही में टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रीमियर हुआ था। वहां प्रीमियर होने के बाद फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे काफी उत्तेजक और भड़काऊ फिल्म बता रहे हैं। जबकि कई लोग इसे मीटू मूवमेंट से जोड़कर मीटू विरोधी बता रहे हैं। अब इन आलोचनाओं के बीच निर्देशक अनुराग कश्यप ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और प्रतिक्रिया दी है।

मीटू से फिल्म का कोई लेना-देना नहीं

स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर हो रही आलोचनाओं पर रिएक्शन देते हुए कहा कि इसका मीटू से कोई लेना-देना नहीं है। निर्देशक ने कहा कि जब कोई फिल्म झूठे बलात्कार के आरोप के बारे में होती है, तो ऐसी बातें होती हैं। लेकिन 'मीटू' ताकत के बारे में है, किसी व्यक्ति द्वारा ताकत के पद का इस्तेमाल करके कुछ करने के बारे में। इस फिल्म का उस तरह के पावरप्ले या उस तरह के पहलू से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए इस फिल्म का मीटू अभियान से कोई लेना-देना नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं रही 'निशानची'

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'निशानची' पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स ने सराहा था। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। वहीं बॉबी देओल आखिरी बार आर्यन खान के शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। अब बॉबी यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगे।

हर कोई जवान दिखने की कोशिश कर रहा है, आपको भी करनी चाहिए

बॉलीवुड में अभिनेताओं की बढ़ती उम्र हमेशा से बहस का विषय रही है। पुरुष अभिनेता फिल्मों में अपने से काफी छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते रहते हैं। ऐसे में क्या महिला अभिनेत्रियों को अपनी उम्र बढ़ने से रोकने का दबाव महसूस होता है? इस पर चित्रांगदा सिंह ने अपनी बात रखी है।

किरदार निभाना आना चाहिए

क्या महिला कलाकारों से वाकई जवान दिखने की उम्मीद की जाती है, इस बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा यह सबके लिए है। अगर आप 70 साल की महिला का किरदार निभा रही हैं, तो आपको वैसा ही दिखना चाहिए। अगर आप 30 साल की उम्र की भूमिका निभाना चाहती हैं, तो आपको उसे निभाना आना चाहिए।

अक्षय कुमार फिटनेस पर ध्यान देते हैं

चित्रांगदा सिंह का कहना है कि निर्माताओं का ऐसा सोचना जायज है। पुरुष अभिनेताओं के लिए भी यही बात लागू होती है। अक्की (अक्षय कुमार) अपनी फिटनेस पर ध्यान देते हैं, अपने खान-पान पर ध्यान देते हैं। बेशक, जब किसी पुरुष अभिनेता का किरदार लिखा जाता है, तो महिला किरदार के बजाय ज्यादा लचीलापन होता है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई पक्षपात है। वे फिल्म को आगे बढ़ाते हैं।

करीना और विद्या अच्छा कर रही हैं

चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा समय बहुत बदल गया है। करीना कपूर कमाल का काम कर रही हैं। विद्या (बालन) बहुत काम कर रही हैं। ये सभी कलाकार अभी भी स्क्रीन पर अपनी अच्छी उपस्थिति बनाए हुए हैं। जहां तक एक खास तरह का दिखने के दबाव की बात है, निकोल किडमैन, डेमी मूर को ही देख लीजिए, हर कोई (जवान दिखने की) कोशिश कर रहा है, आपको भी यह कोशिश करनी होगी। बेशक कलाकारों को हर चीज में दबाव का सामना करना पड़ता है।

चित्रांगदा सिंह का वर्कफ्रंट

चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म बैटल ऑफ गलवान में नजर आने वाली हैं। सलमान खान इसमें आर्मी अफसर की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म अगले साल की शुरुआत में रिलीज हो सकती है।

अब दिल्ली की सत्ता में भूकंप लाएगी हुमा कुरैशी

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर आने वाली बहुचर्चित सीरीज 'महारानी' के चौथे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। निर्माताओं ने इसके चौथे सीजन की घोषणा कुछ समय पहले की थी। अब इसका ट्रेलर आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बार कहानी बिहार की सीमाओं को पार कर सीधे दिल्ली की सियासत में दस्तक दे रही है। सीरीज की नायिका हुमा कुरैशी, यानी रानी भारती, अब बिहार की नहीं बल्कि देश की राजनीति को हिला देने की तैयारी में है। ट्रेलर में रानी कहती हैं- अगर आपने हमारे दुश्मन से हाथ मिलाया तो सिंहासन खींच लेंगे आपका।

मेकर्स ने जारी किया ट्रेलर

ट्रेलर जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा- शेरनी लौटी है अपने घर की रक्षा करने! रानी तैयार है अपनी अब तक की सबसे बड़ी जंग के लिए। महारानी की स्ट्रीमिंग शुरू होगी 7 नवंबर से।

सीरीज की स्टारकास्ट

निर्देशक सुभाष कपूर ने इस बार भी सीरीज को अपने खास व्यंग्य और तीखे संवादों से भर दिया है। सीरीज में हुमा कुरैशी के साथ अमित सियाल, कनी कुसरुती, विपिन शर्मा, विनीत कुमार और प्रमोद पाठक जैसे अनुभवी कलाकार दिखाई देंगे। इन सभी ने अपने-अपने किरदारों से कहानी को और भी मजबूत बनाया है। खासतौर पर अमित सियाल का राजनीतिक प्रतिद्वंदी के रूप में अभिनय सीरीज की रीढ़ साबित हो रहा है।

इस सीजन की कहानी

पिछले सीजन तक रानी भारती बिहार की मुख्यमंत्री बन चुकी थीं, लेकिन अब कहानी वहां से आगे बढ़ती है। दिल्ली की सत्ता में एंट्री के साथ सीरीज और भी अधिक रोमांचक हो गई है। ट्रेलर में संसद की झलक, सत्ता के सौदे और राजनीतिक गठजोड़ों का खेल साफ तौर पर नजर आ रहा है।

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग की पूरी

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की आने वाली फिल्म काफी चर्चा में है। सेट से झलकियां और लीक हुई तस्वीरें सामने आने के बाद से ही यह प्रोजेक्ट सुर्खियों में है। ऐसे में जब इस तिकड़ी को साथ में शूटिंग करते देखा गया, उसके बाद फैन्स के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई यह जानने के लिए कि आखिर यह टीम किस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। अब सूत्र के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। टीम ने हाल ही में आखिरी शेड्यूल खत्म किया है, जिससे इस साल के सबसे बड़े और रोमांचक प्रोजेक्ट्स में से एक की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, शूटिंग आराम से पूरी हो गई है और मेकर्स जल्द ही कुछ बड़ा करने की सोच रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी खबर अगले हफ्ते आ सकती है। रणवीर और श्रीलीला की जोड़ी बहुत अच्छी लगी है, जो नई, जोश से भरी हुई और दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। फिलहाल फिल्म से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन फैंस का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आने वाले दिनों में एक बड़ी घोषणा होने की उम्मीद है।

बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। फिलहाल राजकुमार राव को लेकर ऐसी अटकलें हैं कि वे तेलुगु फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इंडस्ट्री में चर्चा है कि राजकुमार राव तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी संस्करण में अभिनय कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई एलान नहीं किया गया है। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि मुख्य भूमिका निभाने के लिए उनके नाम पर चर्चा चल रही है। 123 तेलुगु के अनुसार, राजकुमार राव बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि इस सुपरनैचुरल फिल्म में वह किस तरह की भूमिका निभाएंगे।

मेरा पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित

कार्तिक आर्यन, भारतीय सिनेमा के सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद सितारों में से एक हैं और हाल ही में उन्होंने अब आधिकारिक रूप से फिल्मफ़ेयर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है! सुपरस्टार ने कबीर खान निर्देशित फ़िल्म चंदू चैंपियन में अपने दमदार और रूपांतरकारी प्रदर्शन के लिए अपना पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। यह पल किसी जादू से कम नहीं था, लेकिन सच पूछिए तो उनके लिए यह सालों की मेहनत, अनुशासन और अटूट विश्वास का परिणाम था। चंदू चैंपियन में कार्तिक ने सिर्फ़ एक किरदार नहीं निभाया, बल्कि भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी को जिया और उनकी हर शारीरिक और भावनात्मक सीमा को पार करते हुए इस किरदार को सच्चाई के साथ पर्दे पर उतारा। सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कार्तिक ने लिखा, चैंपियन गिरता है, पर रुकता नहीं। कुछ पल सपने जैसे लगते हैं, और यह उनमें से एक था। मेरा पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड चंदू चैंपियन के लिए। टीवी पर सिर्फ़ 'ब्लैक लेडी' को देखा करता था, और आज उसे हाथों में थामना_ यह उन सब सपने देखने वालों के लिए है जो कभी हार नहीं मानते।

कार्तिक ने अपने निर्देशक कबीर खान के प्रति भी गहरी कृतज्ञता जताई, उन्हें सच्चाई, भावना और ताकत से भरे फ़िल्ममेकर बताते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ़ निर्देशन नहीं किया, बल्कि उन्हें एक कलाकार के रूप में बदल दिया। उन्होंने निर्माताओं साजिद नाडियाडवाला और वर्धा खान नाडियाडवाला को भी उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही सुदीप चटर्जी को हर फ्रेम में भावना भरने के लिए और प्रीतम को फ़िल्म में आत्मिक संगीत देने के लिए शुक्रिया कहा। सबसे भावुक पल तब आया जब कार्तिक ने यह अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित किया, जिनकी प्रेरणादायक यात्रा आज भी लाखों लोगों को आगे बढ़ने की ताकत देती है। चंदू चैंपियन में कार्तिक ने एक ऐसा रूप दिखाया, जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा था और यह रूप था कोमल लेकिन जज़्बे से भरा, भावनात्मक लेकिन अडिग।

इस फ़िल्म ने उनके करियर में एक मील का पत्थर जोड़ा और यह साबित किया कि वे न केवल एक स्टार हैं, बल्कि एक ऐसे कलाकार हैं जो दर्शकों के दिलों तक पहुँचना जानते हैं। जब कार्तिक ने हाथों में प्रतिष्ठित 'ब्लैक लेडी' थामी, वह सिर्फ़ एक ट्रॉफ़ी नहीं थी, बल्कि मेहनत, जुनून और पूरे हुए सपनों का प्रतीक थी। इस ऐतिहासिक जीत के साथ, कार्तिक आर्यन ने यह साबित कर दिया है कि वे अपनी पीढ़ी के सबसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। साथ ही वे उन तमाम सपने देखने वालों के लिए प्रेरणा हैं, जो असंभव को संभव करने का हौसला रखते हैं। फिलहाल वे जल्द ही करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली रोमांटिक कॉमेडी तू मेरा मैं तेरी, मैं तेरा तू मेरी में नज़र आएंगे। इसके अलावा, उनकी आनेवाली फिल्मों में अनुराग बसु की एक अनटाइटल्ड लव स्टोरी और बहुप्रतीक्षित फिल्म नागज़िला भी शामिल है।

कप्तान शुभमन सहित भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई, विराट और रोहित भी थे टीम के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई। इसमें नये एकदिवसीय कप्तान शुभमल गिल के अलावा अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई अन्य खिलाड़ी शामिल थे। भारत के ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से सीरीज शुरू होगी। इस दौरे पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के अलावा 5 मैच की टी20 सीरीज भी खेलेंगी। इस दौरे पर एकदिवसीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे जबकि टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास रहेगी। रोहित और विराट एकदिवसीय सीरीज से सात माह बाद मैदान में वापसी करेंगे।

रवाना होने वाले खिलाड़ियों में कप्तान शुभमन, रोहित, विराट, श्रेयस अय्यर, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा आदि थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से ही ये भारतीय टीम की पहली एकदिवसीय सीरीज होगी।

भारत की एकदिवसीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (वीसी), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल।

भारत की टी20 टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

एकदिवसीय सीरीज कार्यक्रम

पहला एकदिवसीय- 19 अक्टूबर; सुबह 9 बजे
दूसरा एकदिवसीय- 23 अक्टूबर; सुबह 9 बजे
तीसरा एकदिवसीय- 25 अक्टूबर; सुबह 9 बजे

टी20 कार्यक्रम

पहला टी20- 29 अक्टूबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
दूसरा टी20- 31 अक्टूबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
तीसरा टी20- 2 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
चौथा टी20- 6 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
पांचवा टी20- 8 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से

राशिद खान ने रचा इतिहास, बने दुनिया के नंबर 1 वनडे गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्टार लेग-स्पिनर राशिद खान ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। राशिद ने सीरीज में कुल 11 विकेट झटके, जिसमें एक पांच विकेट हॉल (फाइव-विकेट हॉल) भी शामिल था।

इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज, श्रीलंका के महेश थीक्षाना, इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर, भारत के कुलदीप यादव और नामीबिया के बर्नार्ड स्कोल्ट्ज को पछाड़कर शीर्ष स्थान अपने नाम किया।

राशिद खान का प्रदर्शन

अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान अबू धाबी में बांग्लादेश पर 3-0 की जीत के बाद वनडे में नंबर 1 गेंदबाज बन गए हैं। राशिद ने सीरीज में 6.09 की औसत और 2.73 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए।

अफगान खिलाड़ियों का दबदबा

राशिद के साथी अजमतुल्लाह ओमरजई ने भी सीरीज में 7 विकेट झटके और आईसीसी ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया। वहीं इब्राहिम जद्रान, जिन्होंने लगातार दो मैचों में 95-95 रन की शानदार पारियां खेलीं, वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

जद्रान को सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा, 'सेंचुरी से चूकना थोड़ा दुखद था, लेकिन मैं टीम के लिए 100% देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। राशिद और पूरी टीम ने इस जीत को खास बना दिया।'

भारत के लिए अच्छी खबर

वहीं भारतीय क्रिकेटरों की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला है। कुलदीप यादव सात स्थान की छलांग लगाकर आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में इंपेक्ट प्लेयर रहे सिराज

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम की टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत के बाद इंपेक्ट प्लेयर का अवार्ड तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मिला है। बीसीसीआई ने इस पदक समारोह का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। सिराज इस वीडियो में कह रहे हैं, 'यह सीरीज बहुत अच्छी रही क्योंकि हम अहमदाबाद में खेले थे, जहां तेज गेंदबाजों को काफी मदद मिली थी पर फिर हम दिल्ली आ गए, और हमें यहां काफी ओवर फेंकने पड़े। हर विकेट 5 विकेट जैसा लगा। एक तेज गेंदबाज के तौर पर, जब आपको अपनी मेहनत का फल मिलता है, तो आपको काफी अच्छा अनुभव होता है। आप ड्रेसिंग रूम के प्रभावशाली खिलाड़ी भी होते हैं, इसलिए ये सब बहुत अच्छा लगता है।

उन्होंने आगे कहा, जब आप कुछ हासिल करते हैं, तो आपको अपने बारे में बहुत अच्छा लगता है। मुझे अपने पर बहुत गर्व है। मैं इसी तरह अपना प्रदर्शन जारी रखूंगा, क्योंकि मेरा पसंदीदा प्रारूप टेस्ट क्रिकेट है। इसमें कई चुनौतियां होती हैं। आपको पूरे दिन शारीरिक और मानसिक रूप से मैदान पर टिके रहना होता है। मुझे योगदान देने में सक्षम होने पर बहुत गर्व है। सिराज अब ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेलते नजर आयेंगे।

महिला विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए भारत पर जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशाखापत्तनम में रविवार (12 अक्टूबर) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। गत चैंपियन टीम ने भारत के 330 रनों के लक्ष्य को एक ओवर और तीन विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। समय सीमा को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि भारत अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे था। यह जुर्माना एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के मिशेल परेरा ने लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के धारा 2.22 के अनुसार - जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है - खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड स्वीकार कर लिया, जिसका अर्थ है कि किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी। यह आरोप मैदानी अंपायर सु रेडफर्न और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर किम कॉटन और चौथे अंपायर जैकलीन विलियम्स द्वारा लगाया गया था।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में रुट, एकदिवसीय में शुभमन व टी20 में अभिषेक शीर्ष पर

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को तीनों प्रारूपों टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 के लिए खिलाड़ियों की रैंकिंग जारी की। इसमें टेस्ट बल्लेबाजी में इंग्लैंड के जो रुट शीर्ष पर हैं। वहीं एकदिवसीय बल्लेबाजी में भारत के शुभमन गिल जबकि टी20 में अभिषेक शर्मा शीर्ष पर है। गेंदबाजों में भारत के जसप्रीत बुमराह टेस्ट जबकि अफगानिस्तान के राशिद खान एकदिवसीय में नंबर एक पर हैं। भारत के ही वरुण चक्रवर्ती टी20 रैंकिंग में नंबर एक पर हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लंबी छलांग लगाकर जहां टेस्ट फॉर्मेट में पांचवें स्थान पर पहुंचे हैं, वहीं अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान आठ स्थान की छलांग लगाते हुए एकदिवसीय रूप में दूसरे नंबर के बल्लेबाज बने हैं। शीर्ष पर शुभमन हैं। टी20 में भारत के अभिषेक शर्मा तो गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं।

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग

1. जो रुट (इंग्लैंड), 2. हैरी ब्रूक (इंग्लैंड), 3. केन विलियमसन (न्यूजीलैंड), 4. स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया), 5. यशस्वी जायसवाल (भारत), 6. टेंबा बवुमा (दक्षिण अफ्रीका), 7. कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका), 8. ऋषभ पंत (भारत), 9. डेरिल मिचेल (न्यूजीलैंड), 10. बेन डकेट (इंग्लैंड)

एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग

1. शुभमन गिल (भारत), 2. इब्राहिम जादरान (अफगानिस्तान), 3. रोहित शर्मा (भारत), 4. बाबर आजम (पाकिस्तान), 5. विराट कोहली (भारत), 6. डेरिल मिचेल (भारत), 7. चरिथ असालंका (श्रीलंका), 8. हैरी टैक्टर (आयरलैंड), 9. श्रेयस अय्यर (भारत), 10. शाई होप (वेस्टइंडीज)

टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग

1. अभिषेक शर्मा (भारत), 2. फिल साल्ट (इंग्लैंड), 3. तिलक वर्मा (भारत), 4. जोस बटलर (इंग्लैंड), 5. पथुम निसांका (श्रीलंका), 6. ट्रेविस हेड (श्रीलंका), 7. टिम सिफर्ट (न्यूजीलैंड), 8. सूर्यकुमार यादव (भारत), 9. कुसल परेरा (श्रीलंका), 10. मिशेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया)

टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग

1. जसप्रीत बुमराह (भारत), 2. कगिसो रबाडा (दक्षिण अफ्रीका), 3. मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), 4. पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया), 5. जोश हेजलवुड (ऑस्ट्रेलिया), 6. नोमान अली (पाकिस्तान), 7. स्कॉट बोलैंड (ऑस्ट्रेलिया), 8. नाथन लियोन (ऑस्ट्रेलिया), 9. मार्को यानसेन (दक्षिण अफ्रीका), 10. मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया)

एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग

1. राशिद खान (अफगानिस्तान), 2. केशव महराज (दक्षिण अफ्रीका), 3. महिश तिक्षाणा (श्रीलंका), 4. जोफ्रा आर्चर (इंग्लैंड), 5. कुलदीप यादव (भारत), 6. बर्नार्ड स्कोल्ट्ज (नामीबिया), 7. मिचेल सेंटनर (न्यूजीलैंड), 8. आदिल रशिद (इंग्लैंड), 9. मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), 10. रवींद्र जडेजा (भारत)

टी20 गेंदबाजी रैंकिंग

1. वरुण चक्रवर्ती (भारत), 2. अकील हुसैन (वेस्टइंडीज), 3. राशिद खान (अफगानिस्तान), 4. एडम जांपा (ऑस्ट्रेलिया), 5. जैकब डफी (न्यूजीलैंड), 6. आदिल रशीद (इंग्लैंड), 7. वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका), 8. अबरार अहमद (पाकिस्तान), 9. नुवान तुषारा (श्रीलंका), 10. कुलदीप यादव (भारत)

नीतीश को लेकर अश्विन ने चयन समिति पर निशाना साधा

-बोले, गेंदबाजी नहीं करानी थी तो किसी और को रखते

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के मामले को लेकर चयन समिति पर निशाना साधा है। अश्विन ने कहा कि जब नीतीश से गेंदबाजी ही नहीं करानी तो उन्हें टीम में शामिल ही क्यों किया गया था। अश्विन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में नीतीश को अंतिम ग्यारह में रखे जाने के कारणों पर भी सवाल उठाये हैं। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा भी था कि इस ऑलराउंडर को इसलिए रखा गया जिससे कि उसे अभ्यास का अवसर मिले सके क्योंकि विदेशी पिचों पर भारत को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की जरूरत होती है। वहीं कोच गौतम गंभीर ने भी कहा कि नीतीश को टीम में रहने से अनुभव तो हो रहा है। दूसरी ओर अश्विन का कहना है कि जब उसे गेंदबाजी ही नहीं दी गयी तो अंतिम ग्यारह में रहने से किस प्रकार से अनुभव मिलेगा। गौरतलब है कि नीतीश ऑलराउंडर के तौर पर दोनों ही मैचों में रखे गये थे। पहले टेस्टम में उन्होंने केवल 4 ओवर गेंदबाजी की, जबकि दूसरे टेस्ट में एक ओवर भी नहीं फेंका था। इसी को लेकर अश्विन ने कहा कि जब रेड्डी से गेंदबाज करानी ही नहीं थी तो उनकी जगह पर किसी विशेषज्ञ बल्लेबाज को खिलाया जा सकता था। या फिर अक्षर पटेल जैसे स्थापित ऑलराउंडर को रखा जा सकता था। अश्विन ने कहा, अगर नीतीश रेड्डी की यही भूमिका है तब तो मुझे लगता है कि आप एक विशेषज्ञ बल्लेबाज या गेंदबाज को खेला सकते हैं। आप अक्षर पटेल को खिला सकते थे।

एशिया कप तनाव के बाद भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने मिलाया हाथ

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। मलेशिया के जोहोर बाहरू में सुल्तान ऑफ जोहोर कप में भारत और पाकिस्तान के बीच जूनियर हॉकी मैच मंगलवार को राष्ट्रगान के बाद दोनों पक्षों के खिलाड़ियों के बीच हाई-फाइव के साथ शुरू हुआ और 3-3 से ड्रॉ रहे कड़े मुकाबले के बाद हाथ मिलाने के साथ समाप्त हुआ।

यह घटनाक्रम पिछले महीने हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के विपरीत है, जहां भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैदान पर किसी भी तरह की बातचीत से परहेज किया था। एशिया कप में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर अपने पाकिस्तानी समकक्षों के साथ पारंपरिक हाथ मिलाने से परहेज किया और अपनी जीत पहलगाम आतंकवादी हमले से प्रभावित परिवारों को समर्पित की। बाद में भारत ने PCB और ACC प्रमुख मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

सूर्यकुमार ने कहा था, 'मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा। दिल्ली अभी बहुत दूर है। मुझे नहीं पता कि अगले मैच में पाकिस्तान के साथ क्या होगा। वैसे भी, हम सिर्फ बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही खेलते हैं, लेकिन उस समय जो भी होगा, हम देखेंगे। फिलहाल, यही वो पल है जिसका हम आनंद लेना चाहते हैं।'

इसके विपरीत भारत और पाकिस्तान की जूनियर टीमों के बीच सुल्तान जोहोर कप हॉकी मैच का माहौल हमेशा की तरह सामान्य था। राष्ट्रगान के बाद खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को हाई-फाइव दिए और 3-3 से रोमांचक ड्रॉ के बाद हाथ मिलाए। मैच से पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) ने कथित तौर पर अपने खिलाड़ियों को किसी भी तरह के टकराव से बचने और पूरी तरह से खेल पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया था - इस कदम से मैदान पर माहौल सम्मानजनक और खेल भावना से भरा रहा।

शुभमन गिल ने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है: गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि शुभमन गिल के लिए कप्तानी के अभी शुरुआती दिन हैं और उन्होंने अभी तक अपने सबसे कठिन दिनों का सामना नहीं किया है। गंभीर ने गिल की दबाव और कठिन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता की तारीफ की। गिल ने रोहित शर्मा के स्थान पर भारतीय टेस्ट टीम की कमान संभाली और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में 2-2 से ड्रॉ कर शानदार शुरुआत की।

कप्तानी की शुरुआत और दबाव

गिल का यह पहला पूर्णकालिक टेस्ट कप्तानी कार्यकाल चुनौतीपूर्ण रहा। दिल्ली में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में सात विकेट से जीत के साथ उन्होंने भारतीय कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीत दर्ज की। गंभीर ने बताया कि गिल ने अपनी टीम को दबाव में भी संभालने की क्षमता दिखाई और यह दिखाया कि वह मुश्किल हालात में भी शांत रह सकते हैं।

गंभीर का समर्थन और मार्गदर्शन

गंभीर ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका कर्तव्य है कि वह गिल के कंधों से दबाव और आलोचना को कम करें, बशर्ते गिल टीम के लिए सही निर्णय लें और ड्रेसिंग रूम में ईमानदार और पारदर्शी रहें। उन्होंने कहा, 'अब तक, वह शानदार रहे, पारदर्शी, मेहनती और टीम के हित में निर्णय लेने वाले। एक कोच इससे अधिक क्या उम्मीद कर सकता है?'

इंग्लैंड दौरे में कठिन परीक्षा

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे को गिल की कप्तानी की सबसे कठिन परीक्षा बताया। उन्होंने याद किया कि गिल को युवा टीम के साथ एक बेहतरीन इंग्लैंड टीम के सामने खड़ा किया गया। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड में बनाए गए रन महत्वपूर्ण नहीं थे, बल्कि दबाव में टीम का नेतृत्व करना असली परीक्षा थी। उन्होंने गिल की नेतृत्व क्षमता और मानसिक मजबूती की सराहना की।

सफलता के हकदार

गंभीर ने कहा कि गिल ने 25 दिनों के कड़े क्रिकेट के दौरान कभी निराशा या दबाव का संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए नेतृत्व किया और टीम को एकजुट रखा। गंभीर के अनुसार, गिल अब और भविष्य में हर सफलता के हकदार हैं, क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी खुद को साबित किया।

आगामी वनडे श्रृंखला की तैयारी

वेस्टइंडीज पर टेस्ट सीरीज जीत के बाद, गिल अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं। गंभीर ने उम्मीद जताई कि गिल आगामी सीरीज में भी दबाव में शांत और प्रभावशाली नेतृत्व दिखाएंगे। गिल के लिए यह नया अनुभव उनकी कप्तानी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

ऑस्ट्रेलिया में रोहित और विराट के खेल का जादू देखना चाहते हैं सभी : शुभमन

मुम्बई। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब सात महीने के बाद मैदान पर खेलते नजर आयेंगे। ये दोनों ही भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना हुए हैं। टीम के रवाना होने से पहले एकदिवसीय प्रारूप के नये कप्तान बने शुभमन गिल ने कहा कि सभी लोग इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों के कौशल को देखना चाहते हैं। शुभमन ने कहा कि टीम चाहती है कि दोनों खिलाड़ी अपने खेल का जादू सभी को दिखाएं। गिल ने कहा, ये दोनों ही पिछले एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम को जीत दिलाते रहे हैं। साथ ही कहा कि उनका अनुभव हर कप्तान और हर टीम के लिए बेहद अहम होता रहा है। ऐसे में हम बस यही चाहते हैं कि वो जाएं और अपना कमाल दिखाएं। साथ ही कहा कि भारतीय टीम पिछले दो- तीन साल से एकदिवसीय प्रारूप में बेहतरीन खेल दिखा रही है। इसी लय में वह बनाये रखना चाहती है। उन्होंने कहा, हमने पिछले कुछ सालों में काफी अच्छा क्रिकेट खेला है। टीम लगभग वही है, इसलिए किसी प्रकार के बदलाव की जरूरत नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा ही रोमांचक होता है और इसी को लेकर हम सब बेहद उत्साहित हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू होगी। वहीं कई दिग्गज को मानना है कि इस सीरीज के आधार पर ही रोहित और विराट का आगे का करियर निर्भर करेगा।

मैक्सवेल की ऑलटाइम एकदिवसीय टीम में छह भारतीय और पांच ऑस्ट्रेलियाई

-इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को नहीं मिली जगह

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने एक ऑलटाइम एकदिवसीय टीम चुनी है। इसमें सबसे अधिक छह भारतीय और पांच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को शामिल किया गया है पर हैरानी की बात है कि इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को इसमें जगह नहीं मिल है। मैक्सवेल की इस टीम में सचिन तेंदुलकर और विराट सहित छह भारतीय खिलाड़ियों को लिया गया है। वहीं रिकी पोंटिंग, माइकल बेवन, शेन वॉटसन सहित पांच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल हैं। टीम में इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को जग नहीं मिलना उनकी बेइज्जती माना जा रहा है। सलामी बल्लेबाज के लिए मैक्सवेल ने तेंदुलकर और रोहित को शामिल किया है। वहीं हैरानकी की बात है कि डेविड वॉर्नर, मैथ्यू हेडन और एडम गिलक्रिस्ट को इस टीम में जगह नहीं मिली है। तीसरे नंबर पर मैक्सवेल ने विराट कोहली को शामिल करते हुए उन्हें अपनी पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज करार दिया।

मैक्सवेल की टीम में पोंटिंग चौथे जबकि माइकल बेवन पांचवें नंबर पर हैं। इस नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के इयोन मोर्गन और बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ियों को जगह नहीं दी है। ऑलराउंडर के लिए मैक्सवेल ने शेन वॉटसन को रखा है।

वहीं विकेट कीपर के रूप में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को रखा है। इंग्लैंड के जोस बटलर और ऑस्ट्रेलिया से एडम गिलक्रिस्ट को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं मैक्सवेल ने अपने गेंदबाजी आक्रमण में ब्रेट ली, ग्लेन मैक्ग्रा और जसप्रीत बुमराह को रखा है। स्पिनर के तौर पर अनिल कुंबले को रखा गया है।

फीफा क्वालिफायर में रोनाल्डो ने रचा इतिहास, मेसी से आगे निकले

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल के महानतम गोलस्कोरर्स में शुमार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। हंगरी के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उन्होंने दो गोल दागकर नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि मैच 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन रोनाल्डो की यह शानदार परफॉर्मेंस चर्चा में रही।

पहले हाफ के 22वें मिनट में रोनाल्डो ने क्लोज रेंज से गोल दागा और अपने वर्ल्ड कप क्वालिफायर करियर का 40वां गोल पूरा किया। इस गोल के साथ उन्होंने ग्वाटेमाला के पूर्व खिलाड़ी कार्लोस रुइज (39 गोल) को पीछे छोड़ दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में उन्होंने एक और गोल कर रिकॉर्ड को 41 तक पहुंचा दिया।

इसके साथ ही रोनाल्डो के नाम अब सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप क्वालिफायर गोल (41) हैं – जो उन्हें लियोनेल मेसी (36) से काफी आगे ले जाता है। वहीं मेसी ने अब तक 72 क्वालिफायर मैचों में 36 गोल किए हैं।

रोनाल्डो के नाम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में कई रिकॉर्ड

सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल= 143
सबसे ज्यादा मैच (कैप्स)=215+
यूरोपीय चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा गोल- 14

फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले टॉप-5 खिलाड़ी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो - 41 गोल (51 मैच)
कार्लोस रुइज - 39 (47 मैच)
लियोनेल मेसी - 36 (72 मैच)
अली दाई - 35 (51 मैच)
रॉबर्ट लेवानडोव्स्की - 33 (42 मैच)

मैच में 78वें मिनट तक पुर्तगाल 2-1 से आगे था, लेकिन हंगरी के डोमिनिक स्जोबोस्लाई ने इंजरी टाइम में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। मैच के बाद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर लिखा – 'हम अपने लक्ष्य के करीब हैं! चलो पुर्तगाल!'

कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने माना कि टीम आखिरी 10 मिनट में मैच को सही तरह से मैनेज नहीं कर पाई। फिर भी, इस ड्रॉ के बावजूद पुर्तगाल ग्रुप एफ में 10 अंकों के साथ टॉप पर बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

इस सप्ताह वॉशिंगटन जाएंगे जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की इस सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करेंगे। इस दौरान वे यूएस से लंबी दूरी के हथियारों की संभावित आपूर्ति और अन्य सुरक्षा सहयोग पर चर्चा करेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को चेतावनी दी है कि वे कीव को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें भेज सकते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप से उनकी मुलाकात शुक्रवार तक हो सकती है। इसके अलावा वे रक्षा और ऊर्जा कंपनियों, साथ ही कांग्रेस के सदस्यों से भी मिलेंगे।

मैक्सिको में भयंकर बारिश और लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 64

मैक्सिको, एजेंसी। पिछले सप्ताह मैक्सिको में हुई भयंकर बारिशों के कारण मृतकों की संख्या सोमवार तक 64 हो गई, जबकि 65 लोग अभी भी लापता हैं। भारी वर्षा के कारण कई नदियां उफान पर आ गईं और लैंडस्लाइड से कई गांवों का संपर्क कट गया। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबॉम की दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में सिविल डिफेंस कोऑर्डिनेटर लौरा वेलाजक्वेज अल्जुआ ने बताया कि बचाव अभियान अब उन समुदायों तक भी फैलाया जा रहा है, जो पहले पहुंच से बाहर थे।

काठमांडू एयरपोर्ट पर 11 किग्रा से ज्यादा गांजा लेकर तीन भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास 11 किलो 275 ग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार भारतीय यात्रियों की पहचान सलीम इब्राहिम अंसारी (50), रेहान मोहम्मद अजाज शेख (24) और जैनब बशीर (32) के रूप में हुई है। नेपाल पुलिस के एक बयान के अनुसार, ये तीनों बैंकॉक से एयर एशिया की फ्लाइट से रविवार दोपहर काठमांडू पहुंचे थे। फिलहाल बरामद गांजा और आरोपियों को आगे की जांच के लिए नेपाल पुलिस के नार्कोटिक ड्रग्स ब्यूरो के हवाले कर दिया गया है।

चीन के दर्जनों भूमिगत चर्च पादरी हिरासत में लिए गए

बीजिंग, एजेंसी। चीन में पुलिस ने देश के सबसे बड़े चर्चों में से 30 भूमिगत पादरियों को हिरासत में लिया गया है। एक चर्च प्रवक्ता और रिश्तेदारों ने बताया कि यह 2018 के बाद से ईसाइयों पर सबसे बड़ी कार्रवाई है। पिछले हफ्ते बीजिंग द्वारा दुर्लभ मृदा निर्यात नियंत्रणों में नाटकीय रूप से विस्तार करने के बाद चीन-अमेरिका के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने के बीच ये गिरफ्तारियां हुईं। इन गिरफ्तारियों की अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने निंदा की और तत्काल रिहाई की मांग की। प्रवक्ता सीन लॉन्ग ने बताया, जायन चर्च के संस्थापक पादरी जिन मिंगरी को दक्षिणी शहर बेइहाई स्थित उनके घर पर हिरासत में लिया गया।

वेनेजुएला में खदान हादसा- भीषण बारिश से सोने की खान धसने से 14 मजदूरों की मौत

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला के दक्षिणपूर्वी क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण एक सोने की खदान धस गई, जिसमें कम से कम 14 मजदूरों की मौत हो गई। यह हादसा एल कालयो कस्बे में हुआ, जो राजधानी काराकस से करीब 850 किलोमीटर दूर स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों के शवों को निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है। फायर ब्रिगेड और स्थानीय बचाव दल के अनुसार, गहराई वाले हिस्सों में पानी निकालने के बाद ही अंदर फंसे लोगों की तलाश जारी रखी जाएगी। फिलहाल मौतों की संख्या अन्य खनिकों के बयान के आधार पर बताई गई है।

खैबर पख्तूनख्वा के नए सीएम बने सुहैल विपक्ष का बहिर्गमन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के उम्मीदवार सुहैल अफरीदी को सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का नया मुख्यमंत्री चुना गया। हालांकि इस दौरान विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। प्रांत विधानसभा के अध्यक्ष बाबर सलीम स्वाती ने विपक्ष के बहिर्गमन के बावजूद मतदान की प्रक्रिया जारी रखी। अफरीदी को 145 में से 90 वोट मिले, जबकि जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एफ) बीएमएलएन और पीपीपी के उम्मीदवारों को कोई वोट नहीं मिला। पार्टी के संस्थापक इमरान खान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अफरीदी ने कहा, उन्होंने साधारण से कार्यकर्ता, राजनीति से कोई पारिवारिक संबंध नहीं रखने वाले शख्स को मुख्यमंत्री चुना।

नीदरलैंड्स ने अपने कब्जे में ली चीन की बहुत बड़ी चिप कंपनी, व्यापार युद्ध बढ़ने की आशंका

एम्सटर्डम, एजेंसी। वैश्विक व्यापार युद्ध के बीच नीदरलैंड्स सरकार ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए, चीन की विंगटेक टेक्नोलॉजी के स्वामित्व वाली डच चिपमेकर कंपनी नेक्सपेरिया का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। यह कदम डच आर्थिक मामलों के मंत्रालय द्वारा गुड्स अवेलेबिलिटी एक्ट के तहत उठाया गया है, ताकि देश में आवश्यक चिप्स की सप्लाई और तकनीकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि नेक्स्पेरिया में गंभीर प्रशासनिक खामियों के हालिया और तात्कालिक संकेत मिले हैं, जो नीदरलैंड्स और यूरोप की तकनीकी क्षमताओं के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। बयान में कहा गया कि इन क्षमताओं का नुकसान डच और यूरोपीय आर्थिक सुरक्षा के लिए जोखिम साबित हो सकता है, विशेष रूप से ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए, जो चिप्स पर भारी निर्भर करता है।

चिप उद्योग में रणनीतिक हस्तक्षेप : नीज्मेगन में मुख्यालय वाली नेक्स्पेरिया दुनिया की प्रमुख चिप निर्माता कंपनियों में से एक है, जो मुख्यतः सरल कंप्यूटर चिप्स (जैसे डायोड और ट्रांजिस्टर) बनाती है। साथ ही यह कंपनी वाइड गैप सेमीकंडक्टर तकनीक पर भी काम करती है, जिसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, चार्जिंग सिस्टम्स और एआई डेटा सेंटर्स में होता है। नीदरलैंड्स सरकार का कहना है कि यह हस्तक्षेप अत्यंत असाधारण स्थिति में किया गया है, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में चिप आपूर्ति में किसी तरह की बाधा न आए। यह निर्णय सितंबर में लागू किया गया था, लेकिन इसकी औपचारिक घोषणा अब की गई है।

अमेरिका-चीन तनाव की पृष्ठभूमि में निर्णय : यह कदम ऐसे समय आया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के निर्यात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। हालांकि डच आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने अमेरिकी दबाव से इनकार करते हुए इसे सिर्फ एक संयोग बताया, लेकिन यह निर्णय उस व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है जिसमें अमेरिका और नीदरलैंड्स दोनों चिप उद्योग पर निर्यात नियंत्रण को लेकर करीबी सहयोग कर रहे हैं।

उधर, बीजिंग ने हाल ही में रेयर अर्थ एलिमेंट्स और मैग्नेट्स के निर्यात पर नियंत्रण लगाया है, जो यूरोप के ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए बेहद अहम हैं। इससे यूरोप-चीन व्यापारिक रिश्तों में और तनाव आ सकता है।

विंगटेक पहले से अमेरिकी निगरानी सूची में : गौरतलब है कि विंगटेक टेक्नोलॉजी को दिसंबर 2024 में अमेरिका ने अपनी एंटिटी लिस्ट में शामिल किया था। आरोप था कि कंपनी संवेदनशील सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमताओं वाली संस्थाओं को हासिल करने के चीन सरकार के प्रयासों में सहायता कर रही है।

विंगटेक की तीखी प्रतिक्रिया : इस फैसले पर विंगटेक ने नाराजगी जताई है। कंपनी ने अपने अब हटाए गए वीचैट पोस्ट में डच सरकार के कदम को भू-राजनीतिक पक्षपात से प्रेरित अत्यधिक हस्तक्षेप बताया। विंगटेक ने कहा कि उसने 2019 में नेक्स्पेरिया के अधिग्रहण के बाद से सभी स्थानीय कानूनों का पालन किया है और उसके यूरोप में हजारों कर्मचारी कार्यरत हैं- जिनमें नीदरलैंड्स, जर्मनी और ब्रिटेन शामिल हैं। नेक्स्पेरिया की प्रतिक्रिया और प्रभाव नेक्स्पेरिया के प्रवक्ता ने सीएनबीसी से कहा कि कंपनी सभी नियमों का पालन कर रही है और नियमित रूप से अधिकारियों के संपर्क में है, लेकिन उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार किया। इस घोषणा के बाद शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में विंगटेक के शेयर 10% की गिरावट के साथ अपने दैनिक सीमा तक लुढ़क गए। कंपनी की एक कॉर्पोरेट फाइलिंग (13 अक्टूबर) के अनुसार, अब नेक्स्पेरिया अस्थायी बाहरी प्रबंधन के अधीन है, जिसमें एक वर्ष तक कंपनी की परिसंपत्तियों, व्यवसाय या कर्मचारियों में बदलाव की अनुमति नहीं होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, विंगटेक के चेयरमैन झांग शुएझेंग को नेक्स्पेरिया में उनकी सभी भूमिकाओं से निलंबित कर दिया गया है, हालांकि कंपनी के दैनिक कार्य सामान्य रूप से जारी रहेंगे। इससे पहले 2023 में नीदरलैंड्स सरकार ने नेक्स्पेरिया द्वारा चिप स्टार्टअप एनओडब्ल्यूआई के अधिग्रहण की जांच की थी, जिसे बाद में मंजूरी दे दी गई थी। लेकिन अब यह नया कदम चीन-नीदरलैंड्स व्यापारिक रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना सकता है, खासकर उस पृष्ठभूमि में जब डच कंपनी एएसएमएल को चीन को उन्नत चिप-मेकिंग उपकरणों के निर्यात पर रोक लगाने का आदेश दिया गया था। जैसे-जैसे वैश्विक व्यापार युद्ध और तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, नीदरलैंड्स सरकार का यह अभूतपूर्व कदम इस बात को रेखांकित करता है।

ट्रंप ने क्लिंटन से मिली सराहना का किया स्वागत, अमेरिकी राष्ट्रपति को मिस्र का सर्वोच्च सम्मान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तारीफ का स्वागत किया है। बता दें कि, बिल क्लिंटन ने गाजा युद्धविराम समझौते में ट्रंप की भूमिका की प्रशंसा की थी। ट्रंप ने इसे बहुत अच्छा कहा और माना कि क्लिंटन सच कह रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनका बिल क्लिंटन से पुराना संबंध रहा है। उन्होंने कहा, वो मेरे दोस्त रहे हैं वो और उनकी पत्नी हिलेरी क्लिंटन भी मेरी शादी में भी आए थे। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सोशल मीडिया पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप, उनकी टीम, कतार और अन्य देशों ने मिलकर इस समझौते को सफल बनाया। उन्होंने इस मौके को स्थायी शांति की दिशा में एक मौका बताया।

ट्रंप ने गाजा युद्धविराम को लेकर दिया भाषण : गाजा युद्धविराम को लेकर ट्रंप ने मिस्र के शहर शार्म अल-शेख में एक शांति सम्मेलन में भी भाषण दिया। उन्होंने इस समझौते को पश्चिम एशिया के लिए नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा, हमने वो कर दिखाया जो असंभव कहा जा रहा था। अब युद्ध खत्म हो गया है और एक नई सुबह आ रही है।

गाजा के पुनर्निर्माण पर भी बोले ट्रंप : इस दौरान ट्रंप ने दोहराया कि गाजा के पुनर्निर्माण में मदद तो होगी लेकिन पैसा हिंसा के लिए इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा हमने तय किया है कि गाजा को दोबारा खड़ा करेंगे, लेकिन हथियारबंदी नहीं होने देंगे। मिस्र के शहर शार्म अल-शेख में एक शांति सम्मेलन में 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल हुए। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी और ट्रंप ने इसकी अध्यक्षता की। इस सम्मेलन से पहले हमास ने सभी 20 जीवित इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया था।

ट्रंप को मिस्र ने किया सम्मानित, इस्राइल करेगा सम्मान : मिस्र ने राष्ट्रपति ट्रंप को अपने सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ द नाइल से सम्मानित किया। वहीं, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन्हें इस्राइल प्राइज के लिए नामित किया और कहा, ट्रंप इस्राइल के अब तक के सबसे बड़े मित्र हैं।

हमास की कैद में एकमात्र हिंदू बंधक बिपिन जोशी की मौत, इजरायल को लौटाया शव

येरुशलम, एजेंसी। हमास की ओर से बंधक बनाए गए नेपाली हिंदू छात्र बिपिन जोशी का शव इजरायल को लौटा दिया गया है। 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायल पर किए गए हमले के दौरान उसका अपहरण कर लिया गया था। अटैक के वक्त जोशी ने अपनी बहादुरी से कई सहपाठियों की जान बचाई थी। सोमवार को गाजा में संघर्ष विराम समझौते के बाद उसकी मृत्यु की पुष्टि ऐसे समय हुई, जब 20 जीवित बंधकों की रिहाई पर उत्सव का माहौल था। बंधक बनाए जाने के कुछ दिनों बाद इजरायली सेना की ओर से वीडियो फुटेज जारी किया गया, जिसमें जोशी को गाजा के शिफा अस्पताल में घसीटते हुए दिखाया गया था। यह उनकी आखिरी ज्ञात जीवित झलक थी। हमास के लड़ाकों ने जब हमला किया, तब 22 वर्षीय बिपिन जोशी नेपाल से गाजा सीमा के पास किबुत्ज अलुमिम गए थे। यहां वह खेती-किसानी को लेकर ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए आए थे। जोशी गाजा में जीवित माने जाने वाले एकमात्र गैर-इजरायली और हिंदू बंधक थे। नेपाल के इजरायल में राजदूत धन प्रसाद पंडित ने रिपब्लिका को उनकी मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सोमवार देर रात हमास ने जोशी के शव को इजरायली अधिकारियों को सौंप दिया। पंडित ने कहा, बिपिन जोशी का शव हमास ने इजरायली अधिकारियों को सौंपा है और इसे तेल अवीव ले जाया जा रहा है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने कहा कि हमास ने बिपिन जोशी सहित 4 बंधकों के शव लौटाए हैं। उनके शव को नेपाल भेजने से पहले डीएनए टेस्ट किया जाएगा। उम्मीद है कि उनका अंतिम संस्कार नेपाली दूतावास के सहयोग से इजरायल में किया जाएगा। जोशी की इजरायल यात्रा सितंबर 2023 में शुरू हुई, जब वह 16 अन्य छात्रों के साथ किबुत्ज अलुमिम गए थे। यह पहल नेपाली छात्रों को इजरायली कृषि तरीकों के बारे ट्रेनिंग देने के लिए की गई थी। 7 अक्टूबर की सुबह हमास आतंकवादियों ने अचानक हमला कर दिया। छात्रों ने बम बंकर में शरण ली। जब बंकर के अंदर ग्रेनेड फेंके गए तो जोशी ने एक जिंदा ग्रेनेड को पकड़कर बाहर फेंक दिया, जिससे कई लोगों की जान बच गई।

दुनिया को आपकी जरूरत है, ट्रंप को रिझाने में जुटा पाकिस्तान; फिर अलापा नोबेल राग

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका को रिझाने का पाकिस्तान कोई मौका छोड़ता नजर नहीं आ रहा है। नोबेल शांति पुरस्कार के ऐलान के चार दिन बाद ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पुरस्कार के लिए फिर नॉमिनेट कर दिया। शरीफ का कहना है कि दुनिया को इस समय सबसे ज्यादा ट्रंप की जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में बड़ी भूमिका निभाने का दावा लगातार किया जा रहा है।

गाजा में शांति के लिए आयोजित शिखर सम्मेलन में शरीफ ने कहा, मैं इस महान राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करना चाहता हूं, क्योंकि मुझे वास्तविक तौर पर लगता है कि वह वास्तविक रूप से सबसे शानदार उम्मीदवार हैं...। मुझे लगता है कि आप वह व्यक्ति हैं, जिसकी जरूरत इस दुनिया इस समय सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, दुनिया आपको ऐसे व्यक्ति के रूप में याद रखेगी, जिसने 7 और अब 8 युद्ध रुकवाने के लिए सबकुछ किया।

पाकिस्तान पीएम ने कहा, अगर वह सज्जन नहीं होते, तो कौन जानता है कि क्या होता। भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु ताकतें हैं। अगर वह अपनी शानदार टीम के साथ उन चार दिनों में दखल नहीं देते, तो युद्ध उस स्तर तक पहुंच जाता, जहां कोई भी यह बताने के लिए नहीं बचता कि आखिर क्या हुआ था। ट्रंप की सफाई नोबेल शांति पुरस्कार से चूकने के बाद, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष समेत आठ युद्धों को सुलझाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह नोबेल पुरस्कार के लिए नहीं किया। ट्रंप अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष समेत सात युद्धों को सुलझाने का दावा करते रहे हैं। हालांकि, अब उन्होंने इजराइल-गाजा संघर्ष को जोड़कर यह संख्या आठ कर दी है।

रविवार को अपने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष को सुलझाने की योजना का भी संकेत दिया। ट्रंप ने कहा, यह मेरा आठवां युद्ध होगा जिसे मैंने सुलझाया है, और मैंने सुना है कि अब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध चल रहा है। मैंने कहा, मुझे वापस आने तक इंतजार करना होगा। मैं एक और युद्ध रोक रहा हूं। क्योंकि मैं युद्ध सुलझाने में माहिर हूं। मैं शांति स्थापित करने में माहिर हूं। नोबेल विजेता पर भड़का व्हाइट हाउस व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को नोबेल शांति पुरस्कार समिति की आलोचना करते हुए उस पर वैश्विक शांति में ट्रंप के योगदान को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, नोबेल समिति ने साबित कर दिया है कि वे राजनीति को शांति से अधिक प्राथमिकता देते हैं। यह बात वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार का विजेता घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद कही गई।

पाकिस्तानी रक्षामंत्री बोले- अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल है। इस्लामाबाद और काबुल में किसी भी वक्त संघर्ष शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल दोनों देशों में कोई झड़प नहीं हो रही है, लेकिन दोनों देशों के बीच संबंध ठंड पड़ गए हैं। आसिफ ने आगे कहा, संघर्ष की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। अगर अफगानिस्तान धमकी देता है, तो हमें तुरंत प्रतिक्रिया देने का अधिकार है। दरअसल 9 अक्टूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानके ठिकानों पर हवाई हमले हुए थे। तालिबान का कहना था कि ये हमले पाकिस्तान ने किए थे। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 11 अक्टूबर को देर रात पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियों पर हमला कर दिया था। सोमवार को बॉर्डर पर दोनों देशों की सेनाएं अलर्ट पर रहीं। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और यात्रियों का आना-जाना बंद रहा। अफगानिस्तान का दावा- 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मारा अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसकी सेना ने शनिवार रात (11 अक्टूबर) को पाकिस्तान सीमा पर हुई झड़प में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियां कब्जे में ले लीं। इसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसके सिर्फ 25 सैनिक मारे गए, जबकि उसने 200 तालिबानी लड़ाकों को ढेर कर दिया। अफगानिस्तान ने पाकिस्तानआर्मी चीफ और रक्षा मंत्री को वीजा नहीं दिया, 3 बार अर्जी खारिज की अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, आईएसआई प्रमुख असीम मलिक और 2 अन्य जनरलों को वीसा देने से इनकार कर दिया है। टोलो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि पिछले 3 दिनों में वीसा अर्जी 3 बार खारिज की गई है। पाकिस्तानी सेना ने स्वीकार किया है कि सीमा पर संघर्ष में उसके 23 सैनिक और 200 तालिबानी मारे गए हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने दावा किया कि 58 पाक सैनिक मारे गए और 30 घायल हुए हैं। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने पाक-अफगान संघर्ष में मध्यस्थता की पेशकश की है। उधर, भारत के दौरे पर आए अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने सोमवार को कहा कि अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ सीमा संघर्ष में अपना उद्देश्य प्राप्त कर लिया है।

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने इटली की पीएम मेलोनी से कहा- स्मोकिंग छोड़ दो; गाजा पीस समिट में मिले

वाशिंगटन, एजेंसी। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से स्मोकिंग छोड़ने के लिए कहा है। दोनों नेताओं ने सोमवार को मिस्र में गाजा पीस समिट में मुलाकात की। इस दौरान एर्दोगन ने कहा, मैंने आपको हवाई जहाज से उतरते देखा। आप शानदार लग रही हैं, लेकिन मुझे आपको स्मोकिंग छोड़वाना होगी। इस पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हंसते हुए कहा कि यह असंभव है। मेलोनी ने हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया, मुझे पता है, लेकिन मैं किसी को मारना नहीं चाहती। उन्होंने बताया कि स्मोकिंग छोड़ने से उनकी सामाजिकता कम हो सकती है। मेलोनी ने एक किताब में स्वीकार किया था।

स्पेसएक्स ने 40 माले की इमारत के बराबर रॉकेट का सफल परीक्षण किया, 11वीं उड़ान में हासिल की यह खासियत

वाशिंगटन , एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने फिर बड़ा कारनामा किया है। सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 11वां टेस्ट सफल रहा। मंगलवार (14 अक्टूबर) को सुबह 5:00 बजे टेक्सास के बोका चिका से स्टारशिप की सफल लॉन्चिंग की गई। स्टारशिप की हिंद महासागर में लैंडिंग कराई गई। स्टारशिप अब तक का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। जो कि टेक्सास के दक्षिणी सिरे से आकाश में गर्जना के साथ उड़ा। बूस्टर रॉकेट अलग हो गया और योजना के मुताबिक मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित रूप से प्रवेश किया, और स्टारशिप हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में उड़ता रहा। 11वें परीक्षण का लाइव वीडियो स्टारशिप रॉकेट को परीक्षण उड़ान के दौरान प्रक्षेपित किया और पिछली बार (10वां टेस्ट) की तरह ही दुनिया के आधे हिस्से का सफलतापूर्वक चक्कर लगाया। बूस्टर ने योजना के अनुसार मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित प्रवेश किया, और अंतरिक्ष यान हिंद महासागर में उतरने से पहले अंतरिक्ष में घूमता रहा। घटनास्थल से कुछ भी असामान्य नहीं हुआ। सुपर हैवी बूस्टर की अमेरिका की खाड़ी में वॉटर लैंडिंग कराई गई, जबकि स्टारशिप की हिंद महासागर में वॉटर लैंडिंग हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये टेस्ट 1 घंटे 6 मिनट का था। स्टारशिप अंतरिक्ष यान (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को पूरे तौर से स्टारशिप कहा जाता है। जिसका उद्देश्य भविष्य में रॉकेट को उड़ान भरने वाली जगह पर वापस लाने से जुड़े परीक्षण करना था। स्टारशिप की ऊंचाई 403 फीट है। जिसका उपयोग स्पेसएक्स के संस्थापक और सीईओ एलन मस्क मंगल ग्रह पर लोगों को भेजने के लिए करना चाहते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली रॉकेट स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस भेजने के अपने प्रयासों में दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट, स्टारशिप का उपयोग करने की योजना बनाई थी। कंपनी ने उन आलोचकों को भी खारिज करने की कोशिश की, जिन्होंने कहा था कि इसकी तकनीक नासा की चंद्र परियोजनाओं को पूरा करने और मनुष्यों को मंगल ग्रह पर ले जाने के मस्क के सपने को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती है।

पहले कनाडा, फिर ब्रिटिश पीएम की बेइज्जती; ट्रंप ने मिस्र में इन नेताओं को किया शर्मसार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित गाजा शांति सम्मेलन के दौरान कई विश्व नेताओं को अनजाने में या जानबूझकर शर्मिंदा कर दिया। यह घटना तब घटी जब ट्रंप ने इजरायल-हमास युद्ध को समाप्त करने वाले ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बुलाए गए वैश्विक नेताओं को संबोधित किया। सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित दर्जनों देशों के नेता मौजूद थे। ट्रंप के भाषण और उनके व्यवहार ने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा छेड़ दी। कई यूजर्स ने इसे ट्रंप का क्लासिक स्टाइल करार दिया। पहले कनाडा के कार्नी-प्रेसिडेंट कहकर हुई गलती, लेकिन जोक में बदल गया ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का जिक्र करते हुए उन्हें मिस्टर प्रेसिडेंट कह दिया, जबकि कार्नी कनाडा के प्रधानमंत्री हैं। यह गलती ट्रंप के व्हाइट हाउस में कार्नी से हुई हालिया मुलाकातों के संदर्भ में और भी मजेदार लगी, जहां ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी दी थी। कार्नी ने तुरंत मंच पर हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया, आपने मुझे अपग्रेड कर दिया, सर! ट्रंप ने हंसते हुए कहा, ओह, क्या मैंने ऐसा कहा? कम से कम मैंने गवर्नर तो नहीं कहा। दोनों नेताओं के बीच यह आदान-प्रदान कैमरों में कैद हो गया और कार्नी के पीछे खड़े ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने नर्वस स्माइल के साथ तालियां बजाते दिखे। यह घटना ट्रंप-कार्नी संबंधों की पृष्ठभूमि में देखी जा रही है। 7 अक्टूबर को व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान ट्रंप ने कनाडा पर लगे भारी टैरिफ को लेकर सख्त रुख अपनाया था। कार्नी पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर रह चुके हैं। उन्होंने ट्रंप की चापलूसी की कोशिश की थी, लेकिन ट्रंप ने कोई रियायत नहीं दी। ब्रिटिश पीएम स्टार्मर की बेइज्जती-मंच पर बुलाया, लेकिन बोलने न दिया कार्नी के साथ जोक के ठीक बाद ट्रंप ने मंच पर खड़े नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, मैंने आप सबको इतने सालों से जाना है। तभी उन्होंने ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की ओर इशारा किया और कहा, कीर, आपका क्या? आइए, बोलिए! स्टार्मर ने समझा कि उन्हें बोलने के लिए बुलाया गया है, इसलिए वे उत्साहित होकर मंच के आगे बढ़े। लेकिन ट्रंप ने उन्हें रोकते हुए कहा, नहीं-नहीं, बस थोड़ा इंतजार कीजिए। आपकी बारी बाद में। स्टार्मर असहज दिखे, चारों ओर देखा, फिर धीरे-धीरे पीछे लौटे। कार्नी ने उन्हें हल्के से कंधा थपथपाया, लेकिन स्टार्मर की यह स्कार्टलिंग (पीछे हटना) वाली हरकत कैमरों में कैद हो गई। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार्मर ने एक फीकी मुस्कान के साथ स्थिति संभाली, लेकिन सोशल मीडिया पर उन्हें खूब ट्रोल किया गया। एक यूजर ने लिखा, ट्रंप ने स्टार्मर को वर्ल्ड स्टेज पर एपिक तरीके से शर्मिंदा किया। ट्रंप कभी नहीं भूलते! एक अन्य ने कहा, स्टार्मर सोचे होंगे, मैं तो बोलने आया था, लेकिन ट्रंप का जोक बन गए। कई अन्य नेताओं को किया शर्मसार-ऐतिहासिक मध्य पूर्व का उदय भाषण में तंज ट्रंप का भाषण मुख्य रूप से गाजा शांति समझौते पर केंद्रित था, जिसे उन्होंने मध्य पूर्व में ऐतिहासिक सवाना करार दिया। समझौते के तहत इजरायल-हमास के बीच कैदी-बंदी आदान-प्रदान और युद्धविराम पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें अमेरिका ने मध्यस्थता की। लेकिन भाषण के दौरान ट्रंप ने कई नेताओं पर तंज कसे। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी को ट्रंप ने कहा, आपने मिस्र को फिर से महान बनाया, लेकिन मेरी मदद के बिना यह संभव न था। सीसी ने मुस्कुराकर ताली बजाई, लेकिन कुछ विश्लेषकों ने इसे ट्रंप का क्रेडिट चोरी करार दिया। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को ट्रंप ने मेरा पुराना दोस्त कहा, लेकिन ये भी कहा कि तुम्हें मेरी सलाह माननी चाहिए थी, वरना यह युद्ध इतना लंबा न चलता। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को ट्रंप ने मिडिल ईस्ट का असली बॉस कहा, लेकिन तंज कसते हुए बोले, तुम्हारे पैसे से यह डील हुई, लेकिन मेरा दिमाग था। भारत के सवाल पर असहज दिखे शहबाज शरीफ इस दौरान ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से कुछ ऐसा पूछ लिया कि वे खुद असहज दिखे। डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिए बिना उनकी प्रशंसा करते हुए कहा, ''भारत महान देश है, जिसका नेतृत्व मेरे बहुत अच्छे मित्र कर रहे हैं।

6 माह बाद सामने आया पत्नी के कातिल डॉक्टर का असली चेहरा, फॉरेंसिक साइंस रिपोर्ट से खुला सच

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में डॉक्टर दंपति की शादी के 11 महीने बाद एक दर्दनाक सच्चाई सामने आई है। अस्पताल के जनरल सर्जन डॉक्टर महेंद्र रेड्डी ने अपनी पत्नी डॉक्टर कृतिका रेड्डी की हत्या कर दी। कृतिका विक्टोरिया अस्पताल में डर्मेटोलॉजिस्ट थीं और बीते कुछ दिनों से बीमार थीं। घटना अप्रैल 2025 की है, जब कृतिका अपने पिता के घर रह रही थीं। तभी महेंद्र ने दो दिन तक उन्हें आईवी इंजेक्शन दिए, जिसके बाद 23 अप्रैल को उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उस समय मराठाहल्ली पुलिस ने यूडीआर (अप्राकृतिक मृत्यु रिपोर्ट) दर्ज की थी। 6 महीने बाद फॉरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट में कृतिका के शरीर में एनस्थीसिया इंजेक्शन प्रोपोफोल मिला। यह दवा सिर्फ ऑपरेशन थियेटर में इस्तेमाल होती है। इसके बाद पुलिस ने मामला को हत्या में बदल कर आरोपी डॉक्टर महेंद्र रेड्डी को मंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया। कृतिका की बहन डॉक्टर निकिता रेड्डी ने ही शक जताया था और केस दर्ज कराया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के परिवार पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज थे जिन्हें शादी के समय छुपाया गया था। कृतिका के पिता मुनी रेड्डी ने कहा कि उनकी बेटी ने अपने पति पर भरोसा किया था, लेकिन पति ने ही उसका विश्वास तोड़ा। परिवार ने सख्त सजा की मांग की है।

हाथियों की आबादी में 18 फ़ीसदी की गिरावट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंगली हाथियों की डीएनए के आधार पर पहली बार गणना की गई है। गणना के जो परिणाम सामने आए हैं। उसके अनुसार हाथियों की संख्या 2017 में 27312 थी। वह 2021 की जनगणना में घटकर 22446 रह गई है। जो पिछली जनगणना के मुकाबले 18 फीसदी कम है। यह रिपोर्ट 4 साल के बाद सार्वजनिक की गई है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने डीएनए आधारित गणना की जानकारी को गलत बताते हुए कहा है। इस बार की जनगणना वैज्ञानिक तरीके से की गई है। जिसके कारण हाथियों की जनसंख्या में कमी देखने को मिल रही है। इस बार की गणना पूरी तरीके से सही है। वही रिपोर्ट के अनुसार सड़क अतिक्रमण, रेल निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचा की परियोजनाओं के चलते जंगल काटे जा रहे हैं। इसको लेकर मानवों और हाथियों के बीच लगातार संघर्ष बढ़ रहा है। इस संघर्ष में हाथियों की संख्या कम हो रही है। जो चिंता का विषय है।

'जिनका आंदोलन से कोई वास्ता नहीं वो आज ट्रस्टी' - जगदगुरु रामभद्राचार्य

अयोध्या (एजेंसी)। जगद्गुरू रामभद्राचार्य रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में कौशल्या की गोद में बैठे लाडले राम के मंदिर का निर्माण कराए जाने की जानकारी दी है। उन्होंने हनुमान गढ़ी मंदिर में दर्शन किया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से भी मुलाकात की। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह जो आज ट्रस्टी बने हुए हैं, यह कभी भी संघर्ष के दौरान नहीं थे। सिर्फ मैं और महंत नृत्य गोपाल दास, अशोक सिंघल, महंत अवैद्यनाथ जी थे। हम लोग जानते हैं, संघर्ष की लीला। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट को निरंकुश नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के मर्यादा की रक्षा करनी चाहिए और यह ट्रस्टियों की जिम्मेदारी भी है। मथुरा और काशी विवाद रामभद्राचार्य ने कहा कि हमारी भूमिका वही रहेगी, जो अयोध्या में राम मंदिर को लेकर रही है। उन्होंने अयोध्या में भव्य दीपोत्सव के आयोजन पर कहा कि अयोध्या निरंतर सजती रहेगी। प्रभु रामलला के दर्शन की इच्छा हुई तो अयोध्या आ गए हैं, यहां बहुत ही अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि चक्रावरोहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का आगमन बहुत ही हर्ष का विषय है। महंत नृत्य गोपाल दास से मुलाकात को लेकर रामभद्राचार्य ने कहा हमारी पुरानी मित्रता है। हम मित्रों की मुलाकात आनंद ही कुछ और होता है। वह अब बहुत कम पहचान पाते हैं, लेकिन मुझे पहचान लिया।

राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए खोला पैसा का पिटारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता योजनाओं में 100 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दे दी है। बुधवार को इस बारे में जानकारी देकर रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू होती हैं। वित्तीय सहायता में की गई प्रमुख बढ़ोतरी के तहत अनुदान 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़कर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी किया गया है। एक सहायता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन मिलेगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है और जो गैर-पेंशनभोगी हैं। वहीं शैक्षणिक अनुदान 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए प्रति माह प्रति विद्यार्थी किया गया है। यह सहायता अधिकतम दो आश्रित बच्चों को कक्षा 1 से स्नातक तक या दो वर्षीय परास्नातक कोर्स कर रही आश्रित विधवाओं को दी जाएगी। विवाह अनुदान में भी बढ़ोतरी की गई है। विवाह अनुदान को 50,000 रुपए से बढ़ाकर 1,00,000 रुपए प्रति लाभार्थी किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अनुदान अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह अथवा विधवा पुनर्विवाह के लिए लागू होगा, बशर्ते विवाह आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुआ हो। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मंजूरी की गई नई दरें 1 नवंबर 2025 से प्राप्त आवेदनों पर लागू होंगी। इससे प्रति वर्ष करीब 257 करोड़ रुपए का वित्तीय भार पड़ेगा, जो आर्म्ड फोर्सेस पर्सनेल वेलफेयर फंड से वहन किया जाएगा।

बारिश ने बढ़ाया चेन्नई के जलाशयों का जलस्तर, आपूर्ति होगी मजबूत

चेन्नई (एजेंसी)। बारिश और जलग्रहण क्षेत्रों से बढ़ते जलप्रवाह के साथ चेन्नई के प्रमुख पेयजल जलाशय पूरी क्षमता के करीब हैं। इससे आने वाले महीनों में शहर में जल आपूर्ति की मजबूत होगी। तमिलनाडु जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पूंडी, पुझल, चेम्बरमबक्कम, रेड हिल्स और चोलावरम जलाशय, जो मिलकर चेन्नई की पेयजल जरूरतों को पूरा करते हैं, उनमें अब 8,328 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी है, जबकि उनकी संयुक्त क्षमता 11,757 टीएमसी फीट है, जो 70.9 फीसदी का एक स्वस्थ जल संग्रहण स्तर दर्शाता है।

महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार, कांग्रेस-राजद में 65-55 में फंसा पेंच

कांग्रेस ने 43 सीट पर किए उम्मीदवार चयनित, जल्द हो सकती है नामों की घोषणा

पटना(एजेंसी)। बिहार में चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार खत्म नहीं हो रही है। कांग्रेस चुनाव में 65 सीटें चाहती है और राष्ट्रीय जनता दल 55 सीटें देने को तैयार है। इधर पार्टी सूत्रों के मुताबिक महागठबंधन में पहले चरण की जिन सीटों पर सहमति बनी है उनके नाम आज घोषित हो सकते हैं। कांग्रेस ने अब तक कुल 43 सीट पर उम्मीदवार चयनित किए हैं। महागठबंधन में कांग्रेस 65 सीटों की मांग पर अड़ी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीटों की अदला-बदली को देखते हुए पार्टी 74 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को अंतिम रूप दे रही है। ऐसे कांग्रेस ने सभी 243 सीटों पर दावेदारों से आवेदन मंगाए थे। महागठबंधन समन्वय समिति के समन्वयक तेजस्वी यादव के साथ बातचीत में कोई फार्मूला तय नहीं होने से मंगलवार को दिल्ली में पार्टी ने उम्मीदवारों के नाम पर विचार किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक की अध्यक्षता की। कांग्रेस मंगलवार को भी सभी सीटों पर प्रत्याशियों के नाम को अंतिम रूप नहीं दे सकी है।

दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंगलवार को 18 नामों पर चर्चा हुई। 3 घंटे चली बैठक में इन सीटों पर प्रत्याशी के नाम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में 40 सीट की चर्चा हुई। शेष सीटों पर उम्मीदवार के नाम तय करने के लिए सब कमेटी का गठन किया गया है। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि सभी मजबूत सीटों पर चर्चा हुई है। अब आगे की तैयारी कर रहे हैं।

कांग्रेस को डर सता रहा है। दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद टिकट दावेदारों ने जमकर नारेबाजी भी की थी। इस कारण सदाकत आश्रम में हमेशा दिखने वाले नेताजी अब गायब हैं। दरअसल इस बार पार्टी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों से आवेदन मंगाए थे। इस कारण दावेदारों की संख्या चार हजार से ज्यादा है। चुनावी साल में संगठन के अभाव में इन दावेदारों के सहारे ही पार्टी ने कार्यक्रमों और अभियान को सफल बनाया। कांग्रेस इन्हें आश्वस्त करती रही कि कार्यक्रमों में मेहनत के अनुसार ही टिकट मिलेगा। नई दिल्ली में दावेदारों ने डेरा जमा लिया है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। कार्यकर्ता खुद ही पार्टी में शामिल हुए नेताओं को तवज्जो देने से नाराज हैं।

दिल्ली में फिर हवा हुई जहरीली, एक्यूआई 206 पर पहुंचा, ग्रैप-1 लागू

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हवा जहरीली हो गई है। करीब चार महीने के बाद दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। बुधवार की सुबह दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में धुंध की मोटी चादर छाई रही। प्रदूषण की बढ़ती स्थिति को देखते हुए मंगलवार को ही ग्रैप-1 लागू कर दिया गया था। इसके तहत प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई कड़े कदम उठाए गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार सुबह 7:30 बजे तक दिल्ली का एक्यूआई 206 दर्ज किया, जो खराब श्रेणी में आता है। वहीं, एनसीआर के अन्य शहरों में भी स्थिति चिंताजनक है। फरीदाबाद में एक्यूआई 189, गुरुग्राम में 156, गाजियाबाद में 145, ग्रेटर नोएडा में 123 और नोएडा में 136 दर्ज किया गया।

जैसलमेर बस अग्निकांड : 2 अफसर सस्पेंड, मृतकों की संख्या 21 पहुंची

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में हुए भीषण बस अग्निकांड के बाद सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को परिवहन विभाग ने चित्तौड़गढ़ के कार्यवाहक डीटीओ सुरेंद्र सिंह और सहायक प्रशासनिक अधिकारी चुन्नी लाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। जांच में सामने आया कि हादसे का शिकार हुई बस की बॉडी को चित्तौड़गढ़ परिवहन विभाग से ही अनुमोदन (अप्रूवल) मिला था। इस बीच, हादसे को लेकर पहली एफआईआर दर्ज की गई है। मृत पत्रकार राजेंद्र चौहान के भाई ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर सदर थाने में केस दर्ज कराया है। मृतकों की संख्या अब 21 हो गई है। बुधवार सुबह 10 वर्षीय यूनुस ने जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, अभी भी चार घायल आईसीयू वेंटिलेटर पर हैं, जिनकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा मंगलवार दोपहर करीब 3:30 बजे हुआ, जब जैसलमेर से जोधपुर जा रही प्राइवेट एसी स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। बस में सवार कई यात्री झुलस गए थे। शुरुआती जांच में संभावना जताई जा रही है कि बस के इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग फैली, जिसने देखते ही देखते पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और परिवहन विभाग को बस बॉडी अप्रूवल की प्रक्रिया की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए मुआवजा और घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की घोषणा की है।

अब पाकिस्तान के लिए आत्मघाती कदम होगा पहलगाम जैसा हमला करना

जम्मू (एजेंसी)। पाकिस्तान की ताकत नहीं है कि वो भारत से सीधे मुकाबला कर सके। यही वजह है कि वो आए दिन भारत के खिलाफ साजिश रचता रहता है। पश्चिमी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कुछ इसी तरह की साजिश वाली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक बार फिर पहलगाम जैसी आतंकी साजिश रच सकता है, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे युद्ध करने की क्षमता और हिम्मत नहीं है। जनरल कटियार ने साफ कहा कि अगर पाकिस्तान कोई हरकत करता है तो भारत की जवाबी कार्रवाई और भी घातक होगी। उन्होंने कहा, अगर वे कुछ करते हैं तो हमारा जवाब पहले से कहीं ज्यादा घातक होगा। इसमें कोई शक नहीं। हम पूरी तरह तैयार हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि अगली कार्रवाई और निर्णायक होगी। जम्मू में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया था। उन्होंने कहा, हमने उसकी चौकियों और हवाई ठिकानों को तबाह कर दिया। लेकिन हमें सतर्क रहना होगा, क्योंकि वह फिर कुछ करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपनी दुर्भावनापूर्ण नीतियों से बाज नहीं आएगा, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे लड़ने की न तो क्षमता है और न ही साहस। उन्होंने कहा, भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है और हमें जनता का पूरा समर्थन प्राप्त है। यही कारण है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम पाकिस्तान को करारी हार देने में सफल रहे। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत के बाद भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में आतंक ढांचे को तबाह किया गया।

तमिलनाडु में हिंदी पर बैन की तैयारी: सीएम स्टालिन की भाषाई स्वाभिमान नीति आई फिर चर्चा में

-हिंदी फिल्में, गाने, विज्ञापन बोर्ड्स और होर्डिंग्स पर रोक का प्रस्ताव

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार राज्य में हिंदी भाषा के इस्तेमाल पर बैन लगाने वाला विधेयक विधानसभा में पेश करने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि प्रस्तावित बिल में हिंदी फिल्मों, गानों, विज्ञापन बोर्डों और होर्डिंग्स में हिंदी भाषा के प्रयोग पर रोक लगाने का प्रावधान शामिल हो सकता है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने मंगलवार देर रात कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई, जिसमें बिल के मसौदे पर विस्तार से चर्चा हुई। यह बिल 14 से 17 अक्टूबर तक चल रहे विधानसभा के विशेष सत्र में पेश किया जा सकता है। गौरतलब है कि तमिलनाडु में लंबे समय से हिंदी भाषा को लेकर विवाद चलता रहा है। डीएमके और अन्य द्रविड़ दल केंद्र की 'तीन-भाषा नीति' का विरोध करते रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कई मौकों पर कहा है कि राज्य के स्कूलों पर हिंदी थोपने का कोई भी प्रयास स्वीकार्य नहीं होगा।

मार्च 2025 में पेश किए गए राज्य बजट के दौरान भी स्टालिन सरकार ने एक प्रतीकात्मक भाषाई कदम उठाते हुए बजट दस्तावेजों और सिंबल से रुपए का हिंदी प्रतीक हटाकर तमिल अक्षर का उपयोग किया था, जो «रुबाई (रुपय)» शब्द का पहला अक्षर है। यह निर्णय उस समय भी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा था।

संभावित प्रभाव और राजनीतिक संदेश

प्रस्तावित बिल पारित होने के बाद राज्य में सार्वजनिक स्थलों, विज्ञापनों, सिनेमा हॉलों, रेडियो प्रसारणों और गानों में हिंदी के प्रयोग पर रोक लगाई जा सकती है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक मसौदा सार्वजनिक नहीं किया गया है। यदि यह बिल लाकर पारित किया जाता है, तो तमिलनाडु देश का पहला राज्य बन जाएगा जहां हिंदी भाषा के सार्वजनिक उपयोग पर औपचारिक प्रतिबंध लागू होगा। सीएम स्टालिन का कहना है कि हम तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान और भाषाई स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। किसी पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 29 अक्टूबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई टल गई। अब मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। बता दें कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिका में संशोधन करने की इजाजत मांगी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ को सुनवाई करनी है। इससे पहले, केंद्र सरकार और अन्य प्राधिकारियों से जवाब मांगा गया था। लेह प्रशासन ने अपने हलफनामे में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत वांगचुक की हिरासत का बचाव किया है। लेह के जिलाधिकारी सौमिल सिंह डोंक ने कहा कि हिरासत आदेश 26 सितंबर को पारित किया गया था। उन्होंने कहा कि वह इस बात से संतुष्ट थे और अभी भी संतुष्ट हैं कि व्यक्ति को हिरासत में रखा जाए। हिरासत का आधार राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और समुदाय के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए हानिकारक गतिविधियों को बताया गया है।

केरल में हिजाब विवाद छात्रा के पिता और स्कूल प्रबंधन ने बैठकर सुलझाया

-कुछ तत्व इसे लेकर सांप्रदायिक माहौल खराब करने की कर रहे थे कोशिश

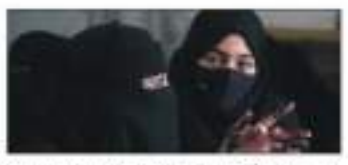

एर्नाकुलम (एजेंसी)। केरल के एर्नाकुलम जिले में एक छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति न देने से उपजा विवाद सुलझ गया। छात्रा के पिता ने बातचीत के बाद स्कूल के ड्रेस कोड का पालन करने की बात कही। वहीं, शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट ने छात्रा को धार्मिक स्वतंत्रता के तहत हिजाब पहनने की अनुमति देने की सिफारिश की है। मामला कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल पाझुथी का है, जहां कक्षा 8 की छात्रा के पिता पीएम अनस ने अपनी बेटी को कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल प्रशासन ने इसे यूनिफॉर्म नीति का उल्लंघन बताते हुए अस्वीकार कर दिया था। सोमवार और मंगलवार को स्कूल में तनाव के बाद कक्षाएं निलंबित कर दी गई थीं। मंगलवार को कांग्रेस सांसद हिबी ईडन की मध्यस्थता में छात्रा के माता-पिता और स्कूल प्रबंधन के बीच बातचीत हुई, जिसके बाद अनस ने कहा कि वह और उसकी बेटी स्कूल प्रबंधन के निर्देशों का पालन करेंगे। वह नहीं चाहते कि यह मामला सांप्रदायिक रंग ले। हमें समाज में भाईचारा बनाए रखना है। हिबी ईडन ने कहा कि कुछ तत्व इस विवाद के बहाने सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छात्रा के पिता का यह फैसला केरल की धर्मनिरपेक्ष परंपरा को मजबूत करने वाला है। इस बीच राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने बताया कि जांच में स्कूल की ओर से गंभीर चूक पाई गई है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा- छात्रा को हिजाब पहनने के कारण कक्षा से बाहर करना संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। यह गंभीर अनुशासनहीनता है। जांच रिपोर्ट में अनुशंसा की गई है कि छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति दी जाए और स्कूल चाहें तो उसके रंग और डिजाइन तय कर सकता है। मंत्री ने कहा कि केरल की धर्मनिरपेक्ष पहचान के विपरीत कोई शैक्षणिक संस्था कार्य नहीं कर सकती। ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। इससे पहले केरल हाईकोर्ट ने स्कूल प्रबंधन को संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए पुलिस सुरक्षा देने का आदेश दिया था।

चुनाव में धनबल, शराब, नशे व उपहारों के इस्तेमाल को लेकर आयोग सख्त

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने व्यय पर्यवेक्षकों को भी किया तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव में धनबल, शराब, नशे और मुफ्त उपहारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाया है। आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके। चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर को बिहार विधानसभा के आम चुनाव और 8 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की घोषणा की थी। अब आयोग ने चुनाव खर्च और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की है।

चुनाव आयोग ने इस अभियान में कई एजेंसियों को शामिल किया है, जिनमें राज्य पुलिस विभाग, आबकारी विभाग, आयकर विभाग, एफआईयू-आईएनडी, आरपीआई, एसएसबीसी, डीआरआई, सीजीएसटी, एसजीएसटी, कस्टम्स, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, डाक विभाग, वन विभाग और राज्य सहकारी विभाग शामिल हैं। इन सभी को निर्देश दिया है कि चुनाव के दौरान धन, शराब, ड्रग्स या अन्य प्रलोभनों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके।

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने के लिए व्यय पर्यवेक्षकों को तैनात किया है। ये अधिकारी अधिसूचना जारी होते ही अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच गए हैं और वहां व्यय निगरानी से जुड़ी टीमों से मिलकर नजर रख रहे हैं। आयोग ने कहा कि फ्लाइंग स्क्वॉड, सर्विलांस टीमें और वीडियो मॉनिटरिंग टीमें चौबीसों घंटे सक्रिय रहेंगी ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

चीन ब्रह्मपुत्र बना रहा सबसे बड़ा बांध, पड़ोसी देशों पर बनाना चाहता है दबाव

-भारत ने जलविद्युत योजना का अनावरण का फैसला कर दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाकर मनमानी करने की सोच रहा है। इस बांध के जरिए वह अपने पड़ोसी देशों को रौंदकर अपना व्यापार बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहा है। अब भारत ने भी इसका जवाब देने का फैसला लिया है। दरअसल, भारत सरकार ने ब्रह्मपुत्र नदी पर ही 6.4 लाख करोड़ रुपए की जलविद्युत योजना का अनावरण किया। भारत के इस फैसले के पीछे रणनीति है जो कि भविष्य में भारत के कई राज्यों को फायदा पहुंचाने वाली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस जलविद्युत परियोजना के बनने से पूर्वोत्तर राज्यों को बिजली की जरूरत आसानी से पूरी होगी। इसके अलावा अन्य राज्यों को भी बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने कहा है कि केंद्र सरकार ने बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से 76 गीगावाट से ज्यादा जलविद्युत क्षमता स्थानांतरित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपए की परिषण योजना तैयार की है।

सोमवार को जारी रिपोर्ट में सीईए ने कहा कि इस योजना में पूर्वोत्तर राज्यों के 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली परियोजनाएं शामिल की गई हैं, जिनकी संभावित क्षमता 64.9 गीगावाट और पंप-स्टोरेज संयंत्रों से अतिरिक्त 11.1 गीगावाट है। बेसिन की सीमापारीय प्रकृति और चीन से निकटता के कारण जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की योजना एक रणनीतिक मुद्दा बन गया है। चीन के ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाए जाने के बाद भारत को डर सता रहा है कि यह बांध भारतीय क्षेत्र में पानी के प्रवाह को 85 फीसदी कम कर सकता है। इतना ही नहीं, कभी युद्ध की स्थिति आई तो चीन इस बांध का दुरुपयोग भी कर सकता है। इससे ब्रह्मपुत्र के निचले इलाके को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

बता दें ब्रह्मपुत्र नदी, जो चीन के तिब्बत से निकलती है और भारत-बांग्लादेश से होकर बहती है, अपने भारतीय क्षेत्र में विशेषकर चीन सीमा के निकट अरुणाचल प्रदेश में, अहम जलविद्युत क्षमता रखती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र बेसिन अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को कवर करता है और भारत की अप्रयुक्त जलविद्युत क्षमता का 80 फीसदी से ज्यादा इसमें समाहित है। अकेले अरुणाचल प्रदेश में 52.2 गीगावाट की क्षमता है। बता दें चीन ने जुलाई में दक्षिण-पूर्वी तिब्बत में भारत की सीमा के पास ब्रह्मपुत्र पर एक बड़े बांध का निर्माण शुरू किया है। भारत ने इस साल की शुरुआत में

इस परियोजना को लेकर चिंता जताई थी। जनवरी में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि चीन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि ब्रह्मपुत्र के निचले इलाकों के हितों को ऊपरी इलाकों में हो रही गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे।